13 अगस्त 2025

बुधवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

अपने बच्चों का चेहरा देखकर वोट दें : प्रशांत किशोर

2

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला ने जस्टिस वर्मा को हटाने का प्रस्ताव किया स्वीकार

♦ आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति भी गठित

एजेंसी/नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने के नोटिस को स्वीकार कर लिया। उन्होंने जज के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति भी गठित की। लोकसभा में यह एलान करते हुए ओम बिरला ने कहा कि न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने की प्रक्रिया शुरू होनी चाहिए, क्योंकि उनके खिलाफ लगे आरोप गंभीर प्रकृति के हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने के लिए बहुदलीय नोटिस स्वीकार करने के बाद उनके खिलाफ आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया। इससे इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू हो गई।

इस जांच समिति में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव और कर्नाटक उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता बी. वी. आचार्य शामिल हैं।बिरला ने कहा, 'समिति जल्द से जल्द अपनी

रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने का प्रस्ताव जांच समिति की रिपोर्ट मिलने होने तक लंबित रहेगा।

इससे पहले लोकसभा स्पीकर ने कहा कि उन्हें 21 जुलाई को रविशंकर प्रसाद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित 146 लोकसभा सदस्यों की ओर से न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने का प्रस्ताव मिला था।

न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आरोप गंभीर प्रकृति के थे:14 मार्च को उनके सरकारी आवास पर जले हुए नोटों की गड्डियां मिलने के बाद न्यायमूर्ति वर्मा को दिल्ली से इलाहाबाद उच्च न्यायालय भेज दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट के संबंधित कानूनों और फैसलों का हवाला देने के बाद दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने पाया कि न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आरोप गंभीर प्रकृति के थे।ओम बिरला ने कहा कि बेदाग चरित्र, वित्तीय और बौद्धिक ईमानदारी न्यायपालिका में एक आम व्यक्ति के विश्वास की नींव है। उन्होंने कहा कि मौजूदा मामले से जुड़े तथ्य भ्रष्टाचार की ओर इशारा करते हैं।

यह मामला 14 मार्च को उनके दिल्ली स्थित आवास पर आग लगने के दौरान दमकल की गाड़ियों की ओर से कथित तौर पर नकदी पाए जाने के बाद सामने आया था, जब वे दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे। न्यायाधीश अपने घर पर मौजूद नहीं थे। 28 जुलाई को एक सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा से उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए कई सवाल पूछे थे।

जीरो टॉलरेंस की अपनी प्रतिबद्धता का स्पष्ट संदेश देना चाहिए

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 124, अनुच्छेद 217 और अनुच्छेद 218 के अनुसार कार्रवाई के योग्य हैं। संसद को इस मुद्दे पर एक स्वर में बोलने की जरूरत है। इस देश के प्रत्येक नागरिक को भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की अपनी प्रतिबद्धता का स्पष्ट संदेश देना चाहिए।' लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है और न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 की धारा 3(2) के अनुसार न्यायमूर्ति वर्मा को पद से हटाने के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने की सिफारिश की गई

थी इससे पहले सर्वोच्च न्यायालय ने 7 अगस्त, 2025 को कहा था कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने की सिफारिश करने वाली आंतरिक जांच प्रक्रिया को कानूनी मान्यता प्राप्त है। जस्टिस वर्मा के आवासीय परिसर में आग लगने के बाद जले हुए नोट मिले थे। उस समय वे दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश थे।सुप्रीम कोर्ट से मिला था करारा झटका इस बीच सर्वोच्च न्यायालय ने न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से आंतरिक जांच पैनल की रिपोर्ट को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया था। शीर्ष अदालत ने जस्टिस वर्मा की उस मांग को भी खारिज कर दिया था, जिसमें भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की ओर से उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने की सिफारिश को रद्द करने की अपील की गई थी।

राहुल गांधी ने किया ऐलान... पूरे देश में एक साथ होगा विरोध-प्रदर्शन

मतदाता सूची में गड़बड़ी के विरोध 14 अगस्त को निकालेगा लोकतंत्र बचाओ मशाल मार्च

♦ 15 सितंबर से 15 अक्तूबर तक वोटिंग अधिकार बचाने और जागरूकता के लिए सिग्नेचर अभियान चलाया जाएगा

एजेंसी/नई दिल्ली

कांग्रेस ने मतदाता सूची में गड़बड़ी और वोट चोरी के आरोपों पर बड़ा अभियान शुरू किया है। मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई बैठक में तीन चरणों वाले विरोध कार्यक्रम की घोषणा हुई। कन्हैया कुमार ने कहा कि ये सिर्फ वोट चोरी नहीं, लोकतंत्र पर डकैती है। इसको लेकर कांग्रेस 14 अगस्त को लोकतंत्र बचाओ मशाल मार्च से देशभर में विरोध की शुरुआत करेगी। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के द्वारा देशभर में मतदाता सूची में धांधली के दावों के चलते बयानबाजी तेज हो रही है। विपक्षी दल लगातार इस बात को लेकर विरोध प्रदर्शन कर अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहे है। इसी बीच कांग्रेस ने मंगलवार को मतदाता सूची में गड़बड़ी और वोट चोरी के आरोपों को लेकर एक बड़ा देशव्यापी

अभियान शुरू करने का एलान किया। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में कांग्रेस महासचिवों, प्रभारी नेताओं और फ्रंटल संगठनों के प्रमुखों के साथ हुई बैठक में इस रणनीति पर फैसला हुआ। बैठक में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश और कन्हैया कुमार जैसे कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

कांग्रेस का तीन चरणों वाला विरोध कार्यक्रम

बैठक के बाद कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि पार्टी 14 अगस्त को सभी जिला मुख्यालयों पर लोकतंत्र बचाओ मशाल मार्च निकालेगी। इसके बाद 22 अगस्त से 7 सितंबर के बीच वोट चोर, गद्दी छोड़ रैलियां होंगी। 15 सितंबर से 15 अक्तूबर तक वोटिंग अधिकार बचाने और जागरूकता के लिए सिग्नेचर अभियान चलाया जाएगा।

कन्हैया ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर साधा निशाना:कन्हैया कुमार ने आगे कहा कि केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी ने सबूतों के साथ ये बात रखी है कि लोकतंत्र को कैसे कुचला जा रहा है। पहले हम सोचते थे कि वोट चोरी हो रही है, लेकिन अब लग रहा है कि ये चोरी नहीं, डकैती है। उन्होंने कहा कि यह संविधान और वन मैन, वन वोट के सिद्धांत की रक्षा की लड़ाई है, जिसे कांग्रेस लाई थी और वही अब इसे बचाएगी।

चुनाव आयोग पर राहुल गांधी ने लगाए गंभीर आरोप:मामले में राहुल गांधी लगातार रूप से चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर कई सारे आरोप लगाते आए है। इसी सिलसिले में एक बार फिर कांग्रेस नेता ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि आयोग ने वन मैन वन वोट के सिद्धांत को लागू करने की जिम्मेदारी निभाई ही नहीं। उन्होंने कहा कि हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं। वन मैन वन वोट संविधान की नींव है। चुनाव आयोग को यह सिद्धांत लागू करना चाहिए था, लेकिन उसने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई किसी पार्टी की नहीं बल्कि देश के संविधान की रक्षा की लड़ाई है।

कांग्रेस ने वोट चोरी के खिलाफ लॉन्च किया पोर्टल:इतना ही नहीं कांग्रेस ने इस मुद्दे को जनता तक पहुंचाने के लिए एक वेब पोर्टल लॉन्च किया है। इस पोर्टल पर कोई भी व्यक्ति वोट चोरी के सबूत डाउनलोड कर सकता है, चुनाव आयोग से जवाबदेही की मांग कर सकता है और वोट चोरी की शिकायत भी दर्ज कर सकता है। वहीं राहुल गांधी ने लोगों से अपील की है कि वे इस पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करें और लोकतंत्र बचाने की इस लड़ाई में हिस्सा लें। बता दें कि इससे पहले सोमवार को राहुल गांधी, खरगे, शरद पवार समेत विपक्षी सांसदों ने संसद से लेकर चुनाव आयोग तक मार्च निकाला। इस दौरान मतदाता सूची के विशेष गहन पूनरिक्षण (एसआईआर) के विरोध में सभी सांसदों ने सफेद टोपी पहन रखी थी, जिस पर वोट चोरी लिखा था। हालांकि पुलिस ने उन्हें मध्य मार्ग पर ही रोक लिया और सभी को थोड़ी देर के लिए हिरासत में लिया गया।

सहारा समूह के 9 ठिकानों पर छापेमारी

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय प्रवर्तन निदेशालय, कोलकाता जोनल कार्यालय ने सहारा समूह के खिलाफ पीएमएलए मामले के संबंध में धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के तहत गाजियाबाद, लखनऊ, श्रीगंगानगर और मुंबई स्थित 9 परिसरों में छापेमारी की है। जिन संस्थाओं में तलाशी अभियान चलाया गया, वे सहारा समूह की विभिन्न भूमि और शेयर लेनदेन से संबंधित थीं। ईडी ने ओडिशा, बिहार और राजस्थान में पुलिस द्वारा मेसर्स हमारा इंडिया क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड और अन्य के खिलाफ आईपीसी, 1860 की धारा 420 और 120 बी के तहत दर्ज तीन एफआईआर के आधार पर उक्त मामले की जांच शुरू की थी। सहारा समूह की विभिन्न संस्थाओं के खिलाफ 500 से अधिक एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिनमें 300 से अधिक पीएमएलए के तहत अनुसूचित अपराधों से संबंधित हैं। ईडी की जांच से पता चला है कि सहारा समूह कई संस्थाओं के माध्यम से जमाकताओं और एजेंटों को उच्च रिटर्न और कमीशन का लालच देकर एक पोंजी स्कीम चला रहा था। जमाकताओं की निगरानी के बिना, धनराशि का प्रबंधन अनियमित तरीके से किया गया। परिपक्वता राशि का भुगतान नहीं किया गया, बल्कि दबाव या गलत बयानी के तहत उसे पुनर्निवेश किया गया। इस तरह की अदायगी न करने की स्थिति को छिपाने के लिए खातों में हेराफेरी की गई। वित्तीय अक्षमता के बावजूद, समूह ने नई जमा राशि एकत्र करना जारी रखा।

बिहार में महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देगी भाजपा-जदयू

एजेंसी/नई दिल्ली

महिलाओं को नकद आर्थिक सहायता देने की योजना भाजपा के लिए वरदान साबित हुई है। इस तरह की योजनाओं की सहायता से भाजपा ने मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली सहित कई राज्यों में सरकार बनाने में सफलता हासिल की है। अब यही स्कीम बिहार में भी आजमाने की तैयारी है। भाजपा-जेडीयू सरकार जल्द ही बिहार में महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने की घोषणा कर सकती है। बिहार विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पहले महिलाओं के खाते में योजना की पहली किस्त पहुंचाकर बिहार सरकार महिलाओं को पूरी तरह अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश कर सकती है। इस योजना का नाम क्या हो सकता है, इस पर अभी विचार-विमर्श हो रहा है। सीएम इस योजना के नाम पर अंतिम मुहर लगाएंगे।

कैबिनेट मीटिंग में 4 नए सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स की मंजूरी

एजेंसी/नई दिल्ली

♦ केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 11.165 किमी लंबाई वाली लखनऊ मेट्रो रेल परियोजना के फेज-1बी को मंजूरी दी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें कुल 18,541 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि बैठक में 4 नए सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि 6 प्रोजेक्ट्स पहले से ही स्वीकृत हैं और आज 4 नए प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिली है। इसके तहत ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पंजाब में प्लांट्स लगाए जाएंगे, जिसके लिए 4,594 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। इससे घरेलू चिप उत्पादन, पैकेजिंग और एडवांस्ड मटेरियल को बढ़ावा मिलेगा, जिससे दो

हजार लोगों को नौकरी मिलेगी। वैष्णव ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 11.165 किलोमीटर लंबाई वाली लखनऊ मेट्रो रेल परियोजना के फेज-1बी को मंजूरी दी है। इसके तहत 12 मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे और जिसके लिए 5,801 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। लखनऊ में मेट्रो की बहुत जरूरत है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत स्वच्छ विकास और स्वच्छ ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्ध है। इसलिए अरुणाचल प्रदेश के शि योमी जिले में 8,146 करोड़ रुपए के निवेश के साथ 700 मेगावाट की टाटो हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई है। इसे पूरा होने में करीब 72 महीने लगेंगे। 8 अगस्त- उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को सब्सिडी मिलती रहेगी। इससे पहले पीएम मोदी की अध्यक्षता में 8 अगस्त को कैबिनेट बैठक हुई थी। वैष्णव ने बताया था कि कैबिनेट की बैठक में 5 अहम फैसले लिए गए हैं। इसके लिए कुल 52,667 करोड़ के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। वैष्णव ने बताया था कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 2025-26 में भी सब्सिडी दी जाएगी, जिसके लिए 12,060 करोड़ मंजूर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम उज्ज्वला योजना को समावेशी विकास के लिए वैश्विक स्तर पर सराहना मिली है। इसका मकसद लोगों की जिंदगी में बदलाव लाना है। रेल मंत्री में बताया कि मीटिंग में तय हुआ है कि घरेलू एलपीजी पर घाटे की भरपाई के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों को 30,000 करोड़ का मुआवजा दिया जाएगा। वहीं, तकनीकी शिक्षा में सुधार के लिए 4,200 करोड़ की मदद दी जाएगी।

भभुवर शिव मंदिर में रुद्राभिषेक के बाद श्रद्धालुओं को दिया जीवन का संदेश

जो मिला है, उसका महत्व समझो, योगी श्री शीलनाथ जी महाराज

केटी न्यूज/बक्सर

महामंडलेश्वर पीठाधीश्वर आदिनाथ अखाड़ा योगी श्री शीलनाथ जी महाराज ने कहा कि पूजा का अर्थ केवल लंबी-लंबी आकांक्षाओं की पूर्ति नहीं है, बल्कि जो हमारे पास पहले से है, उसका महत्व समझना चाहिए। लोग आज के समय में अधिक से अधिक पाने की दौड़ में इतने तनावग्रस्त हो जाते हैं कि जीवन का आनंद ही खो बैठते हैं। कुछ तो जैसे थोक में तनाव जमा कर लेते हैं, जिससे उनका जीवन कष्टमय हो जाता है। महाराज जी मंगलवार को भभुवर शिव मंदिर में धार्मिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव के रुद्राभिषेक के बाद श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे किसी सूर व्यक्ति को आंखें मिल जाएं तो उसे ऐसा लगेगा कि पूरी दुनिया मिल गई है, वैसे ही हमें अपने पास मौजूद सुख-साधनों की कद्र करनी चाहिए।

परिवार में प्रेम और सद्भाव ही ईश्वर का वास

योगी श्री शीलनाथ जी महाराज ने कहा कि जिस घर में आपसी प्रेम और सद्भावना रहती है, वहां स्वयं ईश्वर का निवास हो जाता है। परिवार के लोग यदि मिलजुलकर रहें, छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज करें और निंदा-शिकायत से बचें, तो जीवन सहज और सुखी हो जाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि निंदा करने से दूसरों का पाप भी अपने ऊपर आ जाता है, इसलिए इससे बचना चाहिए।

आज गुप्ता धाम में करेंगे दर्शन व पूजन

महाराज जी ने मंगलवार को भभुवर शिव मंदिर में पूजा के बाद नदाव और नुआव स्थित शिव मंदिरों में भी दर्शन और रुद्राभिषेक किया। बुधवार को वे गुप्ता धाम के दर्शन करेंगे, जबकि गुरुवार और शुक्रवार को बक्सर के गौरी शंकर मंदिर, वामन भगवान मंदिर और रामेश्वर नाथ मंदिर में विशेष पूजा और रुद्राभिषेक का कार्यक्रम रहेगा।इससे पहले सोमवार को उन्होंने धार्मिक यात्रा की शुरूआत सिमरी शिव मंदिर और ब्रह्मपुर ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर से की थी। इसके बाद पंचकोसी परिक्रमा के तहत अहिरौली स्थित अहिल्या माता मंदिर का भी दर्शन किया।

शिव मंदिरों की स्थिति का करेंगे निरीक्षण

महामंडलेश्वर सोमवार से शुक्रवार तक जिले के प्रमुख शिव मंदिरों का भ्रमण कर रहे हैं। सावन मास में वे चरित्रवन स्थित गुरुदेव भगवान श्री नाथ बाबा मंदिर में स्थापित शिवलिंग एवं द्वादश ज्योतिर्लिंग का लगातार रुद्राभिषेक करते रहे हैं। महाराज जी ने मंदिरों के भ्रमण के दौरान उनकी स्थिति का जायजा भी लिया। उन्होंने बताया कि कई मंदिरों के भवन जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं, जिनके जीर्णोद्धार की आवश्यकता है। साथ ही, मंदिर परिसरों में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाना जरूरी है। उन्होंने सुझाव दिया कि मंदिरों में शिव-पार्वती की मूर्तियां स्थापित करने से उनकी भव्यता और आकर्षण और बढ़ जाएगा।

संदेश, संतोष में ही सुख

अपने प्रवचन के अंत में योगी श्री शीलनाथ जी महाराज ने कहा कि जीवन में संतोष सबसे बड़ा धन है। जो मिला है, उसे ईश्वर का आशीर्वाद मानकर उसका सम्मान करना चाहिए। अधिक पाने की लालसा कभी पूरी नहीं होती, लेकिन संतोष से मन को सच्चा सुख और शांति मिलती है।

अपने बच्चों का चेहरा देखकर वोट दें : प्रशांत किशोर

- भारी भीड़ के बीच बिहार बदलाव यात्रा में पीके का तीखा हमला, पेंशन और शिक्षा पर किए बड़े वादे
- पुराना भोजपुर के खेल मैदान में आयोजित हुआ था पीके की जनसभा

केटी न्यूज/डुमरांव

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने मंगलवार को डुमरांव विधानसभा क्षेत्र के पुराना भोजपुर खेल मैदान में एक जनसभा को संबोधित किया। आयोजित सभा में पीके ने हजारों की भीड़ के सामने मौजूदा राजनीतिक परंपरा पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग अब तक नेताओं के चेहरों को देखकर वोट देते आए हैं, लेकिन अपने बच्चों के भविष्य को कभी तरजीह नहीं दी। सभा में पीके ने तीखा तंज कसते हुए कहा कि मोदी का चेहरा देखकर वोट दिया तो चाय बेचने वाला प्रधानमंत्री बन गया, नीतीश का चेहरा देखकर वोट दिया तो वैद्य का बेटा 20 साल से मुख्यमंत्री है, लालू का चेहरा देखकर वोट दिया तो भैंस चराने वाला 30 साल तक सत्ता में रहा। लेकिन आपने अपने बच्चों का चेहरा देखकर वोट कब दिया। उन्होंने कहा कि नेताओं के बच्चों का भविष्य तो सुरक्षित है, लेकिन गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार के बच्चे बेरोजगारी और गरीबी के दलदल में फंसे हुए हैं। लालू का बेटा 9वीं पास नहीं, फिर भी मुख्यमंत्री बनाने की तैयारी है, जबकि गांव के पढ़े-लिखे एमए, बीए पास नौजवान नौकरी के लिए भटक रहे हैं, इससे बड़ा दुर्भाग्य नहीं हो सकता है।

56 इंच का सीना, लेकिन बच्चों का सीना 15 इंच

पीके ने लोगों को चेताते हुए कहा कि मोदी के लिए 56 इंच सीने पर वोट दिया, लेकिन अपने बच्चों का सीना भूख और बेरोजगारी से 15 इंच का हो गया है। पैरों में चप्पल नहीं, तन पर ढंग का कपड़ा नही, लेकिन इस पर किसी का ध्यान नहीं है। उन्होंने दावा किया कि वे तीन साल से बिहार के गांव-गांव घूम रहे हैं और हर जगह एक जैसी पीड़ा देख रहे हैं, नेताओं की शान में वोट, लेकिन बच्चों की हालत पर चुप्पी।

पेंशन और शिक्षा पर बड़ा ऐलान

सभा में पीके ने दो बड़ी घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि यदि हमारी सरकार बनी तो दिसंबर 2025 से 60 वर्ष से ऊपर के हर महिला और पुरुष को 2000 रुपये मासिक पेंशन। वहीं, उन्होंने शिक्षा योजना पर घोषणा करते हुए कहा कि जब तक सरकारी स्कूलों का स्तर सुधर नहीं जाता, तब तक 15 साल से कम उम्र के बच्चों को प्राइवेट स्कूल में पढ़ाने की व्यवस्था और फीस सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गरीब का बच्चा भी अंग्रेजी मीडियम में पढ़ेगा, ताकि उसका भविष्य मजबूत हो।

बदहाली की आखिरी दिवाली

पीके ने दावा किया कि इस साल बिहार की बदहाली की आखिरी दिवाली और छठ होगी। इसके बाद बिहार के किसी युवक को मजदूरी के लिए गुजरात, पंजाब या दिल्ली नहीं जाना पड़ेगा।

पीके ने पीएम व सीएम पर बोला हमला

पीके ने प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि मोदी बिहार से वोट लेकर गुजरात में फैक्ट्री लगवाते हैं, जहां हमारे युवक 10-12 हजार में मजदूरी करते हैं। नीतीश 20 साल से सत्ता में हैं, लेकिन युवाओं का भविष्य अंधकार में है। उन्होंने कहा कि लालू यादव का पूरा ध्यान परिवार को सत्ता में बनाए रखने पर है।

मतदाता सूची पर आरोप

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर पीके ने आरोप लगाया कि भाजपा और नीतीश सरकार गरीब प्रवासी मजदूरों का नाम वोटर लिस्ट से कटवाने की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा कि शराबबंदी की विफलता और गरीबों पर हो रहे अन्याय को छुपाने के लिए सरकार गरीबों की आवाज खत्म करना चाहती है।

जनता में दिखा जोश

सभा स्थल पर सुबह से ही भीड़ जुटने लगी थी। दूर-दराज के गांवों से लोग ट्रैक्टर, बाइक और पैदल पहुंचे। बदलाव चाहिए, बिहार में जन सुराज के नारे गूंजते रहे। पीके के भाषण के दौरान कई बार तालियों और जयकारों से मैदान गूंज उठा। सभा खत्म होने के बाद भी लोग उनसे मिलने, सेल्फी लेने और अपनी समस्याएं बताने के लिए रुके रहे। कई युवाओं ने रोजगार योजनाओं पर विस्तृत जानकारी भी मांगी।

बदलाव के लिए अपील

अंत में पीके ने हाथ जोड़कर कहा कि इस बार वोट देने से पहले अपने बच्चों का चेहरा देखना। अगर वे पढ़ाई कर रहे हैं, रोजगार पा रहे हैं और बिहार में ही सुरक्षित हैं, तो पुरानी राजनीति को वोट दें। अगर नहीं, तो बदलाव के लिए जन सुराज को मौका दें।

डुमरांव में बढ़ा मच्छरों का प्रकोप

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर क्षेत्र में इन दिनों मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ गया है, जिससे लोगों में बीमारी फैलने की आशंका बढ़ गई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नालियों की नियमित सफाई न होने और जगह-जगह गंदा पानी जमा रहने से मच्छरों का प्रजनन तेजी से हो रहा है। इसके चलते डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। हालात यह हैं कि शाम होते ही मच्छरों का झुंड घरों और गलियों में फैल जाता है, जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नागरिकों ने नगर परिषद से तुरंत फॉगिंग और सफाई अभियान चलाने की मांग की है। स्वास्थ्य विभाग ने भी लोगों को मच्छरदानी के प्रयोग और पानी जमा न होने देने की सलाह दी है।

डुमरांव के विंध्याचल राय दोबारा बने भाजपा लीगल सेल के प्रदेश अध्यक्ष, लगा बधाईयों तांता

- भाजपा कार्यकताओं को कानूनी सहयोग को मिलेगा नया आयाम
- छात्र जीवन से ही सक्रिय राजनीति की किए थे शुरूआत, राजनीतिक सफर में संघर्ष का लंबा रहा है इतिहास

केटी न्यूज/डुमरांव

पटना हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं डुमरांव निवासी पूर्व छात्र नेता विंध्याचल राय को भाजपा लीगल सेल का पुनः प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। उन्हें भाजपा लीगल सेल का फिर से प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने से पार्टी के कानूनी मोर्चे में नई ऊर्जा और मजबूती आने की उम्मीद जताई जा रही है। उनकी नियुक्ति पर भाजपा युवा मोर्चा बिहार प्रदेश के सह-संयोजक दीपक यादव समेत भाजपा कार्यकर्ताओं ने हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

बता दें कि मूल रूप से ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्र के जवही जगदीशपुर गांव निवासी व वर्तमान में डुमरांव नया थाना के पीछे के निवासी विंध्याचल राय का सफर छात्र जीवन से ही राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रति समर्पित रहा है। पटना विश्वविद्यालय में एबीवीपी के मंच से सक्रिय राजनीति में कदम रखने वाले राय ने युवाओं की समस्याओं, शिक्षा सुधार और छात्र हितों से जुड़े मुद्दों को हमेशा मुखर होकर उठाया। यही संघर्षशील प्रवृत्ति आगे चलकर उन्हें पटना हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में भी अलग पहचान दिलाई।

उन्होंने न केवल पेशेवर जीवन में उत्कृष्ट कार्य किया, बल्कि समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्ग को न्याय दिलाने के लिए भी लगातार प्रयासरत रहे। यही कारण है कि उनका कार्य केवल अदालत की दहलीज तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक सरोकारों से भी गहराई से जुड़ा रहा।

भाजपा लीगल सेल के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में अपने पिछले कार्यकाल में विंध्याचल राय ने पूरे बिहार में पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए एक सशक्त कानूनी नेटवर्क तैयार किया। गांव से लेकर जिला स्तर तक कानूनी जागरूकता अभियान चलाकर उन्होंने संगठन को न केवल कानूनी दृष्टि से सक्षम बनाया, बल्कि कार्यकताओं के मनोबल को भी मजबूत किया। उनकी पहल से कई मामलों में कार्यकताओं को समय पर कानूनी सहायता मिली, जिससे संगठनात्मक एकजुटता और भी बढ़ी। दीपक यादव ने कहा कि विंध्याचल राय का पुनः प्रदेश अध्यक्ष बनना उनके अनुभव, कार्यशैली और संगठन के प्रति निष्ठा का परिणाम है। उनका मानना है कि राय के नेतृत्व में भाजपा लीगल सेल बिहार आने वाले दिनों में नए मुकाम हासिल करेगा और कार्यकताओं के अधिकारों की रक्षा में और भी प्रभावी भूमिका निभाएगा। उनका अनुभव और दृष्टिकोण पार्टी के संगठनात्मक विस्तार और जनसेवा की दिशा में भी लाभकारी साबित होगा। उनका नेतृत्व पार्टी के लिए एक नई दिशा तय करेगा और आने वाले वर्षों में कानूनी मोर्चे को और अधिक मजबूत बनाएगा।

बधाई देने वालों में भाजपा के जिला प्रवक्ता शक्ति राय, सौरभ तिवारी, रोहित सिंह, मुखिया सिंह कुशवाहा, संटू मित्रा, अभिषेक कुमार समेत कई अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

राजस्व महा-अभियान 2025 की तैयारी तेज, बक्सर में हुई उच्चस्तरीय बैठक

केटी न्यूज/बक्सर

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार सरकार के अपर सचिव महेंद्र पाल की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में आगामी राजस्व महा-अभियान 2025 की पूर्व तैयारी को लेकर विस्तृत समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पदाधिकारी बक्सर, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर व डुमरांव, भूमि सुधार उप समाहर्ता, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला जन संपर्क पदाधिकारी सहित सभी प्रखंडों के वरीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

अपर सचिव ने सभी प्रखंड स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि चयनित स्थलों का पूर्व भ्रमण कर सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करें, ताकि अभियान के दौरान आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

अपर सचिव का संदेश

बैठक के दौरान अपर सचिव महेंद्र पाल ने कहा कि राजस्व महा-अभियान केवल एक विभागीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक जन-सेवा संकल्प है। हमारा लक्ष्य है कि हर योग्य रैयत को उसका हक समय पर और पारदर्शी तरीके से मिले। उन्होंने आम जनता से अपील की कि अपने गांव और पंचायत में आयोजित होने वाले शिविरों में जरूर पहुंचें और भूमि से संबंधित लंबित मामलों का त्वरित निपटारा कराएं। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि शिविर में आने से पहले आवश्यक दस्तावेज साथ लाना न भूलें, ताकि प्रक्रिया में विलंब न हो। राजस्व महा-अभियान 2025 के सफल संचालन के लिए जिले भर में तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं और प्रशासन का लक्ष्य है कि इस बार अधिकतम मामलों का निपटारा अभियान अवधि में ही हो सके।

अभियान के दौरान होने वाले प्रमुख कार्य

अभियान के तहत डोर-टू-डोर सर्वे किया जाएगा, जिसमें जमाबंदी सुधार, छूटी हुई जमाबंदियों का ऑनलाइनकरण, उत्तराधिकारी नामांतरण और बंटवारा नामांतरण के आवेदन घर-घर जाकर संकलित किए जाएंगे।

राजस्व कर्मी अपने-अपने क्षेत्र के लंबित मामलों की अद्यतन सूची के साथ पहुंचेंगे। इसके अलावा हल्कावार शिविर 19 अगस्त से 20 सितंबर तक पंचायत सरकार भवन या अन्य सरकारी भवनों में लगाए जाएंगे। इन शिविरों में म्यूटेशन प्लस पोर्टल पर ऑन-द-स्पॉट आवेदन प्रोसेसिंग की सुविधा रहेगी।

विभागीय समन्वय और प्रशिक्षण

अभियान को सफल बनाने के लिए ग्रामीण विकास, पंचायत राज, सूचना एवं जन संपर्क, तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग का संयुक्त प्रयास रहेगा। पंचायत स्तर पर मुखिया, सरपंच और वार्ड सदस्यों को प्रशिक्षण देकर उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

सभी अंचल एवं हल्का स्तर के अधिकारियों का प्रशिक्षण 9 अगस्त तक पूरा करने और 12 अगस्त तक प्रत्येक अंचल का माइक्रो प्लान पोर्टल पर अपलोड करने का निर्देश दिया गया।

जन-जागरूकता और प्रचार

अभियान की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के लिए होर्डिंग, पंपलेट, माइकिंग, सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यम का उपयोग किया जाएगा।

एक नजर

चुनाव की तैयारी तेज, बक्सर में डिस्पैच सेंटर का डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण

बक्सर। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह और पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने संयुक्त रूप से बक्सर विधानसभा क्षेत्र के चुरामनपुर स्थित डिस्पैच एवं रिसेप्शन सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदान प्रक्रिया से जुड़े सभी इंतजामों को निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मतदान कर्मियों के बैठने, वाहन पार्किंग और इवीएम स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी व्यवस्थाएं समय पर और मानक के अनुरूप पूरी होनी चाहिए, ताकि मतदान दिवस पर किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। वाटरप्रूफ टेंट, शुद्ध पेयजल, मेडिकल सुविधा, साइनेज और सामग्री कलेक्शन सेंटर जैसी बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने सुरक्षा पहलुओं की समीक्षा करते हुए बताया कि डिस्पैच सेंटर पर पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती रहेगी। उन्होंने मतदान सामग्री के सुरक्षित परिवहन और ईवीएम की सुरक्षा के लिए कड़े प्रबंध करने की बात कही। साथ ही, मतदान कर्मियों और पुलिसकर्मियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी सुविधाएं सुलभ कराने पर बल दिया। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि बक्सर शहर को जाम की समस्या से बचाने के लिए चुरामनपुर में डिस्पैच सेंटर स्थापित किया गया है। इससे चुनाव सामग्री के वितरण और संग्रहण के दौरान शहर के यातायात पर दबाव नहीं पड़ेगा।

चौसा पावर प्लांट प्रभावितों को मुआवजा व नौकरी में मिलेगी प्राथमिकता

बक्सर। भारत सरकार के ऊर्जा सचिव पंकज अग्रवाल से मंगलवार को सांसद सुधाकर सिंह के नेतृत्व में पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल द्वारा मुलाकात की। मुलाकात में चौसा थर्मल पावर प्लांट से प्रभावित किसानों, मजदूरों और पौनी समेत अन्य हितधारकों की समस्याओं पर विस्तृत चर्चा हुई। ऊर्जा सचिव ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वासन दिया कि प्रभावितों को कानून के अनुरूप सभी देनदारियों का भुगतान किया जाएगा। इसमें किसानों को आरजी योजना के तहत पाँच लाख रुपये, मजदूरों और पौनी को 750 दिनों की मजदूरी का भुगतान शामिल है। इसके अलावा जो स्थानीय बेरोजगार अपनी योग्यता के अनुरूप रोजगार चाहते हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर नियुक्ति दी जाएगी। सचिव ने यह भी भरोसा दिलाया कि किसानों को फसल मुआवजा वार्षिकी (एन्युटी) का लाभ एनटीपीसी नबीनगर परियोजना के तर्ज पर चौसा परियोजना में भी मिलेगा। प्रतिनिधि मंडल में सांसद सुधाकर सिंह के अलावा भारतीय किसान यूनियन के बिहार प्रभारी दिनेश कुमार, बिहार राज्य दुग्ध उत्पादक संघ के महासचिव अशोक प्रसाद सिंह, प्रभावित किसान खेतीहर मजदूर मोर्चा चौसा के अध्यक्ष रामप्रवेश सिंह यादव, महासचिव बृजेश राय और मीडिया प्रभारी मुन्ना तिवारी शामिल थे।

बिजली बिल में 900 रुपये की मासिक बचत से बदलेगी जिंदगी, सीएम नीतीश ने उपभोक्ताओं से की सीधी बात

- नगर भवन बक्सर में आयोजित उपभोक्ता संवाद कार्यक्रम, जिले के 2.56 लाख घरों को मिलेगा लाभ

केटी न्यूज/बक्सर

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नगर भवन बक्सर से जुड़े उपभोक्ता संवाद कार्यक्रम में बक्सर जिले के हजारों विद्युत उपभोक्ताओं से सीधी बात की। कार्यक्रम में जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह समेत जिले के सभी संबंधित अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने इस दौरान 125 यूनिट विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए बताया कि इसका उद्देश्य घरेलू उपभोक्ताओं को सीधे आर्थिक राहत देना है। योजना के तहत बक्सर जिले के लगभग 2.56 लाख घरेलू विद्युत उपभोक्ता लाभांवित होंगे।

900 रुपये मासिक की सीधी बचत

जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने बताया कि इस योजना से प्रत्येक घरेलू उपभोक्ता को लगभग 900 रुपये प्रतिमाह की बचत होगी। उन्होंने कहा, अगर इस बचत को सालाना देखा जाए तो यह एक उपभोक्ता के लिए 10,800 रुपये तक की राहत है। कार्यक्रम के दौरान अलग-अलग उपभोक्ताओं ने मंच से बताया कि वे इस बचत का उपयोग कैसे करेंगे। एक उपभोक्ता ने कहा कि वे बचाए गए पैसे को अपनी बेटी की उच्च शिक्षा पर खर्च करेंगे, तो किसी ने बताया कि यह रकम उनकी बेटी की शादी के लिए एक छोटी लेकिन जरूरी बचत होगी।

आर्थिक राहत से सामाजिक बदलाव की उम्मीद

विशेषज्ञों का मानना है कि 900 रुपये मासिक की बचत छोटे किसानों, मजदूरों, रेहड़ी-पटरी चलाने वालों और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए बड़ी मदद साबित होगी। यह राशि उनके बच्चों की पढ़ाई, पोषण, स्वास्थ्य और अन्य जरूरी खर्चों में सहायक होगी।

नगर भवन बक्सर में आयोजित यह संवाद कार्यक्रम इस बात का उदाहरण बन गया कि योजनाएं केवल कागजों पर नहीं, बल्कि सीधे लोगों की जिंदगी में असर डाल रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की मंशा है कि विकास और सुविधा का लाभ गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचे।

जिलेभर में 62 जगह लगे कैम्प

कार्यक्रम के लिए बक्सर जिले में 62 अलग-अलग जगहों पर विशेष कैम्प लगाए गए, जहां भारी संख्या में उपभोक्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रत्येक कैम्प में योजना के लाभ, पात्रता और प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। योजना की जानकारी को रोचक और प्रभावी बनाने के लिए नाटक के माध्यम से भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिन्हें देखकर उपस्थित लोग उत्साहित हो उठे।

पीएम सूर्य योजना पर भी चर्चा

संवाद के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पीएम सूर्य योजना का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि यह योजना न केवल बिजली उपभोग को किफायती बनाएगी, बल्कि लोगों को सौर ऊर्जा की ओर भी प्रेरित करेगी। सीएम ने कहा, ह्लभविष्य में ऊर्जा का सबसे सुरक्षित और सस्ता स्रोत सौर ऊर्जा है, और हमें इसका अधिकतम उपयोग करना चाहिए।ह्व

सीएम को दिया धन्यवाद

नगर भवन बक्सर और अन्य कैम्पों में मौजूद उत्साहित उपभोक्ताओं ने तख्ती दिखाकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को धन्यवाद दिया। कई जगहों से यह संदेश गया कि यह योजना न केवल बिजली बिल कम करेगी, बल्कि आम परिवारों की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत बनाएगी।

जिले के विद्यालयों में बेंच-डेस्क व बोरिंग लगाने की योजना में भारी पैमाने पर बरती गई है अनियमितता

बेंच-डेस्क घोटाला : दबंगो के दबाव में जांच प्रक्रिया हो रही बाधित

- मानकों को ताक पर रख की गई है आपूर्ति
- राज्य लोक शिकायत में दो एजेंसियों पर मानक के विपरीत आपूर्ति का चल रहा है मामला

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के विद्यालयों में पिछले वित्तीय वर्ष में बेंच डेस्क की आपूर्ति की गई थी। आउट सोर्सिंग से हुए इस काम में मानकों को ताक पर रख घटिया मेटेरियल से निर्मित बेंच-डेस्क की आपूर्ति की गई थी। मानकों को ताक पर रखने में संवेदकों द्वारा इस बात का ख्याल भी नहीं रखा गया था कि इसी बेंच-डेस्क के सहारे देश का भविष्य गढ़ा जाएगा। लिहाजा कम समय में ही आपूर्ति किए गए बेंच-डेस्क खराब होने लगे। हालांकि, इस मामले में विभागीच चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। जानकारों का कहना है कि इस मामले में शिक्षा विभाग में सक्रिय दबंगों ने बड़े पैमाने पर मैनेज का खेल खेला है तथा उन्हीं के दबाव में विभाग इसकी जांच नहीं करा रहा है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि यदि इसकी उच्चस्तरीय जांच करवाई जाए तो जिले के विद्यालयों में बेंच-डेस्क आपूर्ति में भारी पैमाने पर लूट का खुलासा हो सकता है।

क्या था पैमाना

विभागीय जानकारों का कहना है कि इस मामले में विभाग द्वारा जो मानक तय किया गया था उसमें बेंच-डेस्क का लोहे या शीशम का फ्रेम तथा आम की लकड़ी का सीट लगाना था, लेकिन संवेदकों द्वारा इसे ताक पर रख दिया गया और आम की लकड़ी की सीट के बदले प्लाई वाले बेंच-डेस्क की आपूर्ति कर दी गई। वहीं, फ्रेम में भी मानकों की अनदेखी की गई है। लेकिन, ताज्जूब की विभाग द्वारा सबकुछ जानते हुए भी इस मामले में मौन साध लिया गया। शिक्षा विभाग के प्राथमिक निदेशक मिथिलेश मिश्रा ने पहली बार बेंच-डेस्क की अनियमितता को पकड़ा था। वह 27/06/2024 को जांच करने चक्की प्रखंड गए थे। वहां लक्ष्मण डेरा मध्य विद्यालय में खराब गुणवत्ता वाला बेंच डेस्क मिला था। उसी दौरान उन्होंने डीपीओ शारिक अशरफ को जांच करने का आदेश दिया था। जांच में खराब गुणवत्तापूर्ण बेंच-डेस्क मिला था। इसकी सबसे अधिक संख्या इटाढ़ी मिली थी। डीपीओ शारिक अशरफ ने जांच पूरी करने के बाद इटाढ़ी बीईओ को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था। बीईओ ने एफआईआर दर्ज करने के लिए इटाढ़ी थानाध्यक्ष को आवेदन दिया था। परंतु एक साल तक थानाध्यक्ष ने प्राथमिकी दर्ज नहीं की थी।

कार्य एजेंसी के चयन में भी बरता गया है भेदभाव

विभागीय सूत्र बताते है कि कार्य एजेंसी के चयन में भी भेद-भाव बरता गया है तथा चहेतों को ही आपूर्ति का जिम्मा दिया गया है। एजेंसी चयन में भी विभागीय दबंगो की खूब चली है। जानकारों की मानें तो साई इंटर प्राइजेज ने बेंच-डेस्क की आपूर्ति की है। इसके अलावे जिले के कई अन्य प्रखंडो में भी साई इंटर प्राइजेज बड़े पैमाने पर बेंच डेस्क सप्लाई किया है। इसके साथ बोरिंग भी लगाया गया है। जो इस बात के प्रमाण है कि कार्य एजेंसी के चयन में भेदभाव बरता गया है। जानकार बताते है कि गहराई से जांच होने पर घटिया मेटेरियल के साथ ही इस बात का खुलासा भी हो जाएगा कि आखिर किसके दबाव में एक ही एजेंसी को कई विद्यालयों में आपूर्ति की जिम्मेवारी दी गई है।

लोक-शिकायत में जाने के बाद हुई प्राथमिकी

इस मामले में जिले के चर्चित आरटीआई कार्यकर्ता शिवप्रकाश राय ने मोर्चा खोला। उन्होंने मामला उठाया कि जिले के जिन विद्यालयों में बेंच डेस्क की सप्लाई की गई है। उसकी गुणवत्ता की जांच दूसरी एजेंसी से करायी जाए। जिससे सारी वस्तु स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। हालांकि जिला लोक शिकायत में साठ दिन बीत गया। परंतु गुणवत्ता की जांच के लिए आदेश नहीं निकला। इसके बाद मामला प्रमंडलीय आयुक्त के पास गया। वहां जाने के बाद एक साल से पड़ें ब्राइट एवं अलमा ब्रदर्श नामक कार्य एजेंसी जिस पर इटाढ़ी बीईओ ने प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया था। उसी पर प्राथमिकी दर्ज की गई। लेकिन, गुणवत्ता की जांच नहीं की गई। इसके बाद अब मामला अपर मुख्य सचिव शिक्षा विभाग के पास चला गया है। इस संबंध में शिव प्रकाश राय का कहना है कि अधिकारी जानबुझकर मामले का टाल-मटोल कर रहे है। यदि गुणवत्ता की जांच नहीं होती है। उस परिस्थिति में हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटायेंगे। वहीं दूसरी ओर गुणवत्ता की जांच नहीं होना कई सवाल खड़े कर रहा है। वहीं, विभागीय सूत्रों का कहना है कि कथित दबंगों के दबाव में ही इस योजना की जांच नहीं हो पा रही है।

फर्स्ट आइडिया के खिलाफ जिलाधिकारी से लगाई थी गुहार

- सांसद सुधाकर सिंह ने भी दिशा की बैठक में हाउस कीपिंग एजेंसियों पर उठाया था सवाल

केटी न्यूज/बक्सर

हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया के खिलाफ यूं ही विभागीय अधिकारी मुंह खोलने को तैयार नहीं हो रहे है। हाउस कीपिंग एजेंसी फर्स्ट आइडिया के कार्य को लेकर 13 मई 2025 को तत्कालीन डीईओ अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय डीएम को वाटसएप के माध्यम से मैसेज किये थे ....आज फिर से अजय सिंह और अरविंद सिंह मेरे कार्यालय में आये और फर्स्ट आइडिया हाउसकीपिंग एजेंसी के लिए मेरे ऊपर दबाव दिए और बोलने लगे की फर्स्ट आइडिया कंपनी में हम लोग भी पार्टनर है सीसीटीवी कैमरा देखा जा सकता है........ जिसके जबाब में डीएम साहब ने तत्कालीन एसडीएम धीरेन्द्र मिश्रा व एसडीपीओ सदर धीरज कुमार को जांच दिये थे। परन्तु तबादले के प्रकिया में यह जांच अधुरी रह गयी है। बक्सर के पूर्व जिला शिक्षा पदाधिकारी अमरेन्द्र पांडेय ने 13 मई को बक्सर जिलाधिकारी व तत्कालीन एसडीएम को व्हाट्सएप पर मैसेज लिख गुहार लगाई थी कि उनके कार्यालय में अजय सिंह आए थे तथा बताए कि फर्स्ट आइडिया में उनकी भागीदारी है।

नावानगर प्रखंड में कार्यरत फर्स्ट आईडिया के कार्यशैली के विरूद्ध जांच की मांग की गई थी। जांच अभी चल ही रहा है इसी बीच एजेंसी को फरवरी माह तक का भुगतान कर दिया गया। यह शिक्षा विभाग के अधिकारियों की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह उठा रहा है। इस पर जांच की मांग की जाएगी। पिछले दस माह में जांच के लिए डीएम को पत्र सौंपा गया। दो बार दिशा की बैठक में मामला उठा। पर कोई भी अधिकारी मजदूर से संपर्क नहीं किया। यह जानने का प्रयास नहीं किया कि उन्हें उनके खाता में पैसा मिल रहा है या नहीं।

डा. अजीत सिंह कुशवाहा, डुमरांव विधायक

सांसद ने डीएम को हाउसकिपिंग के खिलाफ जांच के लिए लिखे है पत्र

सांसद सुधाकर सिंह ने 17 जून 2025 को डीएम को पत्र लिखकर हाउस कीपिंग एजेंसियों के चयन पर सवाल उठाया था तथा इसकी जांच की मांग की थी, लेकिन शिक्षा विभाग द्वारा अबतक जांच रिपोर्ट नहीं सौंपा गया है। केशव टाइम्स में खबर के आलोक सांसद ने कहा कि वे अभी दिल्ली में है तथा बक्सर आने पर इस मामले की जांच प्रगति की पड़ताल करेंगे। उन्होंने कहा कि चाहे मेरा सहयोगी ही क्यों न हो, किसी को नियमों से खिलवाड़ की छूट नहीं दी जाएगी। सांसद ने कहा कि इस मामले में मेरी नजर बनी हुई है। गौरतलब हो कि डुमरांव विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह भी नावानगर प्रखंड में फर्स्ट आइडिया के खिलाफ दिशा की बैठक में सवाल उठा चुके है, उनका आरोप था कि नावानगर प्रखंड के विद्यालयों में बिना काम कराए ही फर्स्ट इंडिया कंपनी भुगतान ले रही है। जबकि इस मामले में बीईओ व बीपीएम का जांच रिपोर्ट भी नेगेटिव गया है।

जमीन विवाद में किशोर की संदिग्ध मौत, ठोरा नदी किनारे मिला शव

- रक्षाबंधन के दिन से ही गायब था किशोर, परिजनों ने गुमशुदगी का दर्ज कराया था मामला

केटी न्यूज/बक्सर

इटाढ़ी थाना क्षेत्र के अतरौना पुल के पास ठोरा नदी किनारे सोमवार की शाम एक किशोर का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान इटाढ़ी निवासी 15 वर्षीय छोटू कुमार कुशवाहा, पिता लक्ष्मण सिंह कुशवाहा के रूप में हुई है। वह बीते 9 अगस्त, रक्षाबंधन के दिन से लापता था। परिजनों ने उसी दिन इटाढ़ी थाना में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। परिजनों का आरोप है कि जमीन के रास्ते के विवाद को लेकर पटीदार श्रीराम कुशवाहा और उसके सहयोगी रामबचन कुशवाहा ने छोटू का अपहरण किया। लक्ष्मण सिंह कुशवाहा ने पुलिस से कई बार कार्रवाई की गुहार लगाई थी। सोमवार की सुबह भी पीड़ित परिवार एसपी कार्यालय पहुंचा था, लेकिन शाम होते-होते घर पर बेटे की लाश मिलने की खबर ने कोहराम मचा दिया।गंगा के जलस्तर में वृद्धि के कारण ठोरा नदी का पानी खेतों तक फैल गया था। सोमवार को पानी घटने के बाद अतरौना के खेत में शव दिखाई दिया। शव की स्थिति काफी खराब थी, जिससे आशंका जताई जा रही है कि उसकी हत्या तीन दिन पहले ही कर दी गई होगी। शव मिलने की सूचना के बाद परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। गुस्साए लोगों ने शाम को सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही राजपुर विधायक विश्वनाथ राम और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। आश्वासन मिलने के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने जाम समाप्त किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की मांग की।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पुराने सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां से डॉक्टरों ने पोस्टमार्टम के लिए पटना रेफर कर दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हत्या की वास्तविक वजह और समय का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल, पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी है। इस घटना से इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर पुलिस ने समय पर कार्रवाई की होती, तो शायद छोटू की जान बच सकती थी। अब सभी की निगाहें पुलिस की कार्रवाई और पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी हैं।

वन महोत्सव 2025, हरियाली के संरक्षण का संकल्प

प्रशासन से लेकर आमजन तक ने बढ़ाया कदम

केटी न्यूज/बक्सर

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार सरकार के भोजपुर वन प्रमंडल, आरा के तत्वावधान में मंगलवार को ह्लजिला स्तरीय वन महोत्सव 2025ह्व का आयोजन जे.पी. खेल मैदान, चुरामनपुर में हुआ। इस महोत्सव ने जिले में हरित विकास और पर्यावरण संरक्षण का मजबूत संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह, पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य एवं वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रद्युम्न गौरव ने संयुक्त रूप से पौधरोपण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। मौके पर अपर समाहर्ता बक्सर, अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर समेत कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

इस मौके पर अतिथियों ने संदेश दिया कि पेड़ लगाना ही नहीं, उनका संरक्षण भी जरूरी है। स्वागत भाषण में वनों के क्षेत्र पदाधिकारी बक्सर ने उपस्थित लोगों को अधिक से अधिक वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी अत्यावश्यक है और पौधा लगाने के साथ-साथ उनके संरक्षण पर भी बराबर ध्यान देना चाहिए।पुलिस अधीक्षक ने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों पर चर्चा करते हुए वनों की सुरक्षा के ठोस उपाय सुझाए। वहीं पर्यावरणविद उमेश गुप्ता रौनियार ने सभी से जीवनकाल में कम से कम 12 पौधे लगाने और उन्हें संरक्षित करने का संकल्प लेने की अपील की। वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रद्युम्न गौरव ने युवाओं को वन विभाग की योजनाओं में सक्रिय भूमिका निभाने का निमंत्रण दिया।

नुक्कड़ नाटक और प्रतियोगिताओं से फैला संदेश

रूद्रा गुरुकुल ट्रस्ट की ओर से प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक ह्लअगर जंगल नहीं, तो जीवन भी नहींह्व ने जंगलों पर मंडराते खतरों और नागरिक जिम्मेदारी पर गहरा प्रभाव छोड़ा। अभिराम सुंदर एवं उनकी टीम ने भावपूर्ण अभिनय से पर्यावरणीय संकट को जीवंत कर दिया। वन संरक्षण व जागरूकता पर आयोजित चित्रकला एवं लेखन प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के 24 विजेताओं को जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं वन अधिकारियों ने प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

पौध वितरण और हरियाली का संकल्प

महोत्सव में बिहार पब्लिक स्कूल बक्सर, डीएवी स्कूल, उच्च माध्यमिक विद्यालय चुरामनपुर सहित कई स्कूलों के छात्र-छात्राएं शामिल हुए। वन विभाग ने प्रतिभागियों को पौधे वितरित किए। सेल्फी प्वाइंट पर लोगों ने यादगार तस्वीरें लीं और सामूहिक रूप से हरियाली के संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन वनरक्षी केशव के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी बक्सर, जीविका डीपीएम चंदन कुमार, वनपाल अभिषेक गुप्ता, वनरक्षी नितीश, रंजन, अनु, संतोष, धनजी पांडेय, मुखिया चुरामनपुर समेत कई वनकर्मी, शिक्षक और बच्चे मौजूद रहे।

चेनारी विधायक सह पूर्व मंत्री मुरारी प्रसाद गौतम ने सैकड़ों समर्थकों के साथ उनका भव्य अभिनंदन किया

बक्सर में मशाल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के तीसरे दिन फुटबॉल फाइनल में बक्सर व डुमरांव की जीत

केटी न्यूज/बक्सर

खेल विभाग, बिहार सरकार, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना एवं शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रतिभा खोज ह्लमशालह्व खेल प्रतियोगिता 2024 का जिला स्तरीय मुकाबला एम.पी. उच्च विद्यालय, बक्सर के खेल मैदान में 10 से 13 अगस्त तक चल रहा है। मंगलवार को प्रतियोगिता के तीसरे दिन फुटबॉल के फाइनल मुकाबले हुए, जबकि कबड्डी (बालिका) का फाइनल अगले दिन के लिए स्थगित कर दिया गया।

तीसरे दिन के खेलों की शुरूआत फुटबॉल अंडर-14 बालक वर्ग के फाइनल से हुई, जिसमें प्रखंड बक्सर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-1 से जीत दर्ज की। उपविजेता टीम के रूप में प्रखंड इटाढ़ी को संतोष करना पड़ा। इसके बाद अंडर-16 बालक वर्ग का फाइनल हुआ, जिसमें प्रखंड डुमरांव ने कड़े मुकाबले में 3-2 से जीत हासिल कर खिताब पर कब्जा किया। उपविजेता टीम प्रखंड चक्की रही, जिसने आखिरी मिनट तक कड़ा संघर्ष किया।

कबड्डी (बालिका) के अंडर-14 और अंडर-16 वर्ग के फाइनल मैच मौसम और तकनीकी कारणों से नहीं हो सके। आयोजकों ने इन मुकाबलों को अगले दिन के लिए स्थगित कर दिया है।

फुटबॉल के विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को अपर समाहर्ता विभागीय जांच गिरिजेश कुमार एवं वरीय उप समाहर्ता सह उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा, बक्सर आदित्य कुमार द्वारा मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण के दौरान खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम की सफलता में कई शारीरिक शिक्षक, सामान्य शिक्षक और खेल प्रेमियों का योगदान रहा। इनमें अशोक कुमार, मदन राम, सत्येन्द्र सिंह, लालसाहब सिंह, सुनील सिंह, अश्वनी राय, संजय राय, अभिषेक सिंह, मो. मुस्लिम, मोहन सिंह, अनिल कुमार पाल, वशिष्ठ प्रसाद, त्रिलोकीनाथ तिवारी, राजू कुमार, अखिलेश पाण्डेय, राकेश रंजन उपाध्याय, रवि प्रकाश, रवि कुमार, राजेश राय, संजय सिंह, धर्मेंद्र कुमार, रंजीत लाल, दयाशंकर पाल, सच्चितानन्द, सत्येन्द्र सिंह यादव, सावित्री सिंह, शमा परवीन, ऊषा मिश्रा, उर्मिला कुमारी, कुमारी लब्ली दर्शनम और अंजू उपाध्याय के नाम प्रमुख हैं।

प्रतियोगिता का उद्देश्य जिले के विभिन्न प्रखंडों में छिपी खेल प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना है। आयोजकों का मानना है कि ऐसे मंच से न सिर्फ खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ता है, बल्कि खेलों के प्रति नई पीढ़ी में उत्साह भी पैदा होता है। आने वाले दिनों में प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, कबड्डी और अन्य खेलों के रोमांचक मुकाबले होने वाले हैं, जिनका खिलाड़ियों और दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है।

125 यूनिट मुफ्त बिजली योजना पर उपभोक्ताओं से सीएम का सीधा संवाद, जिले में 62 जगहों पर लगाये गए कैम्प

बक्सर । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 125 यूनिट निःशुल्क बिजली योजना पर उपभोक्ताओं से सीधा संवाद किया और उनसे फीडबैक लिया। इस संवाद कार्यक्रम को सहायक विद्युत अभियंता रविराज के नेतृत्व में सदर प्रखंड के तिवारीपुर व चौसा में चार जगहों पर कैम्प लगाए गए थे। जबकि, पूरे जिले में 62 जगहों पर कैम्प का आयोजन किया गया था। संवाद के दौरान उन्होंने कहा कि पहले राजधानी में सात से आठ घंटे ही बिजली मिलती थी, लेकिन अब प्रदेश में हर जगह बिजली उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने से लोगों को सीधा लाभ हो रहा है। आगे चलकर घर-घर सोलर लाइट लगाने की भी योजना है, जिससे आमजन को और सुविधा मिलेगी। हर कैंपों में भारी संख्या में उपभोक्ता, खासकर महिलाएं, शामिल हुईं। विभिन्न जगहों पर लगे कैम्प में उपभोक्ताओं ने कहा पहले भारी-भरकम बिजली बिल के कारण उनकी कमाई का बड़ा हिस्सा बिजली भुगतान में चला जाता था। लेकिन मुफ्त बिजली योजना से अब कुछ बचत हो रही है और बिजली आपूर्ति भी बेहतर हुई है। बिजली कम्पनी के अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने उपभोक्ताओं से सीधे उनकी सुविधा के बारे में जानकारी ली। उन्होंने जाना कि यह योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए कितनी फायदेमंद साबित हो रही है। लोगों ने बताया कि इस योजना से न केवल आर्थिक बोझ कम हुआ है बल्कि बिजली आपूर्ति की स्थिरता से जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है।

अनुशासन,तालमेल और प्रस्तुति को बेहतर बनाने के लिए प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया

स्वतंत्रता दिवस को लेकर मुख्य समारोह स्थल पर परेड का पूर्वाभ्यास शुरू

केटी न्युज। रोहतास
15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर होने वाले मुख्य समारोह की तैयारियों को लेकर मंगलवार को शहर के इंटर स्तरीय खेल स्टेडियम में भव्य परेड का पूर्वाभ्यास शुरू किया गया। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी प्रभात कुमार के नेतृत्व में परेड का निरीक्षण किया गया और प्रतिभागियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। यह पूर्वाभ्यास बुधवार तक जारी रहेगा,ताकि स्वतंत्रता दिवस के दिन कार्यक्रम को शान-शौकत के साथ संपन्न कराया जा सके। परेड के संचालन की जिम्मेदारी वरीय प्रभार में कार्यपालक दंडाधिकारी बिक्रमगंज अखिलेश्वर कुमार को सौंपी गई थी, जबकि नोडल पदाधिकारी के रूप में अवर निर्वाचन पदाधिकारी बिक्रमगंज सुश्री खुश्बू गुप्ता ने अपनी भूमिका निभाई। उन्होंने परेड के दौरान अनुशासन,तालमेल और प्रस्तुति को बेहतर बनाने के लिए प्रतिभागियों को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन दिया। पूर्वाभ्यास के मौके पर नगर परिषद बिक्रमगंज के कार्यपालक अधिकारी जमाल अख्तर अंसारी,बीडीओ अमित प्रताप सिंह,विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं सुरक्षाकर्मी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान छह प्लाटूनों ने हिस्सा लिया,जिसमें एक प्लाटून पुलिस बल,तीन प्लाटून एनसीसी कैडेट्स और दो प्लाटून इंटर स्कूल के छात्र-छात्राओं के थे। सभी ने स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर उत्साहपूर्वक भाग लिया। परेड के दौरान प्रतिभागियों ने एकजुटता, अनुशासन और देशभक्ति की झलक पेश की। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के पूर्वाभ्यास का उद्देश्य कार्यक्रम के दिन किसी भी तरह की कमी न रह जाय और दर्शकों को भव्य एवं आकर्षक परेड का आनंद मिले। कार्यपालक दंडाधिकारी अखिलेश्वर कुमार ने जानकारी दी कि बुधवार को भी इसी तरह का पूर्वाभ्यास किया जाएगा,जिसके बाद स्वतंत्रता दिवस पर मुख्य समारोह का आयोजन होगा।

मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के तहत जिले में भव्य एवं ऐतिहासिक जन-संवाद कार्यक्रम का आयोजन

केटी न्युज। आरा
मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के बारे में उपभोक्ताओं को योजना की विस्तृत जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से जिले में आज अभूतपूर्व जन-सम्वाद कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। नागरी प्रचारिणी सभागार, आरा सहित जिले के सभी निर्धारित स्थलों पर जनभावनाओं से भरी भीड़ ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया। लोग सुबह से ही अपने-अपने क्षेत्रों में पहुंचकर कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उत्साहित और उत्सुक दिखे। जिले में कुल 75 स्थानों पर इन कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिनमें 47 हजार से अधिक उपभोक्ताओं ने भाग लिया। वहीं, विद्युत आपूर्ति अंचल के अंतर्गत भोजपुर और बक्सर – दोनों जिलों में मिलाकर कुल 135 स्थानों पर जन-सम्वाद कार्यक्रम हुए, जिनमें सम्मिलित रूप से 84 हजार से अधिक लोगों की सक्रिय सहभागिता रही। ये आयोजन मुख्यतः प्रखंड कार्यालय, उच्च

विद्यालय एवं पंचायत सरकार भवन स्तर पर किए गए, जहाँ उपभोक्ताओं को योजना की जानकारी दी गई और उनकी शंकाओं का समाधान किया गया।भोजपुर जिले का मुख्य कार्यक्रम नागरी प्रचारिणी सभागार, आरा में आयोजित किया गया, जिसमें जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार प्रसाद गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उनके साथ जिले के जन प्रतिनिधि विधायक सदर-श्री अमरेंदर प्रताप सिंह, एमएलसी-श्री राधाचरण शाह, जिला पदाधिकारी- श्री तनय सुल्तानिया, महापौर-श्रीमती इंदु देवी, डीडीसी- श्रीमती गुंजन सिंह, पद्मश्री डॉ भीम सिंह भावेश सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थें। इसके अलावे विभिन्न विभागों के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, बिजली विभाग के पदाधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में उपभोक्ता मौजूद थे।मुख्यमंत्री, बिहार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी कार्यक्रम स्थलों पर उपस्थित उपभोक्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राज्य के घरेलू

उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत देने और बिजली उपभोग के बोझ को कम करने के उद्देश्य से ह्लमुख्यमंत्री मुफ्त बिजली योजनाह्व लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक घरेलू उपभोक्ता को 125 यूनिट तक बिजली निःशुल्क प्रदान की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि पूर्व में ऊर्जा विभाग ने घर-घर बिजली पहुंचाने में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है और यह योजना उस प्रयास को नई ऊँचाई पर ले जाएगी। प्रभारी मंत्री श्री केदार प्रसाद गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि ह्लविधुत उपभोक्ता सहायता योजनाह्व पूरे देश में अपनी तरह की अनूठी और बेहतरीन पहल है। इसमें 125 यूनिट तक की खपत पर बिल पूरी तरह शून्य होगा। यदि खपत 125 यूनिट से अधिक होती है, तो शेष अधिक यूनिट का विपत्र भी पूर्व निर्धारित अनुदानित दर से बनेगा। इस प्रकार इस योजना से सभी घरेलु उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान उपभोक्ताओं में विशेष उत्साह और खुशी का माहौल था। लाभुकों के बीच प्रभारी मंत्री ने शून्य बिजली बिल का वितरण किया, जिसे पाकर उपभोक्ताओं के चेहरों पर संतोष और प्रसन्नता की झलक साफ दिखाई दी। प्रभारी मंत्री ने विस्तृत आंकड़ों के साथ बताया कि इस योजना से राज्य के 1 करोड़ 86 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को प्रतिमाह औसतन 1000 रुपये से अधिक की बचत होगी। भोजपुर जिले में लगभग 3 लाख 95 हजार उपभोक्ताओं को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा, जिससे शहरी उपभोक्ताओं को औसतन 1104 रुपये और ग्रामीण उपभोक्ताओं को औसतन 983 रुपये प्रतिमाह की बचत होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस योजना का उद्देश्य केवल बिजली बिल कम करना ही नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं को बिजली के जिम्मेदार उपयोग और नवीकरणीय ऊर्जा के महत्व के प्रति जागरूक करना भी है। इससे राज्य के लोगों को आर्थिक लाभ के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान करने का अवसर मिलेगा।

विषैले सांप के डसने से घर में सो रही महिला की इलाज के दौरान हुइ मौत

- **संदेश थाना क्षेत्र के पनपुरा गांव में सोमवार की देर रात घटी घटना**

केटी न्युज। आरा
जिले के संदेश थाना क्षेत्र के पनपुरा गांव में सोमवार की देर रात विषैले सांप के डसने से घर में सो रही महिला की मौत हो गई। इलाज के दौरान पटना स्थित निजी अस्पताल में उसने दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतका संदेश थाना क्षेत्र के पनपुरा गांव निवासी चंदन यादव की 38 वर्षीया पत्नी सुमंती देवी है। इधर, मृतका के भैसुर श्रीराम यादव ने बताया कि सोमवार देर रात वह अपने कमरे में सोई थी और उसके ऊपर मचान था। जिस पर गोइठा रखा हुआ था। उसी दौरान अचानक उसके शरीर पर ही मचान से सांप कूद पड़ा और उसे डस लिया। जिससे उसकी हालत काफी गंभीर हो गई। जिसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए संदेश रेफरल अस्पताल से आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद

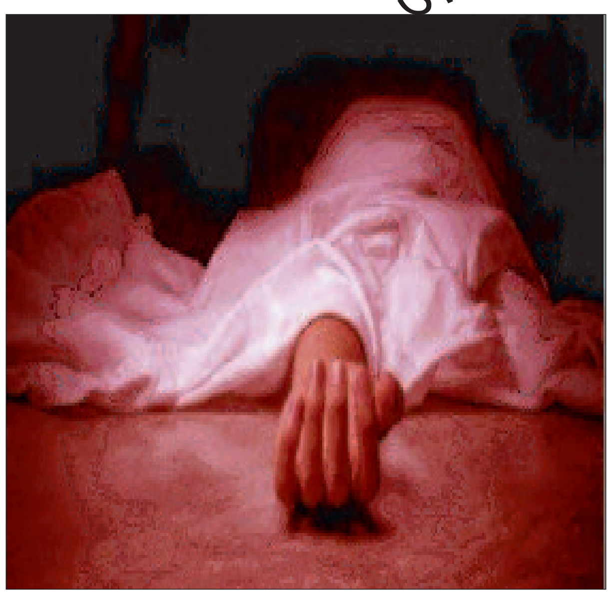

उसकी हालत को चिंताजनक देखकर पटना रेफर कर दिया गया। जिसके बाद परिजन उसे इलाज के लिए पटना स्थित निजी अस्पताल ले गए। जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। इसके बावजूद परिजन अपने संतुष्टि को लेकर उसे झाड़-फूंक कराने के लिए पटना जिला में ही स्थित बेलुरी गांव ले गए। इसके बाद उसके शव को वापस गांव ले आए। जिसके पश्चात परिजन ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम करवाया। बताया जाता है कि मृतका को दो पुत्र नीरज कुमार,धीरज कुमार, एवं पुत्री पूजा कुमारी है। इस घटना के बाद मृतका के परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

भोजपुर में बाढ़ से बदहाल हुआ जीवन, तंबू में जीने को मजबूर इंसान, खाना-पानी को भी हुआ मोहताज

केटी न्युज। आरा
गंगा के जलस्तर बढ़ने के वजह से आये बाढ़ से भोजपुर का कई क्षेत्र पूरी तरह डूब चुका है. खासकर बड़हरा और शाहपुर प्रखंड के दर्जनों पंचायत बाढ़ के पानी से जलमग्न हो चुका है. बता दें कि देश भर की नदियां उफान पर है. जिसकी वजह से जल प्रलय का संकट की राज्यों में गहरा गया है. इधर बिहार के भोजपुर जिले में भी गंगा अपना रौद्र रूप धारण कर चुकी है. जिससे बाढ़ का पानी गंगा तटवर्ती इलाकों के गांव और खेत खलिहानों तक को डुबा चुकी है.

खाने-पीने भी हुआ मुश्किल

बाढ़ का सबसे ज्यादा असर शाहपुर और बड़हरा प्रखंड में देखने को मिल रहा है. जहां बाढ़ का पानी गांव में इस कदर फैल गया है कि पानी अब घर के अंदर तक पहुंच गया है. इसकी वजह से लोग अपने आशियाने को छोड़ पूरे परिवार और मवेशियों के साथ अब बांध और सड़कों पर शरण लेने को मजबूर हो गए हैं. बाढ़ के कारण स्कूल और बाजार भी बंद हो गए. इससे लोगों को खाने-पीने के राशन का भी किल्लत हो गया है।

टेंट-तिरपाल लगाकर जीवन गुजारा

बड़हरा प्रखंड के घांघर में आई बाढ़ के वजह से सब कुछ डूब गया. जैसे-तैसे जान बचा कर सैकड़ों ग्रामीण नजदीक के मुख्य सड़क पर पहुंचे और वहीं टेंट-तिरपाल लगाकर जीवन गुजारा कर रहे है. बाढ़ पीड़ितों ने बताया कि एकाएक पानी बढ़ा और हमलोग सोये थे. अपने रात में बाढ़ गई. सुबह जब उठे तो देखे की हर जगह पानी-पानी फैला है और अभी भी बहुत तेजी से पानी में वृद्धि है जिसके वजह से हमलोग जैसे-तैसे जरूरी सामान को सिर पर लिए और सड़क पर आ गए।

नहीं मिली कोई राहत

इधर भयावह बाढ़ के बीच बांध और सड़कों पर शरण लिए लोगों से जब लोकल 18 की टीम ने बातचीत की तो उन्होंने अपना दर्द बताते हुए कहा कि हम लोगों को सुनने या समस्या को देखने के लिए कोई नहीं आ रहा है. हमारे घरों में बाढ़ का पानी घुस गया है. इस वजह से हम लोग आरा-सरैया मुख्य सड़क पर शरण लिए हुए है. लेकिन हम लोगों के पास ना तो सर छुपाने के लिए तिरपाल है और ना खाने के लिए राशन ही है. हम और हमारे छोटे-छोटे बच्चे भूखे प्यासे इस बाढ़ की विभिषिका को झेल रहे हैं और हमारी सुध लेने के लिए कोई भी नहीं आ रहा है।

बड़हरा पुराने प्रखंड कार्यालय परिसर मे आयोजित मुख्यमंत्री उपभोक्ता सहायता योजना समारोह में शामिल हुए बड़हरा विधायक

केटी न्युज। आरा
बिहार सरकार द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को 125 यूनिट बिजली मुफ्त एवं सोलर एनर्जी के बढावा सहित उपभोक्ताओं के लिए अन्य सुविधा को ले कर विधुत एवं ऊर्जा विभाग द्वारा मुख्यमंत्री विधुत उपभोक्ता सहायता समारोह का आयोजन बड़हरा प्रखंड के पुराने परिसर में किया गया। उक्त कार्यक्रम मे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विधुत एवं ऊर्जा मंत्री बिजेन्द्र यादव ने बिहार के बिजली उपभोक्ताओं से संवाद किया। बड़हरा पुराने प्रखंड कार्यालय परिसर

मे आयोजित कार्यक्रम मे बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान विभाग के पदाधिकारियों द्वारा विधायक को गुलदस्ता दे कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम उपरांत विधायक द्वारा 125 यूनिट बिजली मुफ्त होने पर शून्य बिजली बिल वाले उपभोक्ताओं को पर्ची दिया। विधायक ने उपस्थित उपभोक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार सरकार द्वारा 125 यूनिट बिजली बिल मुफ्त करने के बाद लाखो उपभोक्ता को फायदा हुआ। इसके लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बड़हरा विधानसभा के जनता के तरफ से आभार व्यक्त करता हूँ। आज शून्य बिजली बिल का पर्ची प्राप्त करते हुए उपभोक्ताओ के चेहरों पर खुशी दिख रहा है। देश और बिहार मे एनडीए सरकार की सारी योजनाएं। गरीब कल्याण की योजना है,जिससे गरीब सहित सभी वर्गो को लाभ प्राप्त हो रहा है। बिहार सरकार के विधवा महिला,वुजुर्ग,दिव्यांगो के पेंशन 1100 रुपए करने से आज सभी ऐसे वर्गो के चेहरो पर मुस्कान है।मेरा प्रयास है कि यह राशि 2000 रूपए हो। केन्द्र सरकार की आयुष्मान योजना एवं मुफ्त राशन से गरीबो को स्वास्थ्य लाभ के साथ भोजन की व्यवस्था मिल रहा है।

बड़हरा क्षेत्र मे आए बाढ से लोगो को परेशानी है रही है।बाढ़ का पानी बहुत तेजी से कम हो रहा है। सरकार द्वारा बाढ पीड़ितों को सहायता देने का मेरा प्रयास जारी है। जो भी समस्या है,उसे जल्द पूरा किया जाएगा। क्षेत्र की जनता द्वारा समस्याओं से विधायक को अवगत कराया गया,जिसका समाधान करने को विधायक ने कहा। कार्यक्रम में बड़हरा प्रखंड विकास पदाधिकारी,विधुत विभाग के सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, अधिकारी, बीस सूत्री प्रखंड अध्यक्ष शुभम पांडेय,बड़हरा विधानसभा प्रभारी संजय कुमार सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष संतोष सिंह संटु,उज्वल सिंह,कृष्णा सिंह सहित कार्यकर्ता,पदाधिकारी और हजारों जनता शामिल थे।

एक नजर

चापाकल में जहर डालने का विरोध करने पर वृद्ध महिला को पीटा, प्राथमिकी दर्ज

बिक्रमगंज । थाना क्षेत्र के इंद्रार्थ कला गांव में मंगलवार को सुबह 11 बजे चापाकल में जहर डालने से मना करने पर 75 वर्षीय वृद्ध महिला को मारपीट कर जख्मी कर दिया। इस संबंध में पीड़ित महिला के पुत्र द्वारा बिक्रमगंज थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। अमृतेश कुमार द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी में कहा गया है कि वह 11 बजे दिन में अपने खेत में काम कर रहा था कि अचानक उसके घर से चिलाने की आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर घर पर पहुंचा तो देखा कि उसकी माँ रामसखी देवी पति स्व० सिद्धनाथ मिश्र 75 वर्ष चापाकल के पास बेहोश पड़ी है, हाथ पैर दबाया तो होश आया। जब होश आया तो बताई की घनश्याम मिश्र पिता स्व. इंद्रदेव मिश्र जान मारने की नियत से चापाकल में जहर डाल रहे है, जब वह उनको पकड़ कर चिल्लाई तो बंदुक से उसके छाती में मारकर गिरा दिए तथा भाग गये। उन्होंने कहा है कि उसी चापाकल का पानी उसका पूरा परिवार पिता है तथा वहाँ टियूशन पढ़ने वाले बच्चे भी पीते है। यह जानते हुए की मेरी माँ हार्ट एवं बीपी की रोगी है। इसके बाद भी जान मारने की नियत से मार कर बेहोश कर दिए। इस संबंध में थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि लिखित शिकायत मिली है। मामले की छानबीन की जा रही है।

काराकाट थाना में आर्म्स सत्यापन अभियान शुरू,थानाध्यक्ष ने लाइसेंसधारियों से की अपील

काराकाट। मंगलवार से काराकाट थाना परिसर में थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार के नेतृत्व में आर्म्स सत्यापन अभियान की शुरूआत की गई है । थानाध्यक्ष ने बताया कि यह अभियान एक सप्ताह तक लगातार चलाया जाएगा,जिसके तहत थाना क्षेत्र के सभी आर्म्स लाइसेंसधारियों का सत्यापन किया जाएगा । थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने कहा कि आर्म्स सत्यापन के लिए स्थानीय थाना के एक पुलिस अधिकारी को विशेष रूप से प्रतिनियुक्त किया गया है । सभी लाइसेंसधारी यथाशीघ्र अपने आर्म्स का सत्यापन कराएं,ताकि समय पर प्रक्रिया पूरी हो सके । पूरे सप्ताह युद्धस्तर पर यह कार्य किया जाएगा ।उन्होंने बताया कि अभियान के पहले दिन एक आर्म्स का सत्यापन किया गया है । उन्होंने लाइसेंसधारियों से अपील की कि वे निर्धारित समयावधि में थाना परिसर पहुंचकर अपने दस्तावेजों के साथ सत्यापन अवश्य कराएं,ताकि किसी भी तरह की प्रशासनिक कार्रवाई से बचा जा सके ।

बखोरापुर काली मंदिर मे पूजा करने पहुंचे पंचायती राज सह प्रभारी मंत्री

आरा। मंगलवार को बिहार सरकार के पंचायती राज सह भोजपुर जिला प्रभारी मंत्री केदारनाथ गुप्ता नागरी प्रचारिणी मे आयोजित मुख्यमंत्री संवाद कार्यक्रम के बाद बखोरापुर काली मंदिर पहुंचे। काली मंदिर परिसर मे बड़हरा विधायक और कार्यकताओं द्वारा फूल माला से प्रभारी मंत्री का स्वागत किया गया।प्रभारी मंत्री के साथ बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह,विधानपार्षद राधाचरण साह,भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गा राज,सहित नेताओं ने माँ काली का विधिवत पूजा किया। कार्यक्रम में संजय सिंह,बीस सूत्री अध्यक्ष शुभम पांडेय, बखोरापुर मुखिया रितेश सिंह,संतोष सिंह संटु,उज्जवल सिंह,सिन्हा मुखिया धनजी प्रसाद,बबुरा मुखिया राहुल साह आदि थे।

करंट की चपेट में आने से छात्र की मौत

आरा। जिले के संदेश थाना क्षेत्र के बडीहा गांव में मंगलवार की शाम करंट की चपेट में आने से एक छात्र की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार मृत छात्र जगदीशपुर थाना क्षेत्र के नयका टोला निवासी ललन पासवान का 18 वर्षीय पुत्र नीतीश पासवान है एवं वह दसवीं कक्षा का छात्र था। इधर मृत छात्र के मामा सुभाष पासवान ने बताया कि वह बचपन से ही अपने ननिहाल बडीहा गांव में रहकर पढ़ाई करता था। मंगलवार की शाम वह जिस कोचिंग में पढ़ता था। उसी कोचिंग के शिक्षक शशिकांत महतो द्वारा उसे फोन कर कोचिंग में बुलाया गया। इसके बाद उसके द्वारा उससे मोटर का तार जोड़ने के लिए कहा गया। तभी तार जोड़ने के दौरान वह करंट की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद वहां से गुजर रहे ग्रामीण ने इसकी सूचना उसके शिक्षक को दी। जिसके बाद उसके शिक्षक व परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए अरशद अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने देख उसे मृत घोषित कर दिया। इसके पश्चात सदर अस्पताल में कार्यरत पुलिस पदाधिकारी द्वारा शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। बताया जाता है कि मृत छात्र अपने दो भाई व एक बहन में बड़ा था। उसके परिवार में मां चनामुन्नी देवी व एक भाई अनीश कुमार एवं एक बहन अंजली कुमारी है। घटना के बाद मृत छात्र के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृत छात्र की मां चनामुन्नी देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बाढ़ में डूबे अधेड़ का शव दूसरे दिन बरामद

आरा। जिले के धोबहा थाना क्षेत्र के सलेमपुर घाट पर सोमवार की शाम बाढ़ के पानी में डूबे अधेड़ का शव दूसरे दिन बरामद हुआ है। उनका शव थाना क्षेत्र के सलेमपुर घाट से ही मंगलवार की शाम बरामद हुआ। शव के मिलने से लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा।जानकारी के अनुसार मृतक दोबाहा थाना क्षेत्र के अगरसंडा गांव निवासी रामकेश्वर प्रसाद का 48 वर्षीय पुत्र रामाधार प्रसाद है एवं वह मजदूर थे। इधर, मृतक के साला तेजन प्रसाद ने बताया कि सोमवार की शाम वह सलेमपुर घाट पर स्नान करने गए थे। जहां पैर फिसल जाने कारण वह बाढ़ के पानी में डूब गए थे। जिसके बाद सोमवार की देर शाम तक एनडीआरएफ की टीम द्वारा उनकी काफी खोजबीन की गई। लेकिन उनका शव नहीं मिल पाया था। जिसके बाद मंगलवार की सुबह से ही एनडीआरएफ की टीम द्वारा उनकी तलाश की जा रही थी। एनडीआरएफ की टीम अथक प्रयास के बाद मंगलवार की शाम उनका शव पानी से बाहर निकला गया। इसके पश्चात इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी गई। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने पांच भाई में तीसरे स्थान पर थे। उनके परिवार में पत्नी कलावती देवी ब चार पुत्र महेश प्रसाद,हरेश प्रसाद, लव कुमार, कुश कुमार एवं एक पुत्री धनाराजी देवी है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी कलावती देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

नहर में डूबने से शौच करने गए मजदूर की मौत

आरा। जिले के चरपोखरी थाना क्षेत्र के पसौर गांव में सोमवार की शाम नहर में डूबने से शौच करने गए एक मजदूर की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक चरपोखरी थाना क्षेत्र के पसौर गांव निवासी स्व.बदरी राम का 35 वर्षीय पुत्र घुरभारी राम है एवं वह मजदूर था। इधर, मृतक के चाचा रवि नट ने बताया कि सोमवार की शाम वह गांव में ही स्थित नहर किनारे शौच करने गया था। जहां पैर फिसल जाने के कारण वह में गिरकर डूब गया। कुछ देर बाद इसकी जानकारी परिजनों को मिली। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से उसके शव को पानी से बाहर निकाला। इसके पश्चात परिजन ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने दो भाई में छोटा था। उसके परिवार में पत्नी शांति देवी एवं एक पुत्री नंदनी कुमारी है।

बिहार में 125 यूनिट मुफ्त बिजली योजना से लोगों को मिला लाभ

60 लाख से अधिक उपभोक्ताओं का बिल आया जीरो

केटी न्युज। पटना

बिहार में नीतीश सरकार की 125 यूनिट मुफ्त बिजली योजना बड़ा बदलाव लेकर आया है। पहली बार ऐसा हुआ है जब राज्य के 60 लाख घरेलू उपभोक्ताओं का बिजली बिल शून्य आया हो और ऊर्जा विभाग का कहना है कि अगस्त महीने में और बिलों के साथ यह आंकड़ा और भी बढ़ेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जुलाई में इस योजना की घोषणा की थी, जिसे कैबिनेट ने मंजूरी दे दी थी। यह योजना 1 अगस्त से लागू है लेकिन जुलाई के बिलों से ही इसका लाभ शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 12 अगस्त को वर्चुअल संवाद में

उपभोक्ताओं को इस योजना के फायदे बताए हैं। ऊर्जा विभाग के अनुसार अब तक 80 लाख बिजली बिल बांटे गए हैं, जिनमें से 60 लाख का बिल शून्य रहा है। नालंदा, मुजफ्फरपुर सहित कई जिलों की महिलाओं ने इस योजना के लिए आभार जताया है, यह कहते हुए कि बचत का पैसा वे बच्चों की पढ़ाई और अन्य जरूरतों में लगाएंगी। विभाग का अनुमान है कि शेष बिलों में भी जीरो बिल की संख्या काफी बढ़ेगी। इधर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने दावा किया है कि राज्य के 1.87 करोड़ उपभोक्ताओं में से 1.67 करोड़ परिवारों का बिल शून्य आएगा, क्योंकि उनकी मासिक खपत 125 यूनिट से कम ही है। सरकार इस योजना पर 20,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी दे रही है, जिसमें प्रति उपभोक्ता 1000 रुपये की लागत आ रही है। यह योजना न केवल आर्थिक राहत दे रही है बल्कि इसे बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले नीतीश सरकार का मास्टर स्ट्रोक तक माना जा रहा है। इस दौरान बिहार के ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने बिजली के दुरुपयोग से बचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सभी लोग बिजली का सदुपयोग करें और बिना जरूरत लाइट जलाने से बचें। योजना का लाभ सभी घरेलू उपभोक्ताओं को मिलेगा, जिसमें स्मार्ट प्रीपेड मीटर वाले 60 लाख उपभोक्ता भी शामिल हैं। सरकार अगले तीन वर्षों में सोलर पैनल लगाकर 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की योजना पर भी काम कर रही है।

लोगों के हित में किया गया काम : सीएम

सीएम ने कहा कि हम लोगों की 24 नवंबर 2005 को सरकार बनने के बाद बिजली के क्षेत्र में सुधार के लिए बड़े पैमाने पर काम शुरू किया गया. ऊर्जा विभाग का बजट बढ़ाया गया. इसके बाद राज्य के सभी गांवों में और टोलों में बिजली पहुंचाई गई. हम लोग तो शुरू से सभी लोगों को सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध कराते रहे हैं. बिजली खरीदने में सरकार का काफी ज्यादा पैसा खर्च होता है, लेकिन लोगों को लागत से काफी कम देना पड़ता है. लोगों के हित में अब यह तय कर दिया गया कि जुलाई माह के बिल से राज्य के लगभग सभी घरेलू उपभोक्ताओं को अब बिजली मुफ्त दी जाएगी।

नीतीश सरकार ने सात अनुमंडल के एसडीओ को हटाया और बनाया डीटीओ

- 54 अफसरों को किया गया है इध से उधरा

केटी न्युज। पटना

नीतीश सरकार ने सात अनुमंडल के एसडीओ को हटा दिया है. उन्हें जिला परिवहन पदाधिकारी के पद पर पदस्थापित किया गया है. सरकार ने मंगलवार को बिहार प्रशासनिक सेवा के 54 अधिकारियों का ट्रांसफर-पोस्टिंग किया है. इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से अधिसूचना जारी कर दी गई है. इनमें कई ऐसे भी अधिकारी हैं जो पदस्थापन की प्रतीक्षा में थे, सरकार ने उन्हें नई जिम्मेदारी दी है.सात अनुमंडल के एसडीओ हटाये गए पालीगंज के अनुमंडल पदाधिकारी अमनप्रीत सिंह को अरवल का जिला परिवहन पदाधिकारी बनाया गया है. वहीं कटिहार के बारसोई अनुमंडल के एसडीओ दीक्षित श्वेतम को किशनगंज का जिला परिवहन पदाधिकारी, मोहनिया के अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार सिंह को पड़ोसी जिला रोहतास का जिला परिवहन पदाधिकारी बनाया गया है . शेखपुरा के अनुमंडल पदाधिकारी राहुल सिंह को नालंदा का डीटीओ बनाया गया है, जबकि मुजफ्फरपुर पूर्वी के अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार को जिला परिवहन पदाधिकारी भोजपुर के पद पर पद स्थापित किया गया है।

सीएम नीतीश कुमार ने जारी की सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि

नाबार्ड की मदद से बिहार की ग्रामीण सड़कों को मिली नई रफ्तार, गांवों से शहरों की दूरी हो रही कम

NABARD

केटी न्युज। पटना

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की सहायता से बिहार में ग्रामीण सड़कों का जाल बुनने का काम लगभग पूरा कर लिया गया है। राज्य में बड़ी संख्या में ग्रामीण सड़कों के निर्माण से बिहार के गांवों से शहरों की दूरी लगातार कम होती जा रही है। जबकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को यह सड़कें नई गति दे रही हैं। इस योजना के तहत विभिन्न जिलों में स्वीकृत सड़कों के निर्माण की ग्रामीण कार्य विभाग ने जिलावार प्रगति रिपोर्ट जारी की है। इसके मुताबिक वर्ष 2023 में राज्य की कुल 2024 ग्रामीण सड़कों के निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई थी। उसमें अबतक 1857 सड़कों का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। नाबार्ड के सहयोग से निर्मित इन सड़कों की कुल लंबाई 4,822 किलोमीटर से भी अधिक है इसी तरह, इन ग्रामीण सड़कों के साथ-साथ कुल 1234 पुलों के निर्माण का लक्ष्य भी नाबार्ड के सहयोग से बनने वाली सड़कों के साथ निर्धारित किया गया था। जिसमें कुल 900 पुलों के निर्माण का कार्य पूरा कर लिया गया है। शेष पुलों का निर्माण का कार्य जारी है। ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार ग्रामीण सड़कों के निर्माण में नालंदा जिला सबसे आगे है। जहां कुल 214 सड़कों की स्वीकृति में से 199 सड़कों का निर्माण पूरा किया जा चुका है। नालंदा में 370.712 किलोमीटर से भी अधिक सड़कों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। जबकि लक्ष्य 396.194 किलोमीटर सड़क के निर्माण का तय किया गया था। साथ ही नालंदा में 67 पुल का निर्माण किया जाना था, जिसमें 59 पुल बनकर तैयार हो चुके हैं। वहीं, गया जी में कुल 129 सड़कों के निर्माण की मिली स्वीकृति के विरुद्ध 120 सड़कों का निर्माण किया जा चुका है। गयाजी में कुल 395.245 किलोमीटर लंबाई की सड़कें बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। जिसके विरुद्ध अबतक 365.782 किलोमीटर सड़क का निर्माण पूरा कर लिया गया है। जबकि गयाजी में निमार्णाधीन 57 पुलों में 46 पुलों का निर्माण भी पूरा हो चुका है। वहीं, राजधानी पटना जिला में कुल 166 ग्रामीण सड़कों के निर्माण की स्वीकृति दी गई थी। जिनमें से 157 सड़कों का निर्माण किया जा चुका है। पटना में कुल 360 किमी से अधिक ग्रामीण सड़कों के निर्माण का लक्ष्य था। जबकि इस लक्ष्य के विरुद्ध कुल 329.708 किलोमीटर सड़क का निर्माण किया जा चुका है। पटना के ग्रामीण इलाकों में निमार्णाधीन कुल 54 पुलों में 46 पुल बनकर तैयार हो चुके हैं। वहीं, औरंगाबाद में कुल 244.856 किलोमीटर, दरभंगा में 235.740 किमी, पूर्वी चंपारण में 230.772 किमी, मुंगेर में 202.814 किमी, रोहतास में 176.462 किमी, जहानाबाद में 169.606 किमी, सीतामढ़ी में 151.346 किमी, मुजफ्फरपुर में 139.682 किमी सड़कों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। वहीं, जमुई, मधुबनी, समस्तीपुर, गोपालगंज, किशनगंज और नवादा में भी ग्रामीण सड़कों के निर्माण का काम लगभग पूर्ण हो चुका है।

ग्रामीण सड़कों के निर्माण में शीर्ष 10 जिले

नालंदा- 370.712 किमी, गयाजी- 365.728 किमी, पटना- 329.708, किमी, औरंगाबाद- 244.856 किमी, दरभंगा- 235.782 किमी, पूर्वी चंपारण- 230.772 किमी, मुंगेर- 202.814 किमी, रोहतास- 176.462 किमी, जहानाबाद- 169.606 किमी, सीतामढ़ी- 151.346 किमी।

बिहार में दूध पीने से एक ही परिवार के दो बच्चों की मौत, तीसरे की हालत नाजुक

केटी न्युज। जहानाबाद

बड़ी खबर बिहार के जहानाबाद से आ रही है, जहां दूध पीने के बाद एक ही परिवार के दो बच्चों की मौत हो गई जबकि तीसरे की हालत नाजुक बनी हुई है। गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। सभी बच्चे अरवल के कलेर प्रखंड के मसदपुर गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं।दरअसल, बिहार के जहानाबाद जिले में दूध पीने से एक ही परिवार के तीन बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। सभी बच्चे कलेर प्रखंड के मसदपुर गांव के रहने वाले हैं, और यह घटना पटना के खीरी मोड़ गांव स्थित ननिहाल में हुई। बाहर से लाया गया दूध बच्चों को पिलाया गया था,

जिसके लगभग एक घंटे बाद ही उन्हें पेट में असहनीय दर्द होने लगा।तुरंत उन्हें अरवल के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन दो बच्चों की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उनकी बहन की हालत गंभीर है और उसका इलाज चल रहा है। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है और परिजन रो-रोकर बुरा हाल हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है, यह जानने के लिए कि दूध में ऐसा क्या था जिससे बच्चों की तबीयत कुछ ही घंटों में बिगड़ गई।

बेतिया में बाघ ने किसान को चीरकर मार डाला

केटी न्युज। बेतिया

बेतिया के वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के पास एक गांव में बाघ ने एक 67 वर्षीय बुजुर्ग किसान को चीरकर मार डाला. एक वन रक्षक घायल हुआ है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार (12 अगस्त, 2025) को यह जानकारी दी. मृतक की पहचान मथुरा महतो के रूप में हुई है. वीटीआर के क्षेत्रीय निदेशक नेशामणी के ने कहा कि यह घटना सोमवार को उस समय की है जब महतो घोराघाट गांव में अपने खेत में काम कर रहे थे. अधिकारी ने कहा, ग्रामीणों ने देखा कि वह (महतो) अचानक अपने खेत से गायब हो गए. इसके बाद उनकी तलाश शुरू की गई. इस दौरान उन्होंने उस जगह बाघ के पैरों के निशान देखे जहां मथुरा महतो काम कर रहे थे. उन्होंने वन अधिकारियों को सूचना दी. वन गश्ती दल की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और महतो का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया. नेशामणी ने बताया, गश्ती कर रहे वन रक्षकों को महतो का शव एक झाड़ी में मिला. जब उन्होंने उसका शव निकालने की कोशिश की तो वहीं बैठे बाघ ने एक वन रक्षक पर हमला कर उसे घायल कर दिया और वहां से भाग गया. वन रक्षक को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है. उन्होंने बताया कि सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद संबंधित अधिकारियों ने महतो का शव उसके परिवार को सौंप दिया. बाद में बाघ का पता लगाने के लिए भी तलाशी अभियान चलाया गया. मंगलवार सुबह घोराघाट गांव के पास नर बाघ को बचाया गया।

बिहार में फिर पुलिस मुठभेड़, हथियार बरामद करने पहुंची टीम तो अपराधि ने की फायरिंग

केटी न्युज। नवादा

नवादा जिले के हिसुआ थाना क्षेत्र में पुलिस और अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया। घायल अपराधी की पहचान गया जिले के निखिल कुमार के रूप में हुई है। वह 25 जुलाई को हिसुआ के दरबार चौक स्थित इलेक्ट्रिक व्यवसायी नीरज प्रकाश के घर पर हुई लूट के प्रयास का आरोपी है।नवादा एसपी अभिनव धीमान ने बताया कि हिसुआ पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की थी। कार्रवाई के दौरान निखिल को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने मंझवे पहाड़ के पास हथियार छिपाने की बात स्वीकार की।

हथियार बरामदगी के लिए पुलिस उसे लेकर मौके पर पहुंची, तभी उसने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके दाहिने पैर में गोली लग गई।घायल अवस्था में उसे नवादा सदर अस्पताल लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद विम्स पावापुरी रेफर कर दिया गया। इस मामले में अब तक छह अपराधियों की पहचान हो चुकी है, जिनमें दो पहले ही पकड़े जा चुके हैं। तीन अन्य आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। घटनास्थल पर एसपी अभिनव धीमान खुद मौजूद थे, जबकि फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्र किए हैं।

अनियंत्रित ट्रैक्टर ने बाइक को ठोका, सड़क हादसे में शिक्षक की मौत

सहरसा। बिहार में रफ्तार का कहर जारी है। सहरसा जिले में रफ्तार ने एक सरकारी स्कूल के शिक्षक की जान ले ली है। घटना जिले के महिषी थाना क्षेत्र की है, जहां तेज गति से आ रहे हैं ट्रैक्टर ने पीछे से बाईक सवार को ठोकर मारकर मौके से फरार हो गया। ट्रैक्टर की टक्कर के बाद बाइक सवार सड़क पर फेंका गये। घायल टीचर को स्थानीय ग्रामीणों ने पास के पीएचसी में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। मृतक की पहचान सहरसा के नवहट्टा नगर पंचायत के वार्ड नंबर 11 निवासी राजेंद्र प्रसाद गुप्ता के 45 वर्ष से पुत्र मनोज कुमार गुप्ता के रूप में हुई है। जो सरकारी स्कूल में टीचर थे।

कुछ जगहों पर मध्यम स्तर की वर्षा तो कहीं-कहीं 30 से 40 किलोमीटर तेज हवा और वज्रपात बन सकती है

मधुबनी, पूर्णिया समेत 19 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

केटी न्युज। पटना

बिहार में मॉनसून की सक्रियता लगातार देखी जा रही है. कभी उत्तर बिहार तो कभी दक्षिण बिहार में लगातार मध्यम स्तर से लेकर भारी वर्षा दर्ज हो रही है. खासकर उत्तर बिहार के सभी 19 जिलों में अधिक वर्षा की संभावना बन रही है. मौसम विभाग के अनुसार आज उत्तर बिहार के 19 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है. इनमें सुपौल, अररिया, किशनगंज और पूर्णिया में बहुत ज्यादा भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है, तो पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, मधेपुरा, कटिहार और सहरसा जिले में भी भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है. इसके साथ ही इन जिलों में कुछ जगहों पर 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा तो अधिकांश जगहों पर बिजली चमकने मेघ गर्जन और वज्रपात की चेतावनी दी गई है. इन जिलों के अलावा उत्तर बिहार के दरभंगा, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, वैशाली, सारण, गोपालगंज और सिवान में भी पूरे दिन बादल बने रहने के साथ अधिक वर्षा की संभावना बन सकती है. उत्तर बिहार की अपेक्षा आज दक्षिण बिहार में मॉनसून थोड़ा कमजोर रह सकता है, लेकिन दक्षिण बिहार में भी लगभग सभी जिलों में वर्षा की प्रबल संभावना है. खासकर पटना, बेगूसराय, भागलपुर, मुंगेर, खगड़िया, भोजपुर जिले के कुछ-कुछ जगहों पर मध्यम स्तर की वर्षा तो कहीं-कहीं 30 से 40 किलोमीटर तेज हवा और वज्रपात बन सकती है. दक्षिण बिहार के अन्य जिलों में भी बादल बन सकते हैं और हल्की या मध्यम स्तर के वर्षा की संभावना हो सकती है. बीते सोमवार को भी राजधानी पटना सहित उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार के कई जिलों में वर्षा दर्ज की गई. सबसे अधिक शिवहर 112, नवादा 80.5, सिवान 72.6 और जमुई में 68.2 मिली मीटर के साथ भारी बारिश हुई।

सुभाषितम्

बिना उत्साह के आज तक कोई भी महान उपलब्धि पाई नहीं जा सकी है। -राल्फ वाल्डो एमर्सन

सरकार को घेरने की कोशिश

देश के राजनीतिक गलियारों में इन दिनों सबसे चौंकाने वाली चर्चा, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की कथित गुमशुदगी को लेकर है। विपक्ष ने अब धनखड़ के जरिए सरकार को घेरने और निशाना साधने की तैयारी कर ली है। बीते दिनों सपा से राज्यसभा सांसद एवं वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने एक बयान देकर सरकार को घेरने के लिए नया दांव चल दिया है। सिब्बल ने आरोप लगाया है, पूर्व उप राष्ट्रपति धनखड़ इस्तीफा देने के बाद से सार्वजनिक रूप से उनका कोई भी वजूद दिखाई नहीं दे रहा है। उनका फोन नहीं लग रहा, उनके परिवार की ओर से भी कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आ रही। उन्होंने यहां तक कहा कि अगर स्थिति स्पष्ट नहीं हुई, तो वह कोर्ट में हेबियस कॉर्पस याचिका दाखिल कर सकते हैं। इस प्रकार कपिल सिब्बल अदालत के माध्यम से धनखड़ को सामने लाने की रणनीति अपना सकते हैं। कपिल सिब्बल के इस बयान के बाद सरकार को या तो जगदीप धनखड़ के बारे में जानकारी देनी होगी। यदि कोई उनसे संपर्क नहीं कर पा रहा है, जिसके लिए सिब्बल हेबियस कॉरपस के माध्यम से उन्हें देश के सामने लाने का प्रयास कर रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं रह गया है। कपिल सिब्बल का बयान सतही तौर पर नरम लेकिन राजनीतिक रूप से बेहद सख्त था। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह पर सीधा निशाना साधते हुए कहा, जब सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों को ढूंढ सकती है, तब देश के पूर्व उपराष्ट्रपति का पता क्यों नहीं लगा पा रही है? जगदीप धनखड़ इस्तीफा देने के बाद से चुप क्यों हैं। क्या सरकार ने उन्हें हाउस अरेस्ट कर रखा है। क्या उनसे जबरदस्ती इस्तीफा लिखवाया गया है। सरकार जल्दबाजी में उपराष्ट्रपति का चुनाव क्यों करा रही है? इस तरह के कई सवाल देशभर में उठने लगे हैं। यह सवाल अपने आप में संकेत है, मामला सिर्फ बीमारी या निजी कारणों तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक दबाव या साजिश का हिस्सा हो सकता है। सिब्बल ने अपने बयान में विदेशी उदाहरण भी दिया। जैसे चीन या अन्य देशों में नेताओं का अचानक लापता हो जाना, साधारण घटना मान ली जाती है। वह कहां चले गए इसका पता किसी को नहीं लगता है। ऐसा ही कुछ धनखड़ साहब के साथ तो नहीं हुआ? ऐसी आशंका व्यक्त करके उन्होंने एक राजनीतिक तूफान खड़ा करने की कोशिश की, उनका यह बयान इसी रूप में देखा जा रहा है। भारतीय लोकतंत्र में इस तरह के बयान असामान्य और चिंताजनक हैं। सिब्बल ने यह भी संकेत दिया, धनखड़ को संभवतः जानबूझकर अलग-थलग करके रखा गया है। इस्तीफे के बाद कोई भी उनसे संपर्क स्थापित नहीं कर पा रहा है। नाही सरकार उनके बारे में बोलने के लिए तैयार है। धनखड़ का अचानक सार्वजनिक जीवन से पूरी तरह गायब हो जाना कई सवाल खड़े कर रहा है। अगर वह बीमार हैं, तो उनकी स्थिति पर आधिकारिक जानकारी सरकार और उनके परिवार द्वारा क्यों नहीं दी जा रही? इसी बीच पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें उन्होंने अपने ऊपर हुए कथित उत्पीड़न का जिक्र करते हुए कहा है, ईमानदार नेताओं को अब सरकार द्वारा फंसाया जा रहा है। राम मनोहर लोहिया अस्पताल में जिस तरह से उनकी मृत्यु हुई है। सरकार ने उनके इलाज और अंतिम संस्कार में जिस तरह की उपेक्षा की है। यह बयान कहीं न कहीं सिब्बल द्वारा जो आशंका व्यक्त की गई है, उसको मजबूत करने का प्रयास कर रहा है। सत्ता से असहमति रखने वाले या अप्रिय हो चुके नेता दबाव और अलगाव की नीति के शिकार होने की ओर इशारा करता है। यह मामला, अब महज व्यक्तिगत स्वास्थ्य या निजी गोपनीयता का नहीं रहा। यह सवाल लोकतांत्रिक पारदर्शिता, संवैधानिक पदों की गरिमा और राजनीतिक एवं निजी स्वतंत्रता से जोड़ने की कोशिश विपक्ष कर रहा है। अगर पूर्व उपराष्ट्रपति जैसी ऊंची संवैधानिक हैसियत रखने वाले व्यक्ति को लेकर इस तरह के सवाल उठ रहे हैं तो फिर आम आदमी के बारे में कल्पना करना ही व्यर्थ है। कपिल सिब्बल ने धनखड़ को लेकर जो कहा है, वह आगे चलकर सरकार की मुसीबतें बढ़ा सकता है।

चिंतन-मनन

जीवन के चार आधार

सुसंस्कारिता के चार आधार हैं- समझदारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी और बहादुरी। इन्हें आध्यात्मिक-आंतरिक वरिष्ठता की दृष्टि में उतना ही महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए जितना शरीर के लिए अन्न, जल, वस्त्र और निवास अनिवार्य समझा जाता है। समझदारी का अर्थ है- दूरदर्शी विवेकशीलता अपनाना। आमतौर से लोग तात्कालिक लाभ को सब कुछ मानते हैं और उसे पाने के लिए कोई गलत कदम उठाने में भी संकोच नहीं करते। इससे भविष्य अंधकारमय बन जाता है। अपराधी तत्वों में से अधिसंख्य इसी मनोवृत्ति के होते हैं। दूरदर्शिता, विवेकशीलता उस अनुभवी किसान की गतिविधियों जैसी हैं, जिनके अनुसार खेत जोतने, बीज बोने, खाद पानी देने, रखवाली करने में आरंभिक हानि और कष्ट सहने को शिरोधार्य किया जाता है। दूरदर्शिता बताती है कि इसका प्रतिफल उसे समयानुसार मिलने ही वाला है। एक बीज के दाने के बदले कई गुना दाने मिलने वाले हैं। संयम और सत्कार्य ऐसी ही बुद्धिमत्ता है। पुण्य परमार्थ में भविष्य को उज्ज्वल बनाने वाली संभावनाएं निहित हैं। संयम का प्रतिफल वैभव और पौरुष के रूप में दृष्टिगत होने ही वाला है। दूरबीन के सहारे दूर तक की वस्तुओं को देखा जा सकता है और उस जानकारी के आधार पर अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय लिया जा सकता है। अध्यात्म की भाषा में इसी को तृतीय नेत्र खुलना कहते हैं, जिसके आधार पर विपत्तियों से बचना और उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं का सृजन संभव है। कथनी-करनी को एक सा रखना ईमानदारी है। सहयोग व सद्भाव अर्जित करने के लिए ईमानदारी प्रमुख आधार है। इसे अपने व्यवसाय में अपनाकर अनेक लोगों ने छोटी स्थिति से उठकर बड़ी सफलता पाई है। बड़े उत्तरदायित्वों को उपलब्ध करने और उसका निर्वाह करने में ईमानदार ही सफल होते हैं। सुसंस्कारिता का तीसरा पक्ष है- जिम्मेदारी। गैर जिम्मेदार उत्तरदायित्वों से निर्लज्जतापूर्वक इंकार कर सकते हैं, पर जिम्मेदार लोगों को अपने उत्तरदायित्वों का नियमबद्ध होकर समय पर निर्वाह करना पड़ता है।

महान भारतीय वैज्ञानिक-डॉ विक्रम साराभाई

- संजय गोस्वामी

विक्रम साराभाई का जन्म 12 अगस्त 1919 को गुजरात, भारत के अहमदाबाद शहर में हुआ था. साराभाई के परीवार का उनके जीवन में बहोत महत्त्व था और वे एक अमीर व्यापारी परीवार से सम्बन्ध रखते थे. उनके पिता अम्बालाल साराभाई एक समृद्ध उद्योगपति थे जिन्होंने गुजरात में कई मिल्स अपने नाम कर रखी थी. विक्रम साराभाई, अम्बालाल और सरला देवी की 8 संतानो में से एक थे. अपने 8 बच्चों को पढ़ाने के लिए सरला देवी ने मोंटेसरी प्रथाओ के अनुसार एक प्राइवेट स्कूल की स्थापना की, जिसे मारिया मोंटेसरी ने प्रतिपादित किया था, उनकी इस स्कूल ने बाद में काफी ख्याति प्राप्त की थी. साराभाई का परीवार भारतीय स्वतंत्रता अभियान में शामिल होने के कारण बहोत से स्वतंत्रता सेनानी जैसे महात्मा गांधी, मोतीलाल नेहरू, रवीन्द्रनाथ टैगोर और जवाहरलाल नेहरू अक्सर साराभाई के घर आते-जाते रहते थे. इन सभी सेनानियो का उस समय युवा विक्रम साराभाई के जीवन पर काफी प्रभाव पड़ा और उन्होंने साराभाई के व्यक्तिगत जीवन के विकास में काफी सहायता भी की. सितम्बर 1942 को विक्रम साराभाई का विवाह प्रसिद्ध क्लासिकल डांसर मृणालिनी साराभाई से हुआ. उनका वैवाहिक समारोह चेन्नई में आयोजित किया गया था जिसमे विक्रम के परीवार से कोई उपस्थित नही था, क्योंकि उस समय महात्मा गांधी का भारत छोडो आंदोलन चरम पर था, जिसमे विक्रम का परीवार भी शामिल था. विक्रम और मृणालिनी को दो बच्चे हुवे- कार्तिकेय साराभाई और मल्लिका साराभाई. मल्लिका साराभाई अपनेआप में ही एक प्रसिद्ध डांसर है जिन्हें पालमे डीओरे पुरस्कार से सम्मानित कीया गया उनकी सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह थी कि वे एक ऐसे उच्च कोटि के इन्सान थे जिसके मन में दूसरों के प्रति असाधारण सहानुभूति थी। वह एक ऐसे व्यक्ति थे कि जो भी उनके संपर्क में आता, उनसे प्रभावित हुए बिना न रहता। वे जिनके साथ भी बातचीत करते, उनके साथ फौरी तौर पर व्यक्तिगत सौहार्द स्थापित कर लेते थे। ऐसा इसलिए संभव हो पाता था क्योंकि वे लोगों के हृदय में अपने लिए आदर और विश्वास की जगह बना लेते थे और उन पर अपनी ईमानदारी की छाप छोड़ जाते थे। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र इसरो का सबसे बड़ा एवं सर्वाधिक महत्वपूर्ण केंद्र है। यह तिरुवनंतपुरम में स्थित है। यहाँ पर रॉकिट, प्रक्षेपण यान एवं कृत्रिम उपग्रहों का निर्माण एवं उनसे सम्बंधित तकनीकी का विकास किया जाता है। केंद्र की शुरूआत थम्बा भूमध्यरेखीय रॉकिट प्रक्षेपण केंद्र के तौर पर १९६२ में हुई थी। केंद्र का पुनः नामकरण भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डॉ० विक्रम साराभाई के सम्मान में किया गया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की स्थापना उनकी महान उपलब्धियों में एक थी। रूसी स्पुतनिक के प्रमोचन के बाद उन्होंने भारत जैसे विकासशील देश के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम के महत्व के बारे में सरकार को राजी किया। डॉ. साराभाई ने अपने उद्धरण में अंतरिक्ष कार्यक्रम के महत्व पर जोर दिया. ऐसे कुछ लोग हैं जो विकासशील राष्ट्रों में अंतरिक्ष गतिविधियों की प्रासंगिकता पर सवाल उठाते हैं। हमारे सामने उद्देश्य की कोई अस्पष्टता नहीं है। हम चंद्रमा या ग्रहों की गवेषणा या मानव सहित अंतरिक्ष-उड़ानों में आर्थिक रूप से उन्नत राष्ट्रों के साथ प्रतिस्पर्धा की कोई कल्पना नहीं कर रहें हैं। लेकिन हम आश्वस्त हैं कि अगर हमें राष्ट्रीय स्तर पर, और राष्ट्रों के समुदाय में कोई सार्थक भूमिका निभानी है, तो हमें मानव और समाज की वास्तविक समस्याओं के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों को लागू करने में किसी से पीछे नहीं रहना चाहिए।

विज्ञान के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों को देखते हुए 1962 में उन्हें ह्यशांतिस्वरूप भटनागर पुरस्कारह्न से सम्मानित किया गया। भारत सरकार ने उन्हें 1966 में ह्यपद्मभूषणह्न से अलंकृत किया। इन सबके अतिरिक्त इंडियन अकादमी ऑफ साइंसेज, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंसेस ऑफ इंडिया, फिजिकल सोसाइटी, लन्दन और कैम्ब्रिज फिलोसाफिकल सोसाइटी ने उन्हें अपना ह्यफैलोह्न बनाकर सम्मानित किया। डॉ. साराभाई जब वापस अपने स्वतंत्र भारत में आए तो उन्होंने उन सुविधो को लाने या उसकी पूर्ति करना चाहा था जो अभी लोगो के बीच नहीं था, इसके लिए उन्होंने अपने परिवार द्वारा चलाए जा रहे समाजसेवी संस्थानों को चलाना आरम्भ कर दिया। इस महान वैज्ञानिक के सम्मान में तिरुवनंतपुरम में स्थापित थुम्बा इक्वेटोरियल रॉकिट लौंचिंग स्टेशन (ळॅंर्ु ए०४३क्ष्ठ्ठ' प्ह्णु३ छ्य्ल्ल्युल्ल्ल् रु३ड्ढल्ल) और सम्बध्द अंतरिक्ष संस्थाओं का नाम बदल कर विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र (श्र' ई ट्ठु रस्रु ट्ठल्ल३ी) रख दिया गया, उनके पिता अंबालाल साराभाई एक संपन्न उद्योगपति थे भारत में इंटरमीडिएट विज्ञान की परीक्षा उत्?ीर्ण करने के बाद विक्रम साराभाई इं?लैंड चले गये और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के सेंट जॉन कॉलेज में भर्ती हुए अहमदाबाद में भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला की स्थापना में उन्होंने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (क्लल्लिल रस्रु फीर्रीं ङ्र'ल्लर३ड्ढल्ल) की स्थापना विक्रम साराभाई की महान उपलब्धियों में एक थी विक्रम साराभाई को विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के क्षेत्र में सन 1966 में भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था. विक्रम साराभाई को सन 1966 में पद्म श्री एवम 1972 में पद्म विभूषण से नवाजा गया था। डॉ. साराभाई द्वारा स्थापित संस्थान में भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल), अहमदाबाद, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम), अहमदाबाद, कम्यूनिटी साइंस सेंटर, अहमदाबाद, दर्पण अकाडेमी फॉर परफार्मिंग आर्ट्स, अहमदाबाद, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, तिरुवनंतपुरम, स्पेस अप्लीकेशन्स सेंटर, अहमदाबाद (यह संस्थान साराभाई द्वारा स्थापित छह संस्थानों/केंद्रों के विलय के बाद अस्तित्व में आया), फास्टर ब्रीडर टेस्ट रिएक्टर (एफबीटीआर), कल्पकम, वेरिएबल एनर्जी साइक्लोट्रॉन प्रोजेक्ट, कोलकाता, इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), हैदराबाद, यूरेनियम कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड(यूसीआईएल), जादूगुडा, बिहारआदि प्रमुख हैं। विक्रम साराभाई ने कास्मिक किरणों के समय परिवर्तन पर अनुसंधान किया और निष्कर्ष किया कि मौसम विज्ञान परिणाम कास्मिक किरण के दैनिक परिवर्तन प्रेक्षण पर पूर्ण रुप से प्रभावित नहीं होगा। आगे, बताया कि अवशिष्ट परिवर्तन विस्तृत तथा विश्वव्यापी है तथा यह सौर क्रियाकलापों के परिवर्तन से संबंधित है। विक्रम साराभाई ने सौर तथा अंतरग्रहीय भौतिकी में अनुसंधान के नए क्षेत्रों के सुअवसरों की कल्पना की थी। वर्ष 1957-1958 को अंतर्राष्ट्रीय भू-भौतिकी वर्ष (कह्व) के रुप में देखा जाता है। साराभाई द्वारा अंतर्राष्ट्रीय भू-भौतिकी वर्ष(कह्व) के लिए भारतीय कार्यक्रम एक अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान रहा। 1957 में स्पुटनिक-1 के प्रमोचन ने उनको अंतरिक्ष विज्ञान के नये परिदृश्यों से अवगत कराया। तदनंतर, उनकी अध्यक्षता में अंतरिक्ष अनुसंधान हेतु भारतीय राष्ट्रीय समिति (कल्ल्उडरुअफ) का गठन किया गया। थुम्बा का विशेष नक्शा कि वह भू-चुम्बकीय मध्यरेखा के निकट है को देखते हुए विक्रम साराभाई ने तिरुअनंतपुरम के पास अरबी तट पर स्थित एक मछुवाही गांव थुम्बा में देश के प्रथम राकेट प्रमोचन स्टेशन, थुम्बा भू-मध्य रेखीय राकेट प्रमोचन स्टेशन (ळएफर) की स्थापना का चयन किया। इस साहस में, उनको होमी भाभा जो उस समय परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष थे से सक्रिय सहयोग मिला था। नवंबर 21, 1963 को सोडियम वाष्प नीतभार के साथ प्रथम राकेट का प्रमोचन किया गया।

अमेरिका भारत टकराए-चीन भारत करीब आए-रूस ने ध्रुवीकरण के समीकरण बनाए

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर वैसे तो अमेरिका की अनेक देशों के साथ टकराहट, फिर उनके ऊपर आर्थिक सामायिक प्रतिबंधों को लगाना, वैश्विक वित्तीय संस्थाओं का मुंह मोड़ना, जैसे अनेक किस्से हम सुनते रहते हैं, जिसके कारण वे देश आर्थिक खस्ताहाली के शिकार हो जाते हैं पर परंतु वर्तमान भारत अमेरिका के हालातो को देखते हुए,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र,आज 45 वर्षों के लेखन कार्य के इतिहास में व शायद भारत-अमेरिका दोस्ती के इतिहास में पहली बार इतनी टकराहट देख रहा हूं, कि भारत पर 50 पेर्सेंट टैरिफ लगाना व इसके बढ़ाने की धमकी देना तथा फिर प्रतिबंधों की बारी भी आ सकती है,जिससे हमारे प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक, इलेक्ट्रिकल व फार्मेसी इत्यादि क्षेत्रों में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। जिसपर मेरा मानना है कि इस संभावित होने वाले प्रभाव पर रणनीतिक रूप से काम करना शुरू हो गया होगा? इसके साथ ही भारत का अपनी रणनीति कूटनीति पर भी काम शुरू हो गया होगा। अभी पीएम की रूसी राष्ट्रपति से बात हुई,संभवत वे नवंबर दिसंबर में भारत दौरे पर आ सकते हैं। वहीं हमारे पीएम 28 से 30 अगस्त 2025 को जापान, फिर 31 अगस्त से 1 सितंबर 2025 को एससीओ सम्मिट में चीन जाएंगे,जिसमे चीनी विदेश मंत्रालय के अनुसार भारतीय पीएम के आने की उत्सुकता है,व संभावना है कि इस टैरिफ रूपी आपदा को अवसर के रूप में बदलने की रणनीति हो सकती है, जिसनें अमेरिका को भी सख़्ते में डाल दिया है?क्योंकि मुझे ऐसा लग रहा है कि जिस सोच के साथ ट्रंप ने भारत पर इतनी भारी मात्रा में टैरिफ लगाया है, वह सोच शायद उल्टी पड़ रही है? और हो सकता है कि बातचीत को हथियार बनाकर टैरिफ को हटा भी दिया जाए तो आश्चर्य वाली बात नहीं होगी !परंतु भारत तो अपनी तैयारी में लग गया है, अगर इस बार रूस चीन भारत ब्राजील ईरान इत्यादि देशों का ग्रुप बन गया तो, वैश्विक कूटनीति व भू-राजनीतिक समीकरण में एक नया मोड़ आ जाएगा जो पश्चिमी विश्व के लिए भू-राजनीतिक भूचाल ला सकताहै इसलिए आज हम मीडिया में उपयोग जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यमसे चर्चा करेंगे,सुनिए बाबूजी ! यह भारत है- अमेरिका भारत डायरेक्ट टकराहट अंतर्राष्ट्रीय शक्ति संतुलन की दिशा को प्रभावित कर सकता है।

साथियों बात अगर हम अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए टैरिफ का प्रभाव भू-राजनीतिक प्रभाव पर पड़ने की करें तो,अंतरराष्ट्रीय राजनीति में आर्थिक हथियारों का इस्तेमाल कोई नई बात नहीं है, लेकिन जब यह हथियार दुनियाँ की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, यानी अमेरिका, चलाता है तो उसके प्रभाव वैश्विक होते हैं। हाल ही में अमेरिका ने भारत पर टैक्स लगाने का फैसला किया और साथ ही प्रतिबंध लगाने की संभावना के संकेत भी दिए। यह कदम न केवल भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव का कारण बन रहा है,बल्कि इसके पीछे एक और बड़ा खतरा छिपा है-भारत, चीन और रूस का संभावित ध्रुवीकरण। यह गठजोड़, यदि मजबूत हुआ, तो अमेरिका के लिए एक ऐसी भू-राजनीतिक चुनौती बन सकता है जो उसके दशकों से कायम आर्थिक और रणनीतिक प्रभुत्व को हिला देगी। अमेरिका और भारत के बीच हाल के समय में बढ़ता तनाव वैश्विक कूटनीति और भू-राजनीतिक समीकरणों में एक नए मोड़ की आहट देता है। अमेरिका - भारत डायरेक्ट मामले पर जो मतभेद उभर कर आए हैं, वे केवल द्विपक्षीय विवाद तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि यह पूरी अंतरराष्ट्रीय शक्ति-संतुलन की दिशा को प्रभावित कर सकते हैं। इस मुद्दे ने जहां भारत और अमेरिका के बीच अविश्वास की रेखा को गहरा किया है, वहीं दूसरी ओर यह चीन के लिए अवसर का द्वार खोलता दिख रहा है। अगर भारत और चीन अपने पुराने मतभेदों को किनारे रखकर किसी साझा रणनीति पर आगे बढ़ते हैं, तो पश्चिमी वर्ल्ड की राजनीतिक-आर्थिक बुनियाद पर गहरा असर पड़ सकता है।

साथियों बात अगर हम अमेरिका टकराव को अमेरिका का सबसे बड़ा राजनीतिक दुष्परिणाम होने की करें तो,भारत पर लगाए गए अमेरिकी टैक्स का असर केवल व्यापारिक संतुलन तक सीमित नहीं रहेगा। यह एक ऐसा संदेश है जो अमेरिकी नीति-निमार्ताओं की सोच को दर्शाता है-वे किसी भी देश के साथ अपने हितों के विरुद्ध जाने पर कठोर आर्थिक कदम उठा सकते हैं लेकिनभारत जो पिछले कुछ वर्षों में न केवल वैश्विक दक्षिण का नेतृत्व करने की स्थिति में आया है, बल्कि पश्चिमी देशों के लिए भी एक रणनीतिक साझेदार बनकर उभरा है, इस तरह के दबाव को आसानी से स्वीकार करने वाला नहीं है। भारत की आर्थिक नीतियों और रणनीतिक स्वायत्तता पर जोर देने की प्रवृत्ति अमेरिका की उम्मीदों से मेल नहीं खाती, और यही टकराव की जड़ है।अमेरिका के इस कदम का सबसे बड़ा रणनीतिक दुष्परिणाम यह हो सकता है कि भारत और चीन-दोनों एशियाई दिग्गज, जिनके बीच पिछले वर्षों में सीमा विवाद और भू-राजनीतिक तनाव रहे हैं -आर्थिक और रणनीतिक मुद्दों पर एक साझा मंच पर आ सकते हैं। चीन पहले से ही अमेरिका के टैरिफ और प्रतिबंधों का सामना कर रहा है, और वह हर उस साझेदार की तलाश में है जो उसकी अमेरिका-विरोधी रणनीति को मजबूती दे सके। यदि भारत, अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए, अमेरिका के दबाव से निकलकर चीन के साथ कुछ क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाता है, तो यह अमेरिकी रणनीति के लिए बड़ा झटका होगा जिससे उबरने में उसे वक्त लगेगा।

साथियों बात अगर हम भारत रूस पहलू को नजरअंदाज नहीं करने की करें तो, रूस और भारत के ऐतिहासिक रूप से मजबूत संबंध हैं,चाहे वह रक्षा सौदे हों, ऊर्जा व्यापार हो या अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पारस्परिक समर्थन। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस पहले से ही अमेरिका और यूरोपीय प्रतिबंधों का सामना कर रहा है, और उसने चीन के साथ अपना आर्थिक और रणनीतिक तालमेल बढ़ा लिया है।

सावन माह में महाकालेश्वर मंदिर के दिव्य दर्शन

- विनोद तकियावाला

धन्य-धन्य है यह धरा है, जहाँ पतित पावनी गंगा युग युगान्तरों से निर्मल, निश्छल धारा बह रही है,तो वही दूसरी ओर पर्वतराज हिमालय देश के दुश्मनों से रक्षा करने के अपना कर्तव्य निर्वाह करने को सदैव तत्पर है ऐसी पवित्र पावन भारत भूमि में जन्म लेने के मानव को तरसते है। बड़ भागी है हम और आप जो जन्म भूमि को भारत माता कहकर पुकारते है।यहाँ के पवित्र कण कण भगवान का वास है,तो हर कंकर में शंकर की दिव्य उपस्थित की झलक दिखती है इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण हमारे धर्मशास्त्रों व वेद उपनिषदों में उल्लेख मिलता है तभी तो इस पवित्र धरा पर स्वयं राम,कृष्ण,नानक,बुद्ध, महावीर,कबीर आदि ऋषि-मुनियों,संत-महापुरुषों ना केवल जन्म लिया बल्कि इस पवित्र भूमिअपनी तपोस्थली बनाते हुए सम्पूर्ण सृष्टि का जनकल्याण किया है। इसका स्वंय साक्षी बनने का विगत दिनों मध्यप्रदेश के उज्जैन में स्थित महाकालेश्वर मंदिर के दिव्य दर्शन के दौरान अपने मीडिया मित्रों के संग स्वर्णिम पल का सुःखद आनंद मिला,वे भी सावन के पवित्र माह में स्वयं कालो के काल महाकाल का दर्शन करने का,ऐसा मैंने अक्सर कहते हुए सुना है कि जब आप के पुण्य प्रताप एकत्रित होते है,स्वंय प्रभु ही आप को किसी न किसी को माध्यम बनाकर आप को दर्शन देते है।मेरे साथ भी कुछ ऐसे ही हुआ है।मेरे पास एक परिचित बन्धु का फोन आया कि भाई साहब महाकाल का दर्शन करना चाहेंगे आप,मैंने अचानक बिना सवाल किये कहा कि क्यूँ नही,सदाशिव सद्‌गुरू का दर्शन वे भी सावन के पवित्र माह में। आज मै आप सभी कालों के काल महाकाल अर्थात महाकालेश्वर मंदिर के दिव्य दर्शन के बारे में बता रहा हूँ। यूँ तो यह हमारी नेशनल मीडिया यात्रा थी, हम सभी एक अधिकृत अधिकारी के कुशल नेतृत्व में दिल्ली से इन्दौर हवाई मार्ग से पहुँच गए,जहाँ रानी अहिल्याबाई होल्कर हवाई अड्डे के बाहर हम सभी का आपस मेंऔपचारिक परिचय व स्वागत के बाद सड़क मार्ग से विश्राम स्थल पर पहुँचे,जहाँ हमने दोपहर का भोजन का आनंद लिया।इसके बाद इन्दौर से हमारी मीडिया टीम अपने कर्मक्षेत्र ताजपुर रेलवे पर पहुँचे गए।सर्वविदित रहे कि यहाँ भारतीय रेलवे द्वारा इस स्टेशन पर पायलेट प्रोजेक्ट के अर्न्तगत डायरेक्ट ड्राईव इन्टर लाकिंग सिस्टम परियोजना के प्रयोग के लिए आयोजित की गई थी।यहाँ हमें रेलवे के नवीन तकनीकीयों की बारिकियों के बारे में तथा इस नई तकनीक की जानकारी परियोजना के सम्बन्धित अधिकारी से मिली।यहाँ के अन्य स्थानीय अधिकारीयों व कर्मचारियों के संग हम सभी ने चाय की चुस्कियों का आनंद लेते हुए उनके नए व पुराने कार्य प्रणाली जैसे रेल फाटक लॉक सिस्टम,रेल आगमन-प्रस्थान की सुचना,हरी झंडी आदि कार्यो को नजदीक से देखने का मौका मिला।इसमें रेलवे की नई सुरक्षा प्रणाली, रेलगाड़ी अभी किस स्टेशन पर से गुजर रही है-कहाँ पहुँचने वाली आदि सुचनाएँ कन्ट्रोल रूम में लगे हुए मॉनिटर पर देखा।आज के पूर्व निर्धारित कार्य से निवृत होकर यहाँ से सभी मीडिया मित्र अपने चेहरों पर थकान की लकीरें सिमट हुए हमारा काफिला ताजपुर रेलवे स्टेशन से इन्दौर के लिए वापसी के लिए रवाना हुई।तभी मेरी कार में हमारे सहयात्री सुश्री रानी सिंह राजपुत व विभागीय अधिकारी जिसका नाम घनश्याम सिंह यादव जी,जो काफी ही शांत स्वाभाव व एक सुलझें व अनुभवी अधिकारी से जो कि एकअच्छे व्यक्ति है।उन्होंने हमदोनों की चेहरे की थकान को भापते हुए कहा कि आपलोग अभी ही थक गए हो,अभी तो आपको महाकाल के दर्शन भी कराने है।

आज का राशिफल

मेष अपने कामकाज पर विशेष ध्यान देना होगा। लापरवाही या जल्दबाजी ने बनते हुए काम भी बिगड़ सकते है।

तुला अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। यह समाचार आपको फोन के जरिए प्राप्त हो सकता है।

वृषभ शाम के समय शुभ समाचार सुनने को मिल सकते हैं। कारोबार में लाभ दिलाने वाले हो सकते हैं।

वृश्चिक मेहनत करनी पड़ सकती है। लेकिन धीरे-धीरे लाभ कमाने के कई अवसर प्राप्त होते जाएंगे।

मिथुन आज कार्यक्षेत्र में आपको फोन या मैसेज के जरिए कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकती है।

धनु ऐसे में कारोबार में समय का सही लाभ उठाने से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है।

कर्क किसी एक प्रोजेक्ट या योजना पर काम करना आपके लिए लाभदायक साबित हो सकता है।

मकर सावधान रहने की जरूरत रहेगा। किसी सहकर्मी से आपकी अनबन या बहस हो सकती है।

सिंह अगर आपके मन में लंबे समय से व्यापार को लेकर कोई नया आइडिया या प्लान आ रहा है।

कुंभ आज कार्यस्थल पर आपको टीमवर्क करना होगा, तभी लाभ प्राप्त होगा।

कन्या आज आप कामकाज में ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं और भागदौड़ भी करनी पड़ सकती है।

मीन अगर आपके जरूरी काम बीच में अटके हुए हैं तो प्रयास करने से वे काम भी बनने शुरू हो सकते हैं।

विशेष

सदन को बंधक कौन और क्यों बना रहा

अभी तक संसद का मानसून सत्र काफी हंगामेदार रहा है, जिसके चलते महज दो दिन ही सदन में चर्चा हो सकी है। विपक्ष ने एसआईआर और वोट चोरी मामले को लेकर 16वें दिन तो संसद से सड़क तक जबरदस्त विरोध प्रदर्शन कर एकजुटता का परिचय दे दिया है। यहां राज्यसभा में हुए नेता सदन जेपी नड्डा ने कहा, लोकतंत्र की रक्षा जरूरी है, लेकिन इस सदन को बंधक नहीं बनाया जा सकता। हम इसे बंधन में नहीं रख सकते। उनके इस बयान पर विपक्ष पूछ सकता है कि आखिर सदन को कौन बंधक बनाकर रखे हुए है, क्योंकि विपक्ष पहले ही सदन में सुनवाई नहीं होने और समस्या नहीं रखने देने से लेकर चर्चा नहीं कराए जाने तक के आरोप लगा चुका है।

अब और कौन कितना सुधरेगा?

संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने विपक्ष पर खासकर राहुल गांधी पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा है कि लोग हमें अपने क्षेत्र की समस्याएं उठाने के लिए सदन में भेजते हैं, लेकिन विपक्ष केवल नारेबाजी और नाटक में लगा है। उनका मकसद चर्चा नहीं, केवल हेडलाइन बनाना है। इसी के साथ रिजिजू कह जाते हैं कि एक आदमी की नासमझी और एक परिवार की वजह से देश और नुकसान नहीं सह सकता। राहुल गांधी को बहुत देख लिया, वह सुधर नहीं सकते। अब हम देश का समय बर्बाद नहीं होने देंगे। इस बयान पर लोग चुटकी लेते हुए कह रहे हैं कि राहुल गांधी तो सुधर गए, क्योंकि उन्हें राजनीति करना आ गई, लेकिन दूसरे लोग कब सुधरेंगे?

कार्टून कोना

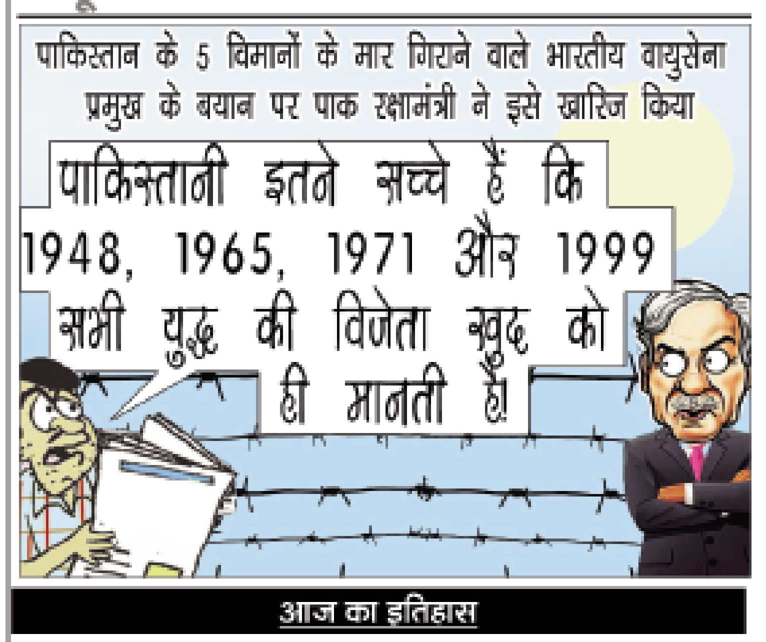

आज का इतिहास

1602: सलीम मिर्जा के उकसावे पर अकबर के दरबारी अबुफज्ल की हत्या हुई. 1687: आस्ट्रिया और हंगरी की फौजों ने तुर्की को शिकस्त दी. 1759: रूस और आस्ट्रिया ने प्रसिया को कुनर्सडोर्फ में हराया. 1765: बंगाल बिहार और उड़ीसा की दीवानी मुगलों ने ईस्ट इंडिया कंपनी को सौंप दी. 1813: आस्ट्रिया ने नेपोलियन के खिलाफ जंग का ऐलान किया. 1877: ब्रिटिश खोजी सर हेनरी मार्टन स्टैनली कांगो नदी के मुहाने पर पहुंचे. 1898: स्पेन अमरीकी युद्ध समाप्त हुआ . 1914 : ब्रिटेन ने आस्ट्रिया हंगरी के खिलाफ जंग का ऐलान किया. 1919 : प्रसिद्ध वैज्ञानिक विक्रम अम्बालाल साराभाई का जन्म. 1922: आयरिश गणराज्य के प्रथम राष्ट्रपति आर्थर ग्रिफिथ का निधन. 1955: जर्मन उपन्यासकार टामस मान का निधन. 1960: प्रथम संचार उपग्रह इको प्रथम का प्रक्षेपण हुआ.

दैनिक पंचांग

अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

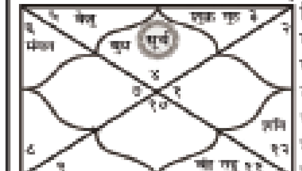

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.00 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कन्या	08.12 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	10.22 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.37 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	14.53 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	16.58 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.45 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.17 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	21.48 बजे से
		वृष	23.28 बजे से
		मिथुन	01.26 बजे से
		कर्क	03.40 बजे से

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

2025 वर्ष का 224 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण)
पक्ष कृष्ण तिथि तृतीया 08.41 बजे को समाप्त। नक्षत्र पूर्वाभाद्रपदा 11.52 बजे को समाप्त।
योग सुकर्मा 18.54 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 08.41 बजे तदनन्तर बव 19.40 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 18.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 14°57'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872434
जूलियन दिन 2460899.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446 महीना सफर तारीख 17 विशेष कजरी तीज, संकष्टी चतुर्थी, बहुला चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

चोरी मामले में चार को पकड़ाये, सामान बरामद

धनबाद, एजेंसी। भूली ए अंबेडकर नगर स्थित सोहन विश्वकर्मा की फेब्रिकेशन दुकान में चोरों ने चदरा उखाड़ कर वेल्डिंग मशीन, ग्रेडिंग मशीन, ड्रिलिंग मशीन, स्लाई रिंच व फेब्रिकेशन के अन्य समान चुरा लिये. सोहन विश्वकर्मा के लिखित आवेदन पर भूली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर तीन युवकों को अंबेडकर नगर व एक युवक को गोंदूडीह क्षेत्र के खड़काबाद से पकड़ कर पूछताछ कर रही. उनकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी का सामान जब्त किया है. मामले में भूली ओपी प्रभारी अभिनव कुमार ने बताया कि लिखित आवेदन पर मामला को दर्ज कर लिया गया. चार युवकों को हिरासत में लिया गया है. इनमें बादल कुमार महतो, मनु कुमार, संजय कुमार व टप्पू कुमार हैं. बताया जाता है कि हिरासत में लेने के बाद एक युवक ने डर कर बोतल का ढक्कन निगल लिया. उसे तत्काल एसएनएमएमसीएच पहुंचाया गया, जहां उसे उलटी करा कर ढक्कन निकाला गया. पुलिस चारों युवकों का मेडिकल कराने के बाद वापस थाना ले गयी. मेडिकल जांच के दौरान युवकों के परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए हंगामा किया. उनका कहना है कि पैसे की मांग को लेकर पुलिस ने युवकों की पिटाई की. जिस व्यक्ति ने मामला दर्ज कराया है, उनसे युवकों की पुरानी रंजिश थी. वही ओपी प्रभारी अभिनव कुमार का कहना है कि युवकों के परिजन गलत आरोप लगा रहे हैं.

मंत्री नेहा तिर्की ने राहुल गांधी और खड़गे को हिरासत में लेने की निंदा की, चुनाव आयोग पर लगाए ये आरोप

रांची, एजेंसी। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, भारत गठबंधन के सांसदों और वरिष्ठ नेताओं को हिरासत में लिए जाने की कड़ी निंदा की है।मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा हाल ही में चुनाव आयोग से पूछे गए सवाल का जवाब अब तक नहीं दिया गया है। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर धांधली का आरोप लगाते हुए कई बातें जनता के सामने रखी हैं।मतदाता सूची में मृत लोगों के नाम, जीवित लोगों को मृतकों की सूची में डालना, एक ही पते पर सौ से दो सौ लोगों के नाम, एक ही वोटर कार्ड पर एक से अधिक राज्यों की मतदाता सूची में नाम काफी चौंकाने वाले तथ्य हैं। लेकिन चुनाव आयोग के पास इसका कोई जवाब नहीं है।

ऐसे में कई तरह के सवाल उठ रहे हैं और देश की जनता चुनाव आयोग से सच्चाई जानना चाहती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर मतदाता को एक वोट का अधिकार है। अगर इसमें धांधली हुई है या नहीं भी हुई है तो चुनाव आयोग को आगे आकर अपना पक्ष रखना चाहिए।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा है कि 2024 में चुनी जाने वाली केंद्र सरकार सही तरीके से चुनी गई सरकार है या धोखाधड़ी और हेराफेरी से चुनी गई सरकार है। चुनाव आयोग को इन सभी मुद्दों पर जल्द से जल्द देश की जनता के सामने अपनी बात रखनी

शताब्दी वर्ष समारोह को लेकर नये रूप में सज रहा आइआइटी आइएसएम

धनबाद, एजेंसी। आइआइटी आइएसएम अपने शताब्दी वर्ष समारोह के लिए भव्य तैयारियों में जुट गया है. यह आयोजन नौ दिसंबर 2025 को होगा. वहीं नौ दिसंबर 2026 को संस्थान अपना 101वां स्थापना दिवस मनायेगा. जो उद्घाटन के 100 वर्ष का प्रतीक होगा. नौ दिसंबर 1926 को ब्रिटिश शासनकाल में तत्कालीन वायसरॉय लॉर्ड इरविन ने संस्थान का उद्घाटन किया था. शताब्दी वर्ष समारोह में प्रधानमंत्री को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने की योजना है. समारोह के उपलक्ष्य में 2500 क्षमता वाले सेनटिनरी ऑडिटोरियम का निर्माण तेजी से जारी है. इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री से कराने की योजना है. आइआइटी परिसर को आकर्षक रूप दिया जा रहा है, ताकि समारोह भव्य और ऐतिहासिक बन सके. संस्थान के मुख्य द्वार (गेट नंबर-एक) से लेकर कैंपस के सभी हिस्से में रेनोवेशन कार्य चल रहा है. पुराने भवनों को नया स्वरूप दिया जा रहा है. दीवारों, सड़कों और हरित पट्टियों को आधुनिक डिजाइन और सजावट के साथ तैयार किया जा रहा है, ताकि आगंतुकों और पूर्व छात्रों को एक नया अनुभव मिल सके. संस्थान के पुराने स्विमिंग पूल को तोड़कर अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार नया स्विमिंग पूल तैयार किया जा रहा है. इसका उद्देश्य इंटर-आइआइटी खेल प्रतियोगिताओं के लिए उपयुक्त सुविधाएं प्रदान करना है. आधुनिक फिल्टरेशन सिस्टम, दर्शक गैलरी और प्रशिक्षण के लिए आवश्यक उपकरण इसमें शामिल किये जायेंगे. आइआइटी आइएसएम के दोनों खेल मैदान, लोअर ग्राउंड और अपर ग्राउंड को नया रूप दिया जा रहा है. मैदानों की सतह, ड्रेनेज सिस्टम और दर्शक व्यवस्था को बेहतर किया जा रहा है. यहां भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजन कराने की योजना है. आगामी नौ दिसंबर 2025 को संस्थान अपना 100वां स्थापना दिवस मनाने जा रहा है. यह समारोह भव्य होगा. समारोह में बतौर मुख्य अतिथि आध्यात्मिक गुरु एवं आर्ट्स ऑफ लिविंग के संस्थापक श्रीश्री रविशंकर होंगे. शताब्दी वर्ष में कई समारोह आयोजित किये जायेंगे.

करोड़ों के जीएसटी घोटाले का आरोपी दो साल से लापता, परिवार दाने-दाने को मोहताज

रांची, एजेंसी। विरोधाभास की कहानी है, जहां एक ओर 55 करोड़ रुपये के जीएसटी घोटाले के भारी आरोप हैं, वहीं दूसरी ओर एक परिवार की गरीबी, लाचारी और दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष है। जिस पंचानन सरदार को जांच एजेंसियां करोड़ों के फर्जीवाड़े का अहम किरदार मान रही हैं, उसका परिवार आज पाई-पाई के लिए संघर्ष कर रहा है।

घर का चूल्हा उसके सेवानिवृत्त शिक्षक पिता मधुसूदन सरदार की पेंशन और पत्नी सुखंती की ट्यूशन से होने वाली मामूली कमाई से जल रहा है। यह उस घर की हकीकत है, जिसका बेटा सरकारी फाइलों में करोड़पति है, लेकिन असल में उसका परिवार गरीबी में जीने को मजबूर है।

हाल ही में जीएसटी टीम ने फर्जीवाड़े के मास्टरमाइंड बिष्टुपुर निवासी ज्ञानचंद जायसवाल के घर पर छापेमारी की थी। तब पंचानन सोरेन का नाम भी सामने आया था। जीएसटी फर्जीवाड़े का आरोपी पंचानन सरदार पिछले करीब दो साल से यानी नवंबर 2023 से घर नहीं पहुंचा है। जीएसटी और ईडी की जांच में पंचानन भी मुख्य आरोपियों में शामिल है। सरकारी

विभाग की तरह उसके परिजन भी पंचानन की तलाश में जुटे हैं।

पंचानन सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत था : भाई सचिन सरदार का कहना है कि पंचानन ने ग्रेजुएशन के बाद इंडो डेनिस टूल रूम में मशीन ऑपरेटर की ट्रेनिंग की। वह वर्ष 2019 से सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत था। अक्टूबर 2023 तक सब कुछ ठीक चल रहा था, लेकिन (तारीख याद नहीं) नवंबर 2023 की एक रात अचानक जीएसटी टीम हमारे घर पहुँची और पंचानन को कंपनी का मालिक बताते हुए पूछताछ करने लगी।

उसने बताया कि उसने अपनी कंपनी के ज़रिए जीएसटी में करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की है। इस घटना के बाद पंचानन कभी घर नहीं आया। पंचानन की पत्नी सुखंती और दो छोटी बेटियाँ मनीषा (9 साल) और जयंती (4 साल) घर पर अपने पिता का इंतज़ार कर रही हैं।

सात हजार की नौकरी और करोड़ों का घोटाला? : परिवार यकीन नहीं कर पा रहा है कि सिर्फ़ सात हज़ार रुपये मासिक वेतन पर एक कंपनी में सुपरवाइज़र की नौकरी करने वाला पंचानन करोड़ों के घोटाले का मास्टरमाइंड कैसे हो सकता है। पंचानन की बूढ़ी माँ मिनती सरदार कहती हैं,

पंचानन का भाई सचिन बेरोज़गार है जबकि उसकी पत्नी सुखंती सरदार बच्चों को ट्यूशन पढ़ाकर गुज़ारा कर रही है। पंचानन के पिता मधुसूदन सरदार सरकारी शिक्षक थे और 2013 में सेवानिवृत्त हुए थे। फ़िलहाल घर उनकी पेंशन से चल रहा है।

करोड़ों की धोखाधड़ी की बात सुनकर मैं भी हैरान रह गई-सुखंती : पंचानन की पत्नी सुखंती कहती हैं कि नौकरी के दौरान मेरे पति मुझे एक भी रुपया नहीं देते थे। इस बात को लेकर मैं उनसे हमेशा झगड़ती रहती थी। जब मैं कपड़े धोने के लिए उनके नोट देखती थी, तो मुझे एक भी रुपया नहीं मिलता था, लेकिन जब मुझे जीएसटी अधिकारियों से पता चला कि मेरे पति ने करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की है, तो मैं हैरान रह गई।

मालूम हो कि झारखंड समेत पूरे देश में फर्जी जीएसटी इनवॉइस बनाकर इसके सिंडिकेट ने 730 करोड़ रुपये के बिल बनाकर सरकारी खजाने को 130 करोड़ रुपये का चूना लगाया है। इस मामले में कोलकाता निवासी शिवकुमार देवड़ा, अमित अग्रवाल, विक्की भालोटिया समेत अन्य को गिरफ्तार किया गया है, जबकि ज्ञानचंद जायसवाल फिलहाल जमानत पर बाहर हैं।

राज्य के 43 पुलिस अधिकारी और जवान स्वतंत्रता दिवस पर पदकों से होंगे अलंकृत

रांची, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस पर मोरहाबादी मैदान में इस बार राज्य के 43 पुलिस अधिकारी और जवान विभिन्न पदकों से अलंकृत होंगे। ये पदक पिछले वर्ष 2024 में 26 जनवरी और 15 अगस्त को केंद्र की ओर से घोषित हुए थे। पुलिस मुख्यालय ने सोमवार को इन पदक व उन्हें पानेवालों की सूची जारी की। अलंकरण समारोह में दारोगा स्तर से ऊपर के अधिकारी सेरेमोनियल ड्रेस या वर्किंग ड्रेस, पीक कैप, सैप ब्राउन व क्रास बेल्ट में रहेंगे। वहीं, अन्य पुलिस पदाधिकारी-कर्मी नियमित पुलिस वर्किंग यूनिफार्म में शामिल होंगे। विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक : झारखंड जगुआर के दारोगा अमीर तांती को दिया जाएगा।

वीरता के लिए पदक : ओमप्रकाश तिवारी (वर्तमान में डीएसपी जैप-2 टाटीसिलवे), इंस्पेक्टर दिग्विजय सिंह (खूंटी, वर्तमान रांची जिला), दारोगा रौशन कुमार सिंह (खूंटी, वर्तमान रांची जिला), सिपाही अनूप लकड़ा (खूंटी), पुलिस इंस्पेक्टर राजीव कुमार (रांची), सिपाही कृष्णा उरांव (रांची), सिपाही विनय टेटे (रांची), दारोगा विक्रांत कुमार (खूंटी), हवलदार नारायण मांझी (खूंटी), हवलदार फबियानुस तिर्की (खूंटी), हवलदार अमित कुमार (जैप-7 हजारीबाग), सिपाही अनिल उरांव (जैप-7 हजारीबाग), सिपाही बाबुराम बास्की (जैप-7, हजारीबाग), अनुराग राज (तत्कालीन एएसपी अभियान खूंटी, वर्तमान में सीआरपीएफ), आईपीएस ऋषभ कुमार झा (एसपी एटीएस, तत्कालीन एसडीपीओ तोरपा), दीपक कुमार (एसडीपीओ बसिया, वर्तमान में एसटीएफ), दारोगा सदानंद सिंह (गुमला), सिपाही याकुब सुरीन (गुमला), सिपाही अशोक कुमार (गुमला), बिजेंद्र कुमार मिश्रा (तत्कालीन एएसपी अभियान गुमला, वर्तमान सीआरपीएफ), सिपाही रंजीत कुमार (गुमला), सिपाही असगर अली (गुमला) और सिपाही एसके सिकंदर (गुमला)।15 अगस्त 2024 को आवंटित वीरता का पुलिस पदक : आईपीएस दीपक कुमार पांडेय (तत्कालीन सीनियर डीएसपी अभियान लोहरदगा), दारोगा विश्वजीत कुमार सिंह (लोहरदगा, वर्तमान में रांची), सिपाही गोपाल गंझू (लोहरदगा), एएसआई सच्चिदानंद सिंह (चतरा), हवलदार उमेश सिंह (चतरा), सिपाही सुभाष दास (चतरा) और सिपाही रवींद्र टोप्पो (चतरा)।

पलामू टाइगर रिजर्व के इलाके में बाघिन की इंट्री, जंगल में लगाया गया कैमरा!

पलामू, एजेंसी। झारखंड के पलामू टाइगर रिजर्व के इलाके में बाघिन के इंट्री होने के सबूत मिले हैं। जिस इलाके में बाघिन के होने के सबूत मिले हैं उस इलाके से गांव को रिलोकेट करने की तैयारी चल रही है।

दअरसल, पलामू टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में बाघों से जुड़ा हुआ एक पग मार्क मिला था, पग मार्क के साइज से बाघिन के मौजूद होने की जानकारी मिली है। पग मार्क का साइज 12 से 14 सेंटीमीटर है। वैसे सामान्य तौर पर बाघ के पग मार्ग 15 से 16 सेंटीमीटर होता है। बाघिन के पग मार्ग का साइज नर बाघ से कम होता है। पलामू टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने बाघिन के बारे में जानकारी मिलने के बाद पूरे इलाके में पीटीआर प्रबंधन के द्वारा हाई अलर्ट जारी किया है और इलाके में 50 से भी अधिक हाई रिजोल्यूशन कैमरे जंगल में लगाए गये हैं। पलामू टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक कुमार आशीष ने बताया कि पग मार्ग से बाघिन के होने के सबूत पलामू टाइगर रिजर्व के जंगली इलाके में मिले हैं लेकिन कैमरे तस्वीर ट्रैप नहीं हुई है। कैमरा ट्रैप में तस्वीर कैद होने के बाद स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। जंगली इलाकों में ड्रोन से भी निगरानी की तैयारी चल रही है। संभावित बाघिन के स्कैट की जांच के लिए वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट देहरादून को भेजा गया है। दरअसल पलामू टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में 20 वर्षों के बाद बाघिन के मौजूद होने की जानकारी निकलकर सामने आई है। पलामू टाइगर रिजर्व के आंकड़ों के अनुसार फिलहाल पूरे क्षेत्र में 5 से 6 बाघों के मूवमेंट को रिकॉर्ड किया जा रहा है। एक लंबे अरसे के बाद इलाके में बाघिन से संबंधित मूवमेंट की जानकारी निकलकर सामने आई है।

धनबाद में हाइवा की चपेट में आया बीसीसीएल कर्मी, मौत

धनबाद, एजेंसी। धनबाद जिले के लोयाबाद स्थित एकड़ा चाली धौड़ा के पास दर्दनाक सड़क हादसे में बीसीसीएल के इलेक्ट्रिकल विभाग के कर्मचारी खीरु महतो की मौके पर ही मौत हो गई। खीरु महतो गड़ेरिया के रहने वाले थे। मुनीडीह परियोजना में कार्यरत थे। पुलिस के अनुसार, वे अपनी बाइक से केंदुआ की ओर दवा लेने जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार हाइवा (नंबर जेएच10सीटी 9400) ने ओवरटेक करने के दौरान उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

चालक वाहन छोड़कर फरार

हादसे के बाद हाइवा चालक वाहन को पास के शिव मंदिर के पास छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर लोयाबाद पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मृतक बीसीसीएल कर्मी थे, इसलिए नियमों के तहत उनके

परिवार को नौकरी और मुआवजा मिलेगा। परिजनों के अनुसार, खीरु महतो की नौकरी उन्हें वीआरएस नीति के तहत उनकी मां की सेवा निवृत्ति के बाद मिली थी। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी हैं। अचानक हुई इस मौत से परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है।

घटना के बाद स्थानीय लोग आक्रोशित हो उठे और कतरास-केंदुआ मार्ग को जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि इस मार्ग पर हाइवा चालक बेलगाम रफ्तार से वाहन चलाते हैं। भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में भी गति कम नहीं की जाती, जिसके कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

आक्रोशित लोगों ने घटना के लिए प्रशासन और परिवहन विभाग को जिम्मेदार ठहराया। उनका कहना था कि सड़क पर नियमित पुलिस गश्त और गति नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। करीब आधे घंटे तक सड़क पूरी तरह से बाधित रही। बाद में थाना प्रभारी पिकू प्रसाद ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाया और आश्वासन दिया कि मृतक के परिवार को नियमों के अनुसार सहायता प्रदान की जाएगी। इसके बाद लोगों ने जाम हटा लिया।

हजारीबाग में जबरदस्त भूस्खलन, पत्थर खदान में गिरा बभनबे पहाड़ का हिस्सा, आपदा प्रबंधन टीम अलर्ट

हजारीबाग, एजेंसी। सदर प्रखंड के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत बभनबे पहाड़ में सोमवार सुबह बड़ा भूस्खलन हुआ। मूसलाधार बारिश के चलते पहाड़ का लगभग 10 हजार वर्गफीट हिस्सा खिसककर नीचे गिर गया। इससे भारी मात्रा में मलबा जमा हो गया। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि या संपत्ति का नुकसान नहीं हुआ। भूस्खलन का मलबा पहाड़ी की तलहटी स्थित बंद पत्थर खदान में गिरा।

इससे करीब 50 फीट गहरी खदान का तीन-चौथाई हिस्सा भर गया। पत्थर के टुकड़े 100 मीटर दूर सड़क तक लुढ़क कर पहुंच गए। सुबह की सैर पर निकले लोग इस घटना के चश्मदीद बने और उन्हें भी भागकर अपनी जान बचानी पड़ी।

पूर्व मुखिया राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि हादसा सुबह लगभग 6 बजे हुआ और इसके बाद से पहाड़ का हिस्सा धीरे-धीरे टूटता रहा। उन्होंने कहा कि पिछले 50 दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण मिट्टी कमजोर हो गई है।

इससे यह हादसा हुआ। उन्होंने वन विभाग और जिला प्रशासन से तुरंत बैरिकेडिंग कराने की मांग की है। स्थानीय निवासी मोहम्मद मुरूल्ला ने बताया कि हजारीबाग में यह पहली बार है जब भूस्खलन हुआ है।

आमतौर पर सुबह के समय लोग सैर और व्यायाम के लिए यहां आते हैं, लेकिन घटना के वक्त क्षेत्र खाली था। दूर से मौजूद लोगों ने इस घटना का वीडियो बनाया, जिसमें पहाड़ का खिसकना और मलबे का गिरना बेहद भयावह दिख रहा है।

मासीपीढ़ी पहाड़ की ऊंचाई जमीन से करीब 200 मीटर है और भूस्खलन पांच सौ फीट की ऊंचाई से हुआ। इस दौरान करीब 300 पेड़ नष्ट हो गए। प्रशासन ने इलाके में लोगों की आवाजाही रोक दी है।

आपदा प्रबंधन टीम को अलर्ट पर रखा गया है। मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए आसपास के और हिस्सों में भी भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। घटना की खबर फैलते ही सैकड़ों लोग पहाड़ को देखने पहुंच गए। सोशल मीडिया पर घटना के वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं और इलाके में चर्चा का विषय बने हुए हैं।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां जोरों पर, आयोजन स्थल पर सुरक्षा से लेकर सुविधाओं तक फोकस

रांची, एजेंसी। जिले में स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। इस बीच सोमवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने मोरहाबादी मैदान में चल रहे स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने मुख्य मंच, परेड ग्राउंड, अतिथि दीर्घा, आमजन के बैठने की व्यवस्था, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, सजावट, सुरक्षा प्रबंधन, पार्किंग, यातायात नियंत्रण और चिकित्सीय सुविधाओं की समीक्षा की।

डीसी ने निर्देश दिया कि सभी कार्य तय समय सीमा में और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं, ताकि समारोह सुचारु रूप से संपन्न हो सके। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष जोर देते हुए कार्यक्रम स्थल के भीतर और बाहर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, विशेष ट्रैफिक प्लान और पार्किंग स्थलों के स्पष्ट चिन्हांकन के निर्देश दिए।

नगर निगम को मैदान व आसपास विशेष सफाई अभियान, कचरा निस्तारण, पेयजल टैंकर, मोबाइल शौचालय और स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा, एम्बुलेंस और चिकित्सकों की टीम मौके पर मौजूद रखने को कहा गया।

कोल्हान में बिजली विभाग ने 776 घरों में की छापेमारी, 77 लोगों पर एफआईआर दर्ज

जमशेदपुर, एजेंसी। बिजली विभाग ने सोमवार को कोल्हान के तीनों जिलों में बड़े बकायेदारों और बिजली चोरों के खिलाफ छापेमारी और जांच अभियान चलाया। जमशेदपुर के बिजली महाप्रबंधक अजीत कुमार के आदेश पर यह अभियान चलाया गया।

जमशेदपुर एरिया बोर्ड के महाप्रबंधक अजीत कुमार ने बताया कि कोल्हान के घाटशिला, मानगो, जमशेदपुर, चाईबासा, चक्रधरपुर, सरायकेला, आदित्यपुर क्षेत्रों में कुल 776 घरों में छापेमारी की गई। इनमें से 77 लोगों के खिलाफ विभिन्न थानों में बिजली चोरी के मामले दर्ज किए गए। आरोपियों से 14 लाख 68 हजार 702 रुपये जुर्माने के रूप में वसूले गए। बिजली

महाप्रबंधक अजीत कुमार ने बताया कि जमशेदपुर सर्किल के जमशेदपुर, आदित्यपुर, घाटशिला और मानगो डिवीजन में कुल 366

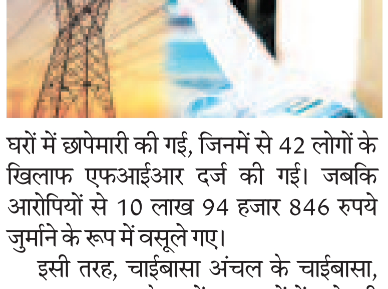

घरों में छापेमारी की गई, जिनमें से 42 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। जबकि आरोपियों से 10 लाख 94 हजार 846 रुपये जुर्माने के रूप में वसूले गए।

इसी तरह, चाईबासा अंचल के चाईबासा, चक्रधरपुर, सरायकेला में 432 घरों में छापेमारी की गई। 35 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई, जिनमें से 3 लाख 73 हज़ार 856 रुपये जुर्माने के तौर पर वसूले गए। बिजली महाप्रबंधक अजीत कुमार ने बताया कि छापेमारी जारी रहेगी।

विजयादशमी को आरएसएस की स्थापना के 100 वर्ष हो रहे पूरे, पूर्ण गणवेश में दिखेंगे सभी स्वयंसेवक

रांची, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) इस वर्ष विजयादशमी के दिन अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे करने जा रहा है।

संघ चाहता है कि शताब्दी वर्ष के विजयादशमी उत्सव में संघ के सभी स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में शामिल हों। इस बाबत नए-पुराने स्वयंसेवकों की सूची तैयार कर उनसे संपर्क किया जा रहा है।

जो किसी कारण से संघ की शाखा नहीं जा रहे हैं या संघ के कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो पा रहे हैं, वैसे स्वयंसेवकों की सूची तैयार कर गणवेश बनवाने का काम जारी है। इसके लिए सभी नगर, बस्ती और खंडों में संघ के पदाधिकारियों का प्रवास जारी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, परिवहन मंत्री नितिन गडकरी सहित पूरे देश में भाजपा के लिए कार्यरत सभी स्वयंसेवकों एवं संघ के

समवैचारिक संगठनों में कार्यरत सभी स्वयंसेवकों से अपने-अपने स्थानों पर विजयादशमी उत्सव में पूर्ण गणवेश में शामिल होने का आग्रह किया जा रहा है। संघ के आंकड़ों के अनुसार अभी पूरे देश में एक करोड़ से अधिक स्वयंसेवक हैं। रांची में लगभग एक हजार रुपये में पूर्ण गणवेश आरएसएस के प्रांत कार्यालय में मिल जा रहा है।

सभी बस्तियों और मंडलों में पथसंचलन निकालने का निर्णय

संघ ने स्थापना दिवस पर बहुत बड़ा कार्यक्रम नहीं करते हुए सभी बस्तियों और मंडलों में विजयादशमी उत्सव मनाने एवं पथसंचलन निकालने का निर्णय लिया है।

संघ ने कार्य की दृष्टि से सभी नगरों में 10 हजार की जनसंख्या पर एक बस्ती और 10 से 12 गांवों को मिलाकर एक मंडल का गठन किया है।

अभी किसी बस्ती में दो तो किसी में तीन से चार शाखाएं लग रहीं हैं। कार्यक्रम में समाज के लोगों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

नवरात्र के दौरान सभी स्थानों पर सुविधानुसार तिथि तय कर कार्यक्रम किए जाएंगे। विजयादशमी के दिन दो अक्टूबर को नागपुर में आयोजित कार्यक्रम में सरसंघचालक मोहन भागवत शामिल होंगे और स्वयंसेवकों को संबोधित करेंगे।

विजयादशमी उत्सव के बाद पूरे देश में वर्ष भर काम होंगे। इसमें गृह संपर्क अभियान, सामाजिक सद्भाव बैठक, मंडल और बस्ती सह हिंदू सम्मेलन, जिला केंद्रों पर प्रबुद्ध नागरिक गोष्ठी एवं 15 से 30 वर्ष के युवाओं के लिए कार्यक्रम निर्धारित हैं।

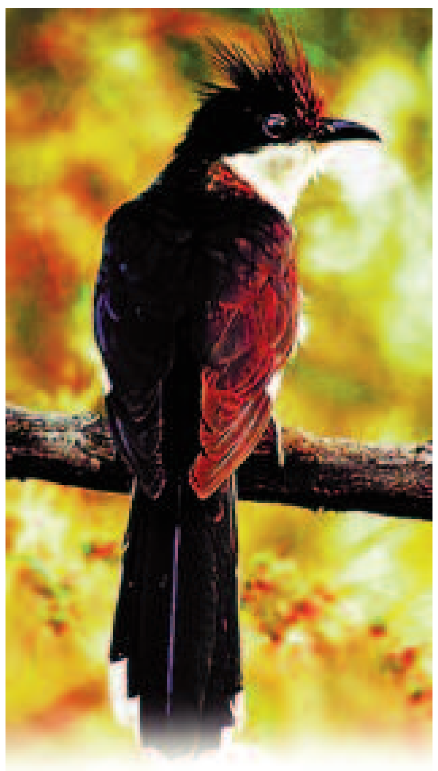

ये है दुनिया का वो अनोखा पक्षी जो सिर्फ पीता है बारिश का पानी

दुनिया में आपको पक्षियों की बहुत सी प्रजातियां देखने को मिल जाएंगी। जैव विविधता के साथ अलग-अलग इलाकों में अलग-अलग तरह की पक्षी पाई जाती हैं। किसी को दिन में दिखाई नहीं देता तो कोई अपना घोसला नहीं बनाता है। यही नहीं, कुछ पक्षी ऐसे भी हैं, जिसे केवल रात में दिखाई देता है। इस तरह के और भी कई गुणों से मशहूर विश्व में कई ऐसे पक्षी हैं, जो काफी मशहूर हैं। एक ऐसा ही पक्षी भारत में भी पाया जाता है, जो कि धरती पर मौजूद पानी के स्त्रोत का इस्तेमाल नहीं करता है, बल्कि वह बारिश के पानी पर ही आश्रित होता है। इसकी यही खासियत है कि यह सिर्फ बारिश का पानी ही पीता है।

सिर्फ बारिश का पानी पीने वाले इस पक्षी का नाम क्या है?

बरसात के पानी पर जिंदा उस पक्षी का नाम- जैकोबिन कोयल यानी चातक है, जो कि धरती पर मौजूद पानी के किसी स्रोत का इस्तेमाल नहीं करता है। इस पक्षी को कई जगहों पर पपीहा भी कहा जाता है। इसकी अनोखी बात यह है कि अगर चातक पक्षी को साफ पानी की झील में भी डाल दिया जाए तो भी यह अपनी चोंच बंद कर लेता है और पानी नहीं पीता है। धरती पर मौजूद सबसे अनोखे जीवों में से एक है, जिसे कितनी भी प्यास क्यों न लग जाए, वह किसी भी तरह का पानी नहीं पीता है। यहां तक कि इकट्ठा किया हुआ बारिश का पानी भी नहीं वो नहीं पीता है।

भारत में कहां पाया जाता है यह पक्षी?

भारत में यह पक्षी मुख्य रूप से उत्तराखंड में पाया जाता है। उत्तराखंड के गढ़वाल में इसे चोली कहते हैं। गढ़वाल के लोगों के अनुसार यह बस आसमान की ओर देखता रहता है। चातक को मारवाड़ी में मघवा और पपीया भी कहते हैं। यह एक लंबी पूंछ वाला पक्षी है, जिसके सिर पर एक कलगी होती है। पक्षी का आकार लगभग मैना के बराबर होता है। इस पक्षी का वैज्ञानिक नाम क्लैमेटर जैकोबिन्स है। बारिश के पानी के बिना भी यह पक्षी कई दिनों तक जीवित रह सकता है। ऐसा कहा जाता है कि जब इस पक्षी को प्यास लगती है तो यह बारिश के देवता को बुलाता है।

रहस्यमयी है वेनेजुएला की मैराकाइबो झील, साल के 300 दिन चमकती है बिजली

वेनेजुएला की मैराकाइबो झील दुनिया की सबसे पुरानी झीलों में से एक है. यह झील आज भी रहस्यमय बनी हुई है कि आखिर किस वजह से साल के 300 दिन यहां बिजली चमकती है?

वेनेजुएला दक्षिणी अमेरिका महाद्वीप में बना हुआ एक देश है. वैसे तो अक्सर वेनेजुएला महंगाई की वजह से सुर्खियों में बना रहता है, इसके अलावा भी कई कारण हैं जिसकी वजह से वेनेजुएला हमेशा चर्चा का विषय बना रहता है.

वेनेजुएला की मैराकाइबो झील के बारे में तो आपने जरूर सुना होगा. यूरोपियन स्पेस एजेंसी का मानना है कि मैराकाइबो झील दुनिया की सबसे पुरानी झीलों में से एक है, जो लगभग 35 मिलियन साल पुरानी है. ये झील आम झीलों के मुकाबले काफी बड़ी है. वैज्ञानिकों का मानना है कि लाखों वर्षों में इस झील का पानी और तली कई बार बदलावों से गुजरी होगी. तो अब सवाल यह है कि क्या इसी दौरान झील की तलहटी में कुछ ऐसा जम गया है जिसकी वजह से इस जगह पर सबसे ज्यादा बिजली चमकती है?

यूरोपियन स्पेस एजेंसी का मानना है कि यह झील दुनिया की सबसे पुरानी झीलों में से एक है, जिसका निर्माण 35 मिलियन साल पहले हुआ होगा। यह झील साढ़े 13 हजार वर्ग किलोमीटर में फैली है, जो दूसरी झीलों से काफी बड़ी है। वैज्ञानिकों का मानना है कि लाखों सालों में इसके पानी और तली में कई बार बदलाव हुआ होगा। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या झील की तलहटी में कुछ जमा है, जिसकी वजह से यह दुनिया की सबसे ज्यादा बिजली चमकने वाला स्थान बन गया है। यह अभी तक रहस्य है और इसकी जानकारी किसी के पास नहीं है। अमेरिकन मेटेरोलॉजिकल सोसायटी ने नवंबर 2016 में एक स्टडी की थी, जिसमें पता चला था कि मैराकाइबो झील में एक साल में 297 दिनों तक लगातार हर मिनट करीब 25 से 40 बार बिजली चमकती है। रोशनी इतनी अधिक होती है कि स्थानीय लोग पढ़ाई-लिखाई जैसे काम भी कर लेते हैं।

अफ्रीका के कांगो बेसिन के पास पहले यह दर्जा था। दुनिया की कई पहाड़ी और पानी वाली जगहों के बारे में दुनिया के देशों ने अलग-अलग अपने दावे किए हैं, लेकिन बिजली चमकने के मामले में वेनेजुएला की यह झील सबसे आगे है। सबसे पहले 16वीं सदी में एक स्पेनिश पर्यटक अमेरिको वेस्पकी ने इस जगह को खोजा था। स्थानीय लोग तब भी इस जगह के बारे में जानते थे, लेकिन डर की वजह से आसपास रहने से डरते थे।

स्थानीय लोगों का मानना था कि यह कुदरती नहीं है, बल्कि इसके पीछे भूत-प्रेत हैं। करीब 300 साल बाद यहां पर झील के किनारे-किनारे आबादी बसने लगी। झील को रहस्यमयी मानने वाले और डरने वाले लोगों के लिए यह रोजगार पैदा करने लगी है। अजीबोगरीब चीजों को देखने वाले पर्यटक यहां पर आने लगे। वह बिजली को चमकते हुए देखने के लिए आते हैं। यहां पर पर्यटक सितंबर से लेकर नवंबर के दौरान आते हैं। यहां पर बिजली पूरे दिन और पूरी रात चमकती है। यहां पर पर्यटक झील के किनारे बने छोटे-छोटे घरों में रहते हैं और इसका अनुभव करते हैं। आकाशीय बिजली गिरने के दौरान कई बार टूरिस्ट्स को खास सावधानी बरतनी होती है। लेकिन कई बार मछुआरे इसकी चपेट में आकर जान गंवा बैठते हैं।

एक मिनट मे कितनी बार चमकती है बिजली?

सन 2016 मे, अमेरिकन मेटेरोलॉजिकल सोसायटी ने एक स्टडी की और उस स्टडी में पाया गया कि मैराकाइबो झील में एक साल में लगभग 297 दिनों तक लगातार बिजली चमकती है और हर एक मिनट मे 25 से 40 बार बिजली चमकती है. इसी वजह से इस जगह को लाइटनिंग कैपिटल ऑफ वर्ल्ड का नाम दिया है. बिजली चमकने की रोशनी इतनी ज्यादा तेज होती है कि लोग रात के समय में उस रोशनी में पढ़ाई-लिखाई जैसे काम भी कर लेते हैं.

क्या भूत प्रेत है इसका कारण?

स्पेनिश सैलानी अमेरिको वेस्पकी ने 16वीं सदी में इस झील की खोज की. आपको बता दें कि लोकल लोग तब भी इस जगह के बारे में जानते थे, लेकिन डर के कारण कोई भी झील के आसपास नहीं जाता था. वहां के लोगों का यह मानना था कि ये कुदरती तो बिल्कुल भी नहीं है, बल्कि इसके पीछे भूत-प्रेतों का हाथ है. लगभग 3 सौ सालों के बाद इस झील के किनारे आबादी बसने लगी. जो लोग पहले इस झील को रहस्यमयी मान कर उससे डरते थे, अब वही झील उनके लिए रोजगार का जरिया बन गयी.

झील को देखने के लिए बढ़ा टूरिज्म

कुछ टूरिस्ट अजीबोगरीब जगह देखने के बहुत बड़े शौकीन होते हैं, वही टूरिस्ट यहां पर बिजली चमकना देखने के लिए आते हैं. यही कारण है कि इसे लाइटनिंग टूरिज्म कहा जाता है. टूरिस्ट सितंबर और नवंबर के समय में यहां आते हैं, ताकि बिजली को पूरे दिन और पूरी रात चमकते हुए देख सकें.

बिजली चमकने का कारण

कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि सालभर बिजली के चमकने का असली कारण नमी, तापमान और स्थान है. झील के दक्षिण की ओर एंडीज पर्वत है और उत्तर में कैरेबियन सागर है. सागर की तरफ से चलने वाली गर्म और नम हवा जब पर्वत की तरफ से चलने वाली ठंडी हवा से टकराती है, तो ये बिजली चमकती है. कुछ वैज्ञानिक इस थ्योरी से इंकार करते हैं और उनके अनुसार, लाखों सालों में इस झील का पानी और तली कई बार बदलावों से गुजरी है, जिसकी वजह से झील के तल में मीथेन गैस जमा हो गई. जब झील के तल मे जमी मिथेन गैस ऊपर की तरफ उठकर वातावरण की गैस से मिलती है, तब बिजली चमकती है. अब भी वैज्ञानिक इसके रहस्य को समझने के लिए कई प्रयोग कर रहे हैं.

गैस सिलेंडर पर लिखे कोड का क्या होता है मतलब?

रसोई गैस सिलेंडर पर लिखा कोड, सिलेंडर की एक्सपायरी डेट और टेस्टिंग की तारीख बताता है। यह कोड अक्षर और नंबर के रूप में लिखा होता है। कोड में अक्षरों का मतलब महीना और नंबरों का मतलब साल होता है।

आपने कभी गौर किया है कि आपके घर में आने वाले गैस सिलेंडर पर कुछ अंक और अक्षर लिखे होते हैं? ये कोड यूं ही नहीं लिखे होते हैं, इनका एक खास मतलब होता है। ये कोड सिलेंडर की सुरक्षा और उसकी मरम्मत से जुड़ी जरूरी जानकारी देते हैं।

गैस सिलेंडर पर लिखे कोड का क्या होता है मतलब?

रसोई गैस सिलेंडर पर लिखा कोड, सिलेंडर की एक्सपायरी डेट और टेस्टिंग की तारीख बताता है। यह कोड अक्षर और नंबर के रूप में लिखा होता है। कोड में अक्षरों का मतलब महीना और नंबरों का मतलब साल होता है। अक्षरों के बाद लिखा नंबर सिलेंडर के एक्सपायर होने वाले साल के बारे में बताता है। जैसे, अगर आपके सिलेंडर पर C-23 लिखा है, तो इसका मतलब है कि आपका रसोई गैस सिलेंडर साल 2023 में जुलाई से सितंबर के बीच में एक्सपायर होगा। इसी तरह A-26 का मतलब है कि सिलेंडर की एक्सपायरी 2026 अप्रैल तक है। गैस सिलेंडर की अधिकतम लाइफ 15 साल होती है। इस दौरान गैस कंपनियां उस सिलेंडर की दो बार जांच करती हैं। पहला टेस्ट 5 साल पूरे होने पर और दूसरा टेस्ट 10 साल बाद किया जाता है। ये परीक्षण विवरण सिलेंडर के ऊपर भी लिखे होते हैं। अगर दोनों तिथियां बीत चुकी हैं, तो उस सिलेंडर को लेने से मना कर देना चाहिए। ऐसा न करने पर विस्फोट का खतरा बढ़ जाता है।

गैस सिलेंडर में एबीसीडी का मतलब क्या होता है?

- गैस सिलेंडर पर लिखे कोड में A, B, C और D का मतलब महीनों से होता है। इन अक्षरों को तीन-तीन महीनों में बांटा गया है।
- A का मतलब जनवरी, फरवरी और मार्च होता है।
- B का मतलब अप्रैल, मई और जून होता है।
- C का मतलब जुलाई, अगस्त और सितंबर होता है।
- D का मतलब अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर होता है।

इस कोड के साथ सिलेंडर पर साल भी लिखा होता है। जैसे, A-24, B-25, C-26 या D-27। इन कोड से यह पता चलता है कि सिलेंडर कब तक वैलिड है। अगर सिलेंडर पर A-24 लिखा है, तो इसका मतलब है कि यह साल 2024 में जनवरी से मार्च के बीच एक्सपायर हो जाएगा। इस तरह, सिलेंडर पर लिखे कोड से उसकी एक्सपायरी डेट का पता चलता है। गैस सिलेंडर पर ऊपर की तरफ तीन चौड़ी पट्टियां होती हैं। इनमें से एक पट्टी पर ही यह कोड लिखा होता है।

इन बातों पर ध्यान दे सकते हैं

- गैस सिलेंडर के कंधे वाले हिस्से पर गैस का नाम, निर्माता, वजन, दबाव, और आयतन के बारे में जानकारी होती है।
- सिलेंडर पर आपूर्तिकर्ता द्वारा लगाए गए लेबल से भी सिलेंडर की सामग्री का पता चलता है।
- कमर्शियल गैस सिलेंडर आमतौर पर घरेलू गैस सिलेंडर से बड़े होते हैं और इनका वजन भी ज्यादा होता है।
- घरेलू गैस सिलेंडर का वजन 14.2 किलो होता है, जबकि कमर्शियल गैस सिलेंडर का वजन 19 किलो से लेकर 47.5 किलो तक हो सकता है।
- कमर्शियल गैस सिलेंडर पाने के लिए, कमर्शियल गैस कनेक्शन के लिए आवेदन करना होता है। इसके लिए, कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर निकटतम वितरक का पता लगाया जा सकता है। फिर, आवेदन पत्र और जरूरी दस्तावेज जमा करने होते हैं और सुरक्षा जमा राशि का भुगतान करना होता है। इसके बाद, सदस्यता वाउचर और गैस उपभोक्ता कार्ड जारी किया जाता है।

ये है दुनिया का सबसे महंगा और लग्जरी होटल बुर्ज अल अरब

इस दुनिया में छोटी से लेकर बड़ी और सस्ती से लेकर महंगी हर तरह की चीज और जगह मौजूद है। कोई सामान खरीदना हो या फिर किसी जगह जाना हो। हर व्यक्ति का अपना एक बजट होता है इसके हिसाब से वह अपने सारे काम करता है। अलग-अलग बजट के लोगों के हिसाब से अलग-अलग जगह पर सब कुछ उपलब्ध भी होता है। जिन लोगों का बजट कम या मध्यम होता है वह सामान्य तरह की चीज करके खुश रहते हैं और जिनका बजट ज्यादा होता है वह हमेशा लग्जरी चीजें करना पसंद करते हैं। अब जब बात लग्जरी के निकल गई है तो क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया में सबसे महंगी और लग्जरी होटल कहां पर होगी।

लगभग हर शहर में छोटी से लेकर बड़ी होटल उपलब्ध रहती है। सामान्य होटल से लेकर 5 स्टार 7 स्टार हर व्यक्ति अपनी पसंद और हैसियत के हिसाब से इन जगहों पर जाता है। आज हम आपको दुनिया के सबसे महंगे और लग्जरी होटल के बारे में जानकारी देते हैं जो दुबई में मौजूद है।

बुर्ज अल अरब

दुबई एक ऐसी जगह है जो अपनी ऊंची ऊंची और लग्जरी इमारतों के लिए पहचाना जाता है। जब आप यहां पर जाएंगे तो गगनचुंबी इमारतें और यहां मिलने वाली लग्जरी सुविधाएं देख कर हैरान हो जाएंगे। दुनिया का सबसे लग्जरी और महंगा होटल बुर्ज अल अरब है जो दुबई में ही मौजूद है। दुनिया के सबसे महंगे और लग्जरी होटल के रूप में प्रसिद्ध बुर्ज अल अरब से आप समुद्र के बेहतरीन नजारे देख सकते हैं। इस होटल के हर कमरे से दूर तक फैला हुआ नीला समंदर दिखाई देता है। यहां आप रेस्टोरेंट, बार, स्पा,स्विमिंग पूल, फ़िटनेस सेंटर जैसी सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।

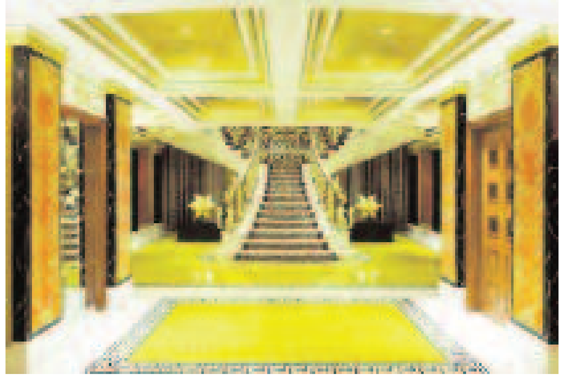

चढ़ी है सोने की परत

यह बात किसी को भी हैरान कर सकती है। लेकिन इंटरनेट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक इस होटल के दरवाजे से लेकर हर खंबे पर सोने की परत चढ़ी हुई है। यही इस होटल को लग्जरी बनाने का काम करती है।

दुबई का आइकॉनिक लैंडमार्क

यह होटल 321 मीटर ऊंची है और समुद्र के अंदर 148 फीट तक गई है। इसका आकार भी काफी खास है और यह दुबई की सबसे आइकोनिक लैंडमार्क में से एक मानी जाती है। दूर से ही यह होटल काफी खूबसूरत नजर आती है। अंदर जाने के बाद यहां की लग्जरी सुविधाएं हैरान करने वाली होती है।

लाखों रुपए है रुकने का खर्च

यह होटल इतना आलीशान है कि यहां जाने के बाद आपको राजा महाराजाओं वाली फीलिंग आने वाली है। यहां एक दिन रुकने का किराया 20 लाख रुपए तक लगता है। लेकिन लाखों रुपए के किराए में आपको जो सुविधा मिलेगी। वो आप जिंदगी में कभी नहीं भूल पाएंगे।

बाजार में अस्थिरता के बावजूद इक्विटी फंडों में रिकॉर्ड 42702 करोड़ का निवेश

एयूएम 75 लाख करोड़ पार

नई दिल्ली, एजेंसी। टैरिफ वार से प्रभावित शेयर बाजार में अस्थिरता के बावजूद जुलाई में इक्विटी म्यूचुअल फंडों में रिकॉर्ड 42,702 करोड़ रुपये का निवेश आया यह जून के 23,587 करोड़ की तुलना में 81 फीसदी अधिक है। खास बात है कि इक्विटी म्यूचुअल फंडों में लगातार 53वें महीने निवेश आया है। रिकॉर्ड निवेश के दम पर म्यूचुअल फंड उद्योग का एयूएम यानी निवेशकों के निवेश का मूल्य पहली बार 75 लाख करोड़ के पार 75.36 लाख करोड़ हो गया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों

के मुताबिक, थीमैटिक फंड में सबसे अधिक 9,426 करोड़ रुपये का निवेश आया। फ्लेक्सीकैप फंड में 7,654 करोड़, स्मॉलकैप में 6,484 करोड़, मिडकैप में 5,182 करोड़ और लार्ज-मिडकैप में 5,035 करोड़ का निवेश आया। इक्विटी-लिंक्ड सेविंग स्कीम्स (ईएलएसएस) को छोड़कर सभी इक्विटी श्रेणियों में निवेश हुआ। कुल मिलाकर, म्यूचुअल फंड उद्योग में जुलाई में 1.8 लाख करोड़ का निवेश हुआ। यह जून के 49,000 करोड़ और मई के 29,000 करोड़ से अधिक है। डेट फंडों में 1.06 लाख करोड़ का निवेश हुआ है, जबकि जून में 1,711 करोड़ की शुद्ध निकासी हुई थी। गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में शुद्ध निवेश घटकर 1,256 करोड़ रह गया, जो जून में 2,081 करोड़ रुपये था।

एसआईपी में लगातार भरोसा, 28,464 करोड़ रुपये का निवेश- एसआईपी के जरिये निवेश में खुदरा निवेशकों का भरोसा लगातार बना हुआ है। जुलाई में सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के तहत 28,464 करोड़ का निवेश आया।

अडानी पर पैसों की बारिश, मस्क से रह गए थोड़ा पीछे

टॉप 20 में वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में कई दिनों की गिरावट के बाद सोमवार को अच्छी तेजी रही। इस तेजी का सबसे ज्यादा फायदा अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी को हुआ। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अडानी की नेटवर्थ 5.74 अरब डॉलर यानी करीब 5,03,01,57,16,000

बढ़कर 79.7 अरब पहुंच गई। इसके साथ ही उनकी दुनिया के टॉप 20 अमीरों की लिस्ट में धमाकेदार वापसी हुई है। भारत और एशिया के दूसरे बड़े रईस की नेटवर्थ में इस साल 1.01 अरब की तेजी आई है। सोमवार को कमाई के मामले में अडानी से आगे केवल एलन मस्क रहे। दुनिया के सबसे बड़े रईस की नेटवर्थ में 6.69 अरब डॉलर की तेजी आई। इसके साथ ही उनकी नेटवर्थ 378 अरब डॉलर पहुंच गई। इस साल उनकी नेटवर्थ में 54.5 अरब डॉलर की गिरावट आई है। ओरेकल के फाउंडर लैरी एलिसन 305 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। सोमवार को उनकी नेटवर्थ में 3.30 अरब डॉलर की तेजी आई।

पर्सनल लोन का नया चेहरा

घूमना-फिरना मध्य वर्ग की बड़ी प्राथमिकता

- **विदेश यात्रा पर खर्च रक्षा बजट के बराबर**

नई दिल्ली, एजेंसी। एक दशक पहले तक पर्सनल लोन लेने का मतलब शादी, घर की मरम्मत या बच्चों की पढ़ाई जैसी जरूरतों को पूरा करना माना जाता था, लेकिन अब तस्वीर बदल गई है। नए सर्वे के मुताबिक, 2024-25 में 27 फीसदी भारतीयों ने सिर्फ घूमने-फिरने के लिए पर्सनल लोन लिया। एक दशक पहले की तुलना में यह करीब 10 गुना वृद्धि है। घर की मरम्मत के लिए 24 फीसदी, क्रेडिट कार्ड बकाया चुकाने के लिए 11 फीसदी, इलाज के लिए 9.6 फीसदी, शिक्षा के लिए 6.01 फीसदी और शादी के लिए महज 5.4 फीसदी लोगों ने पर्सनल लोन लिया। आरबीआई और प्रमुख वित्तीय कंपनियों के आंकड़े बताते हैं कि 2015-16 में पर्सनल लोन का बड़ा हिस्सा करीब 25 फीसदी शादी और 30 फीसदी घर की मरम्मत के लिए लिया जाता था। उस समय घूमने-फिरने पर खर्च के लिए गए कर्ज का हिस्सा पर्सनल लोन का 3 फीसदी से भी कम था। 2017 से 2019 के दौरान

ऑनलाइन ट्रैवल बुकिंग, लो-कॉस्ट एयरलाइंस और अभी घूमो-बाद में चुकाओ जैसी स्कीमों ने ट्रैवल लोन का हिस्सा 8 से 10 फीसदी तक पहुंचा दिया।

रिवेंज ट्रैवल ट्रेंड ने फिर से तस्वीर बदली

कोविड-19 के दौरान 2020-21में अंतरराष्ट्रीय यात्रा लगभग ठप हो गई और ट्रैवल लोन का हिस्सा घटकर 2 फीसदी के आसपास रह गया।इस दौरान इलाज और क्रेडिट कार्ड बकाया चुकाने के लिए लोन की मांग बढ़ी। 2022 के बाद रिवेंज ट्रैवल ट्रेंड ने फिर से तस्वीर बदल दी और 2024-25 में घूमने-फिरने के लिए पर्सनल लोन लेने वालों का हिस्सा रिकॉर्ड 27 फीसदी पहुंच गया।

ट्रंप टैरिफ से निपटने के लिए 50 देशों में निर्यात बढ़ाएगी सरकार

चार उपायों पर काम कर रहा मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के 50 फीसदी के भारी टैरिफ से निपटने और निर्यातकों की सुरक्षा के लिए सरकार पश्चिम एशिया एवं अफ्रीका जैसे क्षेत्रों के 50 देशों में निर्यात बढ़ाने की तैयारी कर रही है।खास बात है कि भारत के कुल निर्यात में इन देशों की हिस्सेदारी करीब 90 फीसदी है।

एक अधिकारी ने सोमवार को बताया, वाणिज्य मंत्रालय निर्यात विविधीकरण, आयात प्रतिस्थापन और निर्यात क्षेत्र की प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाने सहित चार उपायों पर काम कर रहा है। इन स्तंभों पर विस्तृत विश्लेषण जारी है। मंत्रालय हर प्रत्येक उत्पाद पर बारीकी से काम कर रहा है।

मंत्रालय पहले से ही 20 देशों में निर्यात बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा था।अब इस रणनीति में 30 और देशों को शामिल किया गया है। इससे न सिर्फ निर्यात बढ़ाने में मदद

मिलेगी, बल्कि अमेरिका से होने वाले नुकसान की भरपाई भी होगी। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारत का निर्यात जून में 35.14 अरब डॉलर पर स्थिर रहा।

नए बाजार तलाशें सी-फूड निर्यातक

उच्च टैरिफ के बीच सरकार ने सी-फूड निर्यातकों से झींगा और दूसरी मछलियों के निर्यात के लिए वैकल्पिक बाजार तलाशने को कहा है। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने कहा, यूरोपीय संघ, जापान, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन, रूस, ऑस्ट्रेलिया, पश्चिम एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया और कई देश भारतीय समुद्री खाद्य पदार्थों के निर्यात के लिए उपलब्ध हैं।

ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ से मुकेश अंबानी के शेयर में लगातार गिरावट, 17 पर आया भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी की कंपनी आलोक इंडस्ट्रीज के शेयर लगातार चर्चा में हैं। कंपनी के शेयर में लगातार गिरावट देखी जा रही है। आज आलोक इंडस्ट्रीज के शेयर 17.84 रुपये पर आ गए। इसमें 1 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई। कंपनी के शेयर बीते 5 दिन में 4 पर्सेंट और इस साल अब तक 15 पर्सेंट तक टूट गया है। बता दें कि ट्रंप टैरिफ के बाद से बाद से ही इसमें गिरावट देखी जा रही है। बता दें कि एनालिस्ट का मानना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद आलोक इंडस्ट्रीज सहित कई कपड़ा कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई।

एनालिस्ट के मुताबिक, ट्रंप के टैरिफ से यह उद्योग प्रभावित हो सकता है।

जून तिमाही के नतीजे- आलोक इंडस्ट्रीज का शुद्ध घाटा जून 2025 को समाप्त तिमाही में 171.56 करोड़ रुपये रहा, जबकि जून 2024 को समाप्त पिछली तिमाही के दौरान शुद्ध घाटा 206.87 करोड़ रुपये था। जून 2025 को समाप्त तिमाही में बिक्री 7.33 प्रतिशत घटकर 932.49 करोड़ रुपये रह गई, जबकि जून 2024 को समाप्त पिछली तिमाही के दौरान बिक्री 1006.30 करोड़ रुपये थी। बता दें कि 1986 में स्थापित, आलोक इंडस्ट्रीज एक एकीकृत कपड़ा निर्माता है जिसका मुख्यालय मुंबई में है। कपास और पॉलिएस्टर, दोनों ही क्षेत्रों में इसकी मजबूत उपस्थिति है। कपास क्षेत्र में, कंपनी कताई से लेकर बुनाई, प्रोसेसिंग, तैयार कपड़े, चादरें, तौलिए और परिधानों तक एकीकृत है। 2020 में, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने जेएम फाइनेंशियल एसेट रिकंस्ट्रक्शन के साथ मिलकर, बकाया ऋणों की वसूली के लिए ऋणदाताओं द्वारा आयोजित दिवाला और दिवालियापन कानून नीलामी के माध्यम से आलोक इंडस्ट्रीज का सफलतापूर्वक अधिग्रहण किया।

क्या है डिटेल

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, कपड़ा, आईटी सेवाएं, इंजीनियरिंग वस्तुएं और ऑटो कंपोनेंट जैसे निर्यात-उन्मुख क्षेत्रों पर नए अमेरिकी टैरिफ का असर पड़ने की आशंका है। एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख और रणनीतिकार शेषाद्रि सेन ने कहा, सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र कपड़ा, रसायन और ऑटो एंसिलरीज हैं, जिनका अमेरिका से निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान है।

सोना हुआ सस्ता, 100000 से नीचे आया भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्राफा बाजारों में आज सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई, जबकि चांदी के दाम मामूली रूप से ऊपर चढ़े। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 24 कैरेट सोना 408 गिरकर 99,549 प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जो 8 अगस्त 2025 के ऑल-टाइम हाई 1,01,406 से 1,857 सस्ता है। वहीं, चांदी 92 प्रति किलो की बढ़त के साथ 1,13,593 प्रति किलो पर पहुंच गई। जीएसटी समेत सोना 1,02,535 और चांदी 1,17,000 प्रति किलो के भाव से

बिक रही है। ध्यान रहे, ये कीमतें जीएसटी और मेकिंग चार्ज से पहले हैं। इन्हें जोड़ने पर ज्वैलरी की असली लागत 5-10 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। इस साल अब तक सोने में जबरदस्त उछाल देखा गया। 1 जनवरी 2025 को 24 कैरेट सोना 76,162 प्रति 10 ग्राम था, जो अब तक 23,387 की बढ़त के साथ 99,549 पर पहुंचा। चांदी 86,017 प्रति किलो से 27,576 की छलांग लगाकर 1,13,593 पर आई।

एचएएल ने इस डिफेंस कंपनी को दिया 10 करोड़ रुपये का काम, शेयरों में 4 प्रतिशत की तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। एयरोस्पेस और डिफेंस सेक्टर की कंपनी एवंतल लि के शेयरों में मंगलवार 12 अगस्त को 4 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। शुरुआती कारोबार में इस उछाल के पीछे की वजह हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड से मिला वर्क ऑर्डर है। बता दें,एवंतल लि के शेयर आज सुबह बीएसई में मामूली गिरावट के साथ 129.70 रुपये के लेवल पर ओपन हुआ है। हालांकि, इसके कुछ ही देर के बाद यह स्टॉक 4 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 133.55 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। जोकि 9.44 बजे तक इंट्रा-डे हाई भी रहा है।

10 करोड़ रुपये से अधिक का है ऑर्डर

हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड की तरफ सेएवंतल लि को 10.11 करोड़ रुपये का काम मिला है। यह कंपनी को 11 अगस्त को मिला था एवंतल लि को सैटकॉम इक्विपमेंट (एयरबोन वर्जन) बनाना है। इस ऑर्डर को 10 अगस्त 2026 से पहले पूरा करना है। कंपनी को 24 महीने की वारंटी भी देनी होगी। इस पहले जून के महीने में कंपनी को 24.73 करोड़ रुपये के दो बड़े ऑर्डर मिले थे। इसमें एक ऑर्डर मझगांव डॉक ने भी दिया था। जिसकी कुल वैल्यू 11.06 करोड़ रुपये थी।

जून तिमाही में इस डिफेंस कंपनी का प्रदर्शन कैसा रहा- नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 56 प्रतिशत गिरा है। अप्रैल से जून के दौरान कंपनी का कुल नेट प्रॉफिट 3.23 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 7.38 करोड़ रुपये रहा था। रेवन्यू के मोर्चे पर भी कंपनी के लिए बहुत अच्छी खबर नहीं है।

मेगा डील से आईनॉक्स ग्रीन एनर्जी शेयरों में बड़ी हलचल

कंपनी ने जीता बड़ा कॉन्ट्रैक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। आईनॉक्स ग्रीन एनर्जी के शेयरों में मंगलवार को करीब 5 प्रतिशत का उछाल आया और वे बीएसई पर 163 रुपये तक पहुंच गए। यह उछाल कंपनी द्वारा एक बड़े समझौते की खबर के बाद आया। दोपहर डेढ़

बजे के करीब इसके शेयर 3 पर्सेंट अधिक ऊपर 161.20 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे। पिछले छह महीने में इसने 20 पर्सेंट से अधिक का रिटर्न दिया है। आईनॉक्स ग्रीन ने भारत के सबसे बड़े कॉन्गलोमरेट्स (समूहों) में से एक की अक्षय ऊर्जा शाखा के साथ करार किया है। इस समझौते के तहत कंपनी पश्चिमी भारत के विभिन्न स्थानों पर स्थित, अपने ही सामान्य ढांचे से जुड़े, 182 मेगावाट के चालू पवन ऊर्जा प्रोजेक्ट्स की पूरी देखभाल और संचालन की जिम्मेदारी लेगी।

कंपनी का बयान

आईनॉक्स ग्रीन के सीईओ एस के माथू सुधाना ने कहा, हम भारत के सबसे बड़े ग्रुपों से एक की अक्षय ऊर्जा शाखा के साथ 182 मेगावाट के पूर्ण ह्र×रू समझौतों पर साइन करने की घोषणा करते हुए बहुत उत्साहित हैं। यह हमारे लिए एक मील का पत्थर है, क्योंकि इस समझौते के साथ, यह प्रतिष्ठित ग्राहक के साथ हमारे सारे प्रोजेक्ट फिर से हमारे पास आ गए हैं।

हुंडई के शेयरों पर गोल्डमैन का दांव, शेयर खरीदने की सलाह, 2600 रुपये का दिया टारगेट

नई दिल्ली, एजेंसी। हुंडई मोटर इंडिया के शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई के बिल्कुल करीब पहुंच गए हैं। हुंडई मोटर इंडिया के शेयर मंगलवार को बीएसई में करीब 4 पर्सेंट के उछाल के साथ 2239.70 रुपये पर जा पहुंचे हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 2265.05 रुपये है। पिछले 4 ट्रेडिंग सेशंस में से 3 में कंपनी के शेयरों में गिरावट देखने को मिली थी। अब ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन सैक्स ने हुंडई मोटर इंडिया के शेयरों का कवरेज शुरू किया है। गोल्डमैन सैक्स के मुताबिक, ऑटोमोबाइल कंपनी के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है।

बाय रेटिंग के साथ 2600 रुपये का टारगेट- विदेशी ब्रोकरेज हाउस गोल्डमैन सैक्स ने हुंडई मोटर इंडिया के शेयरों को खरीदने की सलाह दी है। ब्रोकरेज फर्म ने ऑटोमोबाइल कंपनी के शेयरों के लिए 2600 रुपये का टारगेट दिया है। यानी, सोमवार के क्लोजिंग लेवल से हुंडई मोटर के शेयरों में करीब 21 पर्सेंट का उछाल देखने को मिल सकता है। गोल्डमैन सैक्स का मानना है कि कंपनी वित्त वर्ष 27-28 के दौरान अपने प्रतिस्पर्धियों से आगे निकलने के लिए अच्छी पोजिशन में है। ब्रोकरेज फर्म के मुताबिक, कंपनी को अपने आगामी प्रॉडक्ट लॉन्चेज से काफी फायदा होगा। वित्त वर्ष 25 से 28 के बीच कंपनी के मार्केट शेयर में 120 बेसिस प्वाइंट (1.20 पर्सेंट) की बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

70 रुपये का शेयर पहले ही दिन 120 रुपये के पार

75 प्रतिशत से ज्यादा का फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने शेयर बाजार में धमाकेदार शुरुआत की है। हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर मंगलवार को बीएसई में 67.14 पर्सेंट के फायदे के साथ 117 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। लिस्टिंग के ठीक बाद कंपनी के शेयर बीएसई में 5 पर्सेंट और चढ़कर 122.84 रुपये पर पहुंच गए हैं। आईपीओ में कंपनी के शेयर का दाम 70 रुपये था। हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 70 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले पहले ही दिन 75 पर्सेंट से ज्यादा उछल गए हैं। हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर का आईपीओ दांव लगाने के लिए 5 अगस्त 2025 को खुला था और यह 7 अगस्त तक ओपन रहा।

कंपनी का कारोबार

हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की शुरुआत साल 1995 में हुई है। हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर, एक इंफ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट और मैनेजमेंट कंपनी है। कंपनी टोलवे कलेक्शन, इंजीनियरिंग, प्रेक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स और रियल एस्टेट डिवेलपमेंट बिजनेस में सक्रिय है। रोड, हाईवे, ब्रिज और रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट्स के कंस्ट्रक्शन एंड मेंटीनेंस में कंपनी का स्पेसलाइजेशन है।

ह्रस्श्च में कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग

हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयर ह्रस्श्च पर 64.29 पर्सेंट के फायदे के साथ 115 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। लिस्टिंग के ठीक बाद कंपनी के शेयर 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 120.75 रुपये पर जा पहुंचे हैं। हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 130 करोड़ रुपये तक का था। कंपनी के प्रमोटर अरुण कुमार जैन, अनूप अग्रवाल और रिद्धार्थ जैन हैं। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 94.95 पर्सेंट थी। हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर का आईपीओ 316.64 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 164.48 गुना दांव लगा, जबकि गैर संस्थागत निवेशक (नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स) कैटेगरी में आईपीओ को 473.10 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर के आईपीओ में क्वॉलिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 432.71 गुना दांव लगा। कंपनी के आईपीओ में आम निवेशक कम से कम 1 लॉट और अधिकतम 13 लॉट के लिए दांव लगा सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 211 शेयर थे। यानी, आम निवेशकों को एक लॉट के लिए 14,770 रुपये का निवेश करना पड़ा।

बुलेट ट्रेन की तरह भाग रहा है यह रेलवे स्टॉक

शेयरों में 5 प्रतिशत की तेजी, कंपनी के पास 26000 करोड़ का काम

नई दिल्ली, एजेंसी। कमजोर तिमाही नतीजों के बाद भी तीतागढ़ रेल सिस्टम के शेयरों में मंगलवार को 5.2 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर इस उछाल के बाद बीएसई में 818 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए। मंगलवार की सुबह कंपनी के शेयर मामूली गिरावट के साथ 775 रुपये के लेवल पर ओपन हुआ था। बता दें, सोमवार को मार्केट बंद होने के बाद इस रेलवे कंपनी ने तिमाही नतीजों का ऐलान किया था।

नेट प्रॉफिट में भारी गिरावट- तीतागढ़ ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि सालाना आधार पर उनका नेट प्रॉफिट 54 प्रतिशत लुढ़क गया है। अप्रैल से जून के दौरान कंपनी का कुल नेट प्रॉफिट 30.86 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में इस रेल सेक्टर की कंपनी का नेट प्रॉफिट 67.01 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी का रेवन्यू (ऑपरेशन्स) 679.30 करोड़ रुपये रहा है। बीते वित्त वर्ष की जून तिमाही में यह 903.05 करोड़ रुपये रहा था।

बीते एक साल से संघर्ष कर रहा है रेलवे स्टॉक

ज्यादातर मल्टीबैगर स्टॉक की तरफ तीतागढ़ रेल सिस्टम का शेयर भी बीते एक साल के दौरान संघर्ष करता नजर आया है। इस दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 45 प्रतिशत की गिरावट आई है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 1.03 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। बता दें, 5 साल में यह रेलवे स्टॉक 1845 प्रतिशत का रिटर्न देने में सफल रहा है।

सिनसिनाटी ओपनः

फाइनल में एम्मा रादुकानु को हराया

आर्यना संबालेका ने जीता महिला सिंगल्स खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने 3 घंटे 9 मिनट तक चले सिनसिनाटी ओपन के संघर्षपूर्ण फाइनल में ब्रिटेन की एम्मा रादुकानु को हराकर खिताब जीता। रादुकानु एक बार फिर से सबालेंका के खिलाफ लगातार हार के सिलसिले को तोड़ने में नाकामयाब रहीं। पहले सेट में रादुकानु ने शानदार खेल दिखाया और पहले नौ अंक जीतकर जोरदार शुरुआत की। लेकिन जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ता गया, उनकी पकड़ कमजोर होती गयी। उनकी सर्विस कमजोर पड़ने लगी। वहीं, सबालेंका ने शुरुआत में पिछड़ने के बाद दमदार वापसी की और टाई-ब्रेक में पहला सेट 7-6 (3) से जीता। दूसरे सेट में एम्मा रादुकानु ने जोरदार वापसी की। उन्होंने सबालेंका को छकाते हुए सेट 4-6 से अपने नाम किया। तीसरा सेट बेहद अहम और निर्णायक था। दोनों की तरफ से उनका सर्वश्रेष्ठ खेल देखने को मिला। रादुकानु ने ताकतवर फोरहैंड और बैकहैंड का इस्तेमाल किया और सबालेंका के आक्रमण को रोकने में भी सफलता पाई। वहीं नंबर वन खिलाड़ी सबालेंका ने भी अपनी क्लास से रादुकानु पर अपनी पकड़ बनाए रखी और सेट टाई ब्रेकर में 7-6 (5) से जीतकर खिताब अपने नाम किया। जीत के बाद सबालेंका ने कहा, मैं इस मुश्किल मैच को जीतकर खुश हूं। रादुकानू पर तीसरे सेट में जीत हासिल करने के लिए मुझे जोखिम भरे शॉट खेलने पड़े। मुझे उसके खिलाफ लड़ने में मज़ा आ रहा है। वह एक अद्भुत खिलाड़ी है, एक बहुत अच्छी इंसान है, और मैं उसके लिए बहुत खुश हूं।

सिनसिनाटी ओपनः

100 करोड़ की मानहानि का मामला

धोनी को बड़ी सफलता

- हाईकोर्ट ने सुनवाई का आदेश दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। मद्रास हाईकोर्ट ने पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी द्वारा दो प्रमुख मीडिया चैनलों और एक पत्रकार के खिलाफ 2013 के आईपीएल सट्टेबाजी कांड में उनका नाम घसीटने के आरोप में दायर 100 करोड़ रुपए के मानहानि के मामले में सुनवाई का आदेश दिया है। एमएस धोनी इस मामले में अपना बयान दर्ज कराने के लिए तैयार हैं। न्यायमूर्ति सीवी कार्तिकेयन ने एक एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त किया है जो धोनी की ओर से सबूत दर्ज करेगा। दो बार के विश्व कप विजेता कप्तान इस पूछताछ के लिए व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं होंगे क्योंकि एक सेलिब्रिटी होने के कारण उनकी उपस्थिति से अव्यवस्था पैदा हो सकती है। धोनी ने 2014 में प्रतिवादियों से 100 करोड़ रुपए के हर्जाने की मांग करते हुए यह मामला दायर किया था। 44 वर्षीय धोनी का आरोप है कि आईपीएल सट्टेबाजी कांड पर एक टेलीविजन बहस के दौरान उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की गईं।

एक रिपोर्ट के अनुसार वरिष्ठ वकील पीआर रमन ने धोनी की ओर से एक हलफनामा पेश किया जिसमें मुकदमे की शुरुआत की मांग की गई थी। यह मुकदमा एक दशक से लंबित है, क्योंकि संबंधित पक्ष वर्षों से राहत की मांग कर रहे हैं। हलफनामे में लिखा है, उपरोक्त अनुरोध किसी भी अनुचित देरी (एक दशक से अधिक समय से उच्च न्यायालय में लंबित मुकदमे के निपटारे में) से बचने और मुकदमे के निष्पक्ष, न्यायसंगत और शीघ्र निर्णय का समर्थन करने के इरादे से किया गया है। मैं घोषणा करता/करती हूं कि मैं एडवोकेट कमिश्नर के साथ अपना पूरा सहयोग करूंगा/करूंगी और मुकदमे तथा साक्ष्य दर्ज करने के संबंध में इस माननीय न्यायालय द्वारा जारी सभी निर्देशों का पालन करूंगा/करूंगी। 2013 का आईपीएल स्पॉट फिक्सिंग और सट्टेबाजी कांड इस टी20 लीग के इतिहास में एक बड़ा धब्बा माना जाता है। तीन क्रिकेटरों को स्पॉट फिक्सिंग में का दोषी पाया गया था जबकि दो फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स को उनके शीर्ष अधिकारियों की सट्टेबाजी गतिविधियों के कारण 2 साल के लिए निलंबित कर दिया गया था। धोनी ने अगस्त 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया, लेकिन आईपीएल में छ्स्च का प्रतिनिधित्व करना जारी रखा।

शून्य पर आउट हो गए 10 बल्लेबाज

- इस टीम ने सिर्फ 2 गेंदों में जीता T20 मैच

2 गेंदों में जीता टी-20 मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 मैच तो आपने बहुत देखे होंगे. इस फॉर्मेट में कई बड़े रिकॉर्डों को टूटते और बनते देखा होगा. टीमों को छोटे स्कोर पर ढहते होगा. लेकिन, यकीन मानिए हम जिसके बारे में बताने जा रहे हैं, वैसा ना तो पहले कभी देखा और ना ही सुना होगा. ये अपने आप में हुई एक अनोखी घटना है. और, ये मेंस क्रिकेट में नहीं बल्कि महिला टी20 मैच के दौरान हुआ है, जहा एक टीम के 10 बल्लेबाजों का तो खाता भी नहीं खुला, मतलब वो जीरो पर आउट हो गए. टारगेट इतना छोटा रहा कि विरोधी टीम ने मुकाबला सिर्फ 2 गेंदों में ही जीत लिया. अब सवाल है कि ये मैच खेला कहां गया?

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन प्रदेश की सीनियर महिला टीम के संभावितों के सेलेक्शन के लिए जयपुर और उदयपुर जिला केंद्र पर राज्य स्तरीय सीनियर महिला टी20 टूर्नामेंट करा रहा है. ये मुकाबला उसी टूर्नामेंट में सीकर और सिरोही जिले की टीमों के बीच खेला गया. क्रिकेट को अनिश्चितताओं का खेल कहते हैं और जयपुर में हुए मुकाबले में ऐसी ही एक अनिश्चितता ने सिरोही की टीम को घेर लिया. किसी ने नहीं सोचा था कि सिरोही की टीम का हाल इतना बुरा होगा.

10 बल्लेबाजों ने बनाए जीरो, 2 गेंदों में टारगेट हुआ चेज

मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी सिरोही की टीम की बल्लेबाजी की हालत 'तू चल, मैं आया' वाली रही. एक के बाद एक ताश के पत्तों की तरह विकेट ढह रहे थे. इस बीच स्कोर बोर्ड पर रन लगने की बात ना ही करें तो बेहतर. क्योंकि, वो तो 9वें नंबर के बल्लेबाज के क्रीज पर आने के बाद ही संभव हो सका. उसने ही 2 रन जोड़े और बाकी के 2 रन एक्स्ट्रा से आ गए. बाकी के 10 बल्लेबाजों के नाम के आगे तो बस जीरो ही लिखे रहे. कुल मिलाकर सिरोही की टीम सिर्फ 4 रन बनाकर ऑल आउट हो गई. जवाब में 5 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीकर की टीम के लिए इस काम से तो आसान कुछ हो ही नहीं सकता था.

चेस

ओपेरिन-लिएम को हराया

- सेंट लुई रैपिड एवं ब्लिट्ज के पहले दिन के बाद डी मुकेश संयुक्त तीसरे स्थान पर

सेंट लुई (अमेरिका) गुकेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उन्हें पहले दौर के एक कड़े मुकाबले में अरोनियन से हार का सामना करना पड़ा। लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी की। मौजूदा विश्व चैम्पियन डी गुकेश ने अमेरिका के लेवोन अरोनियन से पहले दौर में मिली हार के

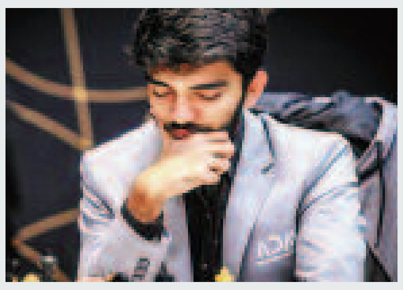

बाद वापसी करते हुए ग्रिगोरी ओपेरिन और लिएम ले क्वांग पर जीत दर्ज की और ग्रैंड शतरंज टूर के तहत खेले जा रहे सेंट लुई रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट के पहले दिन संयुक्त तीसरे स्थान पर रहे। गुकेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उन्हें पहले दौर के एक कड़े मुकाबले में अरोनियन से हार का सामना करना पड़ा। लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी की और सोमवार को खेली गई अन्य बाजियों में ओपेरिन और लिएम को हराकर संभावित छह में से चार अंक हासिल किए। लास वेगास में हाल ही में संपन्न फ्रीस्टाइल शतरंज टूर्नामेंट में जीत दर्ज करने वाले अमेरिकी ग्रैंडमास्टर अरोनियन ने उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव और फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव को हराकर अपना परफेक्ट स्कोर बनाए रखा। अरोनियन छह अंकों के साथ शीर्ष पर हैं, जबकि उनके हमवतन फैबियानो कारुआना दो जीत और एक ड्रॉ के बाद पांच अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

जापानी बॉक्सिंग में काला सप्ताह

- दो दिन में 2 मुक्केबाजों की मौत, JBC ने 12 राउंड मुकाबलों पर लगाई रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। जापानी बॉक्सिंग की दुनिया इन दिनों गहरे सदमे में है। महज कुछ दिनों के भीतर, एक ही इवेंट में हिस्सा लेने वाले दो पेशेवर मुक्केबाजों की मौत ने खेल जगत को हिला दिया है। 28 साल के शिगेतोशी कोतारी और हिरोमासा उराकावा ने 2 अगस्त को टोक्यो के कोराकुएन हॉल में अलग-अलग मुकाबलों में हिस्सा लिया।

मुकाबले के दौरान दोनों को ही गंभीर चोटें लगीं, जिसके चलते उन्हें जान गंवानी पड़ी। शिगेतोशी कोतारी की यामातो हाटा के साथ मुकाबले के दौरान लगी चोटों के कारण पिछले शुक्रवार (8 अगस्त 2025) को मृत्यु हो गई। शिगेतोशी कोतारी की मौत के अगले दिन हिरोमासा उराकावा की शनिवार (9 अगस्त 2025) को मृत्यु हो गई। फेदरवेट वर्ग के 8वें राउंड में हिरोमासा उराकावा और योगी सैतो के बीच नॉकआउट मुकाबला हुआ था।

मुकाबले में हिरोमासा हार गए और उन्हें गंभीर चोटें आईं। बाद में 9 अगस्त को उनकी मृत्यु हो गई। कोतारी और उराकावा दोनों की सबड्यूरल हेमेटोमा के लिए सर्जरी हुई थी। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें किसी चोट के कारण खोपड़ी और मस्तिष्क के बीच खून जम जाता है। लगातार हो रही मौतों ने जापान बॉक्सिंग कमीशन को झकझोर दिया है। जेबीसी इस संबंध में मंगलवार 12 अगस्त 2025 को एक आपात बैठक करेगा।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने 8 साल के प्यार के बाद जॉर्जिना रोड्रिग्ज से की सगाई

पहनाई करोड़ों की कीमत वाली अंगूठी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने आखिरकार लंबे समय (करीब 8 साल) से अपनी गर्लफ्रेंड जॉर्जिना रोड्रिग्ज से सगाई कर ली। जॉर्जिना रोड्रिग्ज ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर पोस्ट कर इसकी पुष्टि की।

तस्वीर में वह अपनी अंगुली में अंगूठी पहने हुए हैं। जॉर्जिना रोड्रिग्ज ने तस्वीर के कैप्शन में लिखा, 'हां मैंने की। अभी और मेरे पूरे जीवन में भी।'

जॉर्जिना ने इंस्टाग्राम पर की सगाई की पुष्टि- जॉर्जिना रोड्रिग्ज ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीर शेयर की है उसमें क्रिस्टियानो रोनाल्डो भी दिख रहे हैं। जॉर्जिना ने रोनाल्डो को टैग भी किया है। रोनाल्डो ने खुद अब तक इंटरनेट पर कुछ भी पोस्ट नहीं किया है। चूंकि रोनाल्डो और जॉर्जिना लंबे समय से साथ हैं और अब अपने रिश्ते में एक नया कदम उठा रहे हैं। ऐसे में यह देखना

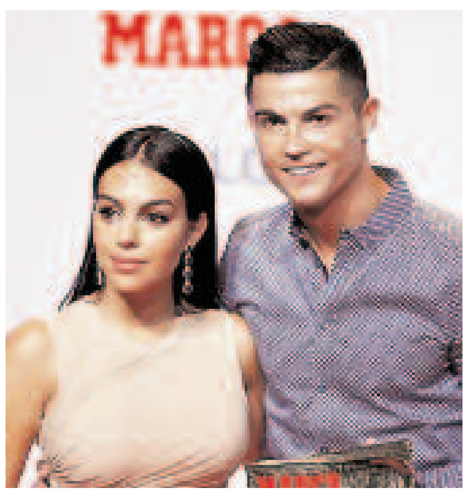

- **विशेषज्ञ लगा रहे अंगूठी की कीमत का अनुमान-** जैसे ही सगाई की अंगूठी की तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई, विभिन्न विशेषज्ञों ने इसकी कीमत का आकलन करना शुरू कर दिया। अंगूठी 5 सेंटीमीटर से ज्यादा लंबी लग रही थी, जिसमें बीच में एक प्रमुख अंडाकार हीरा और दो छोटे रत्न जड़े थे।

आभूषण विशेषज्ञों ने अंगूठी की कीमत का अनुमान लगाना शुरू कर दिया है। ब्रियोनी रेमंड के अनुसार, मुख्य अंडाकार हीरा 25 से 30 कैरेट के बीच हो सकता है, जबकि अन्य विशेषज्ञों का मानना है कि यह कम से कम 15 कैरेट का होना चाहिए। जौहरी फ्रैंक डार्लिंग के संस्थापक केगन फिशर के अनुसार, दोनों तरफ के हीरे लगभग 1 कैरेट के लग रहे हैं।

5 बच्चों के पिता हैं रोनाल्डो

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के जॉर्जिना रोड्रिग्ज से तीन बच्चे भी हैं। जॉर्जिना ने 12 नवंबर 2017 को बेटी अलाना मार्टिना को जन्म दिया। इसके बाद 18 अप्रैल 2022 को उन्होंने बेटी बेला एस्मेराल्डा और बेटे एंजेल को जन्म दिया, लेकिन दुर्भाग्य से जन्म के कुछ समय बाद ही एंजेल की मौत हो गई। क्रिस्टियानो रोनाल्डो 3 और बच्चों (क्रिस्टियानो जूनियर, माटओ और ईवा) के पिता हैं। क्रिस्टियानो जूनियर की मां की पहचान हमेशा गुप्त रखी गई है, जबकि जुड़वां बच्चे माटेओ और ईवा सरोगेसी के जरिए पैदा हुए थे। जॉर्जिना ने काफी समय पहले एक पत्रिका दिए साक्षात्कार में बताया था कि सभी बच्चों को उन्होंने जन्म नहीं दिया, लेकिन वह उन्हें अपने बच्चे ही मानती हैं और वे बच्चे उन्हें मां कहते हैं।

कौन हैं जॉर्जिना रोड्रिग्ज?

जॉर्जिना एक सोशल मीडिया हस्ती, मॉडल और उद्यमी हैं। 31 साल की जॉर्जिना का जन्म अर्जेंटीना में हुआ और बाद में उनका पालन-पोषण स्पेन में हुआ। रोनाल्डो ने 2017 में उनके साथ अपने रिश्ते की पुष्टि की थी। दोनों पहली बार सार्वजनिक रूप से ज्यूरिख में फीफा फुटबॉल अवार्ड्स में साथ नजर आए थे। जॉर्जिना रोनाल्डो के साथ मैनचेस्टर यूनाइटेड, रियल मैड्रिड और जुवेंटस के लिए खेलते हुए यात्रा करती थीं।

स्टेफी ग्राफ: फैंस में ऐसी दीवानगी किसी और महिला टेनिस खिलाड़ी के लिए नहीं दिखी

नई दिल्ली, एजेंसी। टेनिस दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय और रोमांचक खेलों में से एक है। इस खेल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रियता दिलाने में जिन खिलाड़ियों की अहम भूमिका रही है, उनमें एक बड़ा नाम स्टेफी ग्राफ का है। चार साल की उम्र में टेनिस शुरू करने वाली ग्राफ ने सिर्फ 13 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय कोर्ट में कदम रख दिया था। 17 साल लंबे अपने करियर के दौरान वह दुनिया की सर्वाधिक प्रभावशाली खिलाड़ियों में रहीं और टेनिस के प्रशंसकों के दिलों में अपने जोरदार खेल की बदौलत अमिट छाप छोड़ी।

14 जून 1969 को जर्मनी के मैनहेम में जन्मीं स्टेफी ग्राफ का करियर 1982 से लेकर 1999 तक था। 1982 से 1990 तक वह वेस्ट जर्मनी और 1990 से 1999 तक जर्मनी की तरफ से खेलीं। 17 साल के करियर में 377 सप्ताह तक लगातार वह दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी रहीं। आठ बार उन्होंने कैलेंडर ईयर की समाप्ति नंबर वन रैंक के साथ की। ग्राफ दुनिया की एकमात्र टेनिस खिलाड़ी हैं जिन्होंने सभी चार मेजर ग्रैंड स्लैम (यूएस ओपन, ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन) कम से कम चार बार जीते हैं। ग्राफ कोर्ट पर अपनी इंटेंसिटी, गति और पावरफुल फोरहैंड के लिए जानी जाती थीं।

ग्राफ ने महिला एकल में कुल 22 ग्रैंड स्लैम जीते हैं। 13 अगस्त 1999 को जब उन्होंने टेनिस कोर्ट को अलविदा कहा था, उस समय वह इस खेल की दूसरी सर्वाधिक

सफल खिलाड़ी थीं। उनसे आगे मार्गरेट कोर्ट थीं, जिनके नाम सर्वाधिक 24 ग्रैंड स्लैम पुरस्कार जीतने का रिकॉर्ड था। सेरेना विलियम्स ने 2017 में 23वां ग्रैंड स्लैम जीतकर ग्राफ को पीछे छोड़ दिया था। ग्राफ ने करियर में कुल 107 खिताब जीते। अमेरिका की एसोसिएट प्रेस ने ग्राफ को 20वीं सदी का महानतम खिलाड़ी घोषित किया था। ग्राफ ने अपने करियर में ऑस्ट्रेलियन ओपन चार बार (1988, 1989, 1990, 1994), फ्रेंच ओपन छह बार (1987, 1988, 1993, 1995, 1996, 1999), विंबलडन सात बार (1988, 1989, 1991, 1992, 1993, 1995, 1996) और यूएस ओपन पांच बार (1988, 1989, 1993, 1995, 1996) जीता। कोर्ट पर बेहतरीन खेल के साथ-साथ ग्राफ से जुड़ी कई अन्य कहानियां हैं, जिसकी वजह से वह सुर्खियों में रहीं।

फैंस स्टेफी ग्राफ के खेल के साथ-साथ उनकी खूबसूरती के दीवाने थे। 1993 में मोनिका सेलेस ग्राफ के लिए चुनौती बनकर उभर रही थी। इसी दौर में एक बड़ी घटना हुई थी, जब मोनिका सेलेस को एक मैच के दौरान अज्ञात शख्स ने पीठ में छुरा घोंप दिया था। बताया जाता है कि ये ग्राफ का एक प्रशंसक था, जो सेलेस की कामयाबी से बहुत खुश नहीं था। बाद में पता चला कि हमलावर दिमागी तौर पर भी अस्थिर था। इस घटना के बाद मोनिका सेलेस ने कोर्ट पर वापसी तो की, लेकिन उनका करियर उड़ान नहीं ले पाया।

‘वॉर-2’ के इवेंट में फैंस का प्यार देख भावुक हुए जूनियर एनटीआर

जूनियर एनटीआर फेमस एक्टर हैं, जिनकी फैन फॉलोइंग काफी तगड़ी है। 14 अगस्त को उनकी फिल्म वॉर 2 रिलीज होने जा रही है। अपनी करिश्माई पर्सनैलिटी और बेमिसाल ऑन-स्क्रीन चार्म के लिए मशहूर एक्टर को हाल ही में हैदराबाद में एक इवेंट में देखा गया। यहां वह अपनी फिल्म वॉर-2 को प्रमोट करने पहुंचे थे। उनके होम सिटी में हुए इस इवेंट ने फैंस को दीवाना बना दिया। वाईआरएफ ने फैंस के बीच एनटीआर के जबरदस्त क्रेज को देखते हुए हैदराबाद को लोकेशन के तौर पर चुना। इस इवेंट में जूनियर एनटीआर अपने प्रति जबरदस्त प्यार देख भावुक हो गए। उन्होंने यहां पर क्लोजिंग स्पीच दी और कहा, मेरे करियर की शुरुआत 25 साल पहले निन्नू चूडालानी फिल्म से हुई थी, जिसे दिवंगत रामोजी राव के बैनर तले लॉन्च किया गया था। उस दिन मैं अकेला था, सिर्फ मेरे माता-पिता साथ थे। मैंने अपने पहले फैन, अदोनी के मुजीब से पूछा, ‘तुम कौन हो?’ उन्होंने कहा, ‘मैं आपका फैन हूं सर, आपके लिए जान भी दे सकता हूं।’ तब तक मेरी कोई फिल्म रिलीज भी नहीं हुई थी। उस दिन से आज तक, लाखों फैंस को इस सफर में मेरे साथ देखना, पिछले जन्मों का आशीर्वाद है।

14 अगस्त को उनकी मोस्ट अवेटेड फिल्म वॉर 2 रिलीज होने वाली है। इसमें जूनियर एनटीआर, ऋतिक रोशन के अपोजिट होंगे। इसे अयान मुखर्जी ने डायरेक्ट किया है। इसमें कियारा आडवाणी भी अहम रोल में हैं। इसके बाद जूनियर एनटीआर कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाले हैं। इनमें एनटीआर नील नाम की एक दमदार एक्शन फिल्म भी है, जिसे केजीएफ फेम प्रशांत नील डायरेक्ट कर रहे हैं। यह फिल्म 25 जून 2026 को रिलीज होगी और इसे मायथ्री मूवी मेकर्स और एनटीआर आर्ट्स बना रहे हैं। इसके अलावा, वह त्रिविक्रम श्रीनिवास के साथ एक भव्य पौराणिक फिल्म भी कर रहे हैं, जिसमें वह भगवान कुमारस्वामी का दिव्य किरदार निभाएंगे।

टाइगर श्रॉफ की बागी 4 का टीजर जारी, फुल एक्शन मोड में दिखे अभिनेता

टाइगर श्रॉफ के फैंस को उनकी आगामी फिल्म बागी 4 का लंबे समय से इंतजार था। आखिरकार आज 11 अगस्त को मेकर्स ने इस फिल्म का टीजर जारी कर दिया। टीजर में टाइगर बेहद ही आक्रामक अंदाज में नजर आ रहे हैं और अपने दुश्मनों पर किसी भी प्रकार की दया ना दिखाते हुए उनपर जोरदार हमला कर रहे हैं। बागी 4 के निर्माताओं ने फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया है, जो 1 मिनट 49 सेकेंड का है। इस टीजर की शुरुआत टाइगर श्रॉफ के एक डायलॉग से होती है कि जरूरत और जरूरी में फर्क होता है। इसके बाद टीजर में अभिनेता को बहुत ही गुस्से में हथियारों से दुश्मनों पर आक्रामक हमला करते देखा जाता है, जो काफी भयानक और रोंगटे खड़े कर देने वाला है। टीजर देखने के बाद नेटिजंस के मन में फिल्म को लेकर बेसब्री और बढ़ गई है। टीजर में संजय दत्त खलनायक की भूमिका में खतरनाक अंदाज में दिख रहे हैं और टाइगर श्रॉफ से उनकी जबरदस्त भिड़त हो रही है। इसके अलावा सोनम बाजवा के स्क्रीन प्रेजेंस ने ग्लैमर और एक्शन का शानदार तड़का लगाया है, जो दर्शकों को आकर्षित कर रहा है। इतना ही नहीं टीजर में हरनाज संधू भी एक्शन मोड में जबरदस्त अंदाज में दिख रही है।

बाघी 4 का टीज़र वायरल

मिस यूनिवर्स हरनाज़ संधू का एक्शन से भरपूर बॉलीवुड डेब्यू

बॉलीवुड के एक्शन सीन में एक नया तूफ़ान आ गया है, और वो हैं मिस यूनिवर्स 2021 हरनाज़ संधू। बहु-प्रतीक्षित फ़िल्म बाघी 4 का टीज़र रिलीज़ होते ही वायरल हो गया है, जिसमें हरनाज़ संधू का एक्शन से भरपूर अवतार देखकर दर्शक हैरान हैं। अपनी खूबसूरती और ग्लैमर के लिए मशहूर हरनाज़ ने इस टीज़र में अपनी इमेज को पूरी तरह बदल दिया है। रोमांटिक एंट्री की बजाय, वह स्क्रीन पर सीधे हाई-ऑक्टेन एक्शन सीन करते हुए दिखाई देती हैं। हड्डियां हिला देने वाले हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट से लेकर हथियारों के साथ निंजा-स्टाइल एक्शन तक, उन्होंने यह साबित कर दिया है कि वह इस फ़िल्म की कहानी का एक अहम हिस्सा हैं। टीज़र में टाइगर श्रॉफ के साथ उनकी दमदार केमिस्ट्री और संजय दत्त के विलेन अवतार के बीच हरनाज़ की मौजूदगी देखने लायक है। साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित और ए. हर्षा द्वारा निर्देशित यह मेगा-एक्शन फ़िल्म 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। यह टीज़र देखने के बाद यह साफ है कि हरनाज़ संधू का यह नया एक्शन मोड आने वाले समय में खूब सुर्खियाँ बटोरने वाला है।

रोहित शेट्टी के सामने हाथ जोड़कर मांगा काम, तो मंदिरों में जाने पर हुईं ट्रोल

केदारनाथ, लव आजकल 2, सिंबा, स्काईफोर्स समेत कई चर्चित फिल्मों में अपनी एक्टिंग का जौहर दिखाने वाली सारा अली खान का 12 अगस्त को जन्मदिन है। अभिनेत्री अमृता सिंह और अभिनेता सैफ अली खान की बेटी सारा अली खान अपने एक्टिंग स्किल की वजह से इंडस्ट्री में खास जगह बनाने में सफल रही हैं। उनकी सादगी, मेहनत और बेबाक अंदाज ने उन्हें फैंस का चहेता बना दिया। सारा का करीना कपूर के साथ भी खूबसूरत रिश्ता है, जो अक्सर सुर्खियों में रहता है। कोलंबिया विश्वविद्यालय से इतिहास और राजनीति विज्ञान में ग्रेजुएट होने के बाद सारा ने साल 2018 में व्यावसायिक रूप से सफल फिल्मों रोमांटिक-ड्रामा केदारनाथ और एक्शन कॉमेडी सिम्बा के साथ अभिनय करियर की शुरुआत की। सारा ने साल 2018 में फिल्म केदारनाथ से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद सिम्बा, अतरंगी रे, जरा हटके जरा बचके, गैसलाइट, स्काई फोर्स के साथ ही हालिया रिलीज मेट्रो...इन दिनों जैसी फिल्मों में उन्होंने अपनी एक्टिंग की छाप छोड़ी। मेट्रो...इन दिनो में सारा ने एक साधारण, जिंदगी की उलझनों से जूझती लड़की का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। एक इंटरव्यू में सारा ने बताया कि इस किरदार के लिए उन्होंने ग्लैमर से परे एक वास्तविक और सादगी भरा लुक अपनाया, जो निर्देशक अनुराग बसु की सोच थी। सैफ अली खान की लाडली सारा का आम जीवन में भी बेहद सरल हैं। इस बात का जिक्र कपिल शर्मा के शो में रोहित शेट्टी ने खुद किया था। उन्होंने बताया था कि सारा उनके ऑफिस आई और हाथ जोड़कर सिम्बा में काम मांगा था। रोहित ने उनकी सादगी की तारीफ करते हुए कहा, सारा बहुत मेहनती और जमीन से जुड़ी हैं। रोहित शेट्टी ने बताया, सिम्बा में काम मांगने के लिए आई सारा ने उनके सामने हाथ जोड़ा था।

सलमान खान शुरू करना चाहते हैं लुका-छिपी और ‘चोर-पुलिस’ जैसी लीग

वर्ल्ड पैडल लीग के तीसरे सीजन के शुभारंभ में सुपरस्टार सलमान खान ने शिरकत की, जहां उन्होंने मजाकिया अंदाज में बताया कि वह लुका-छिपी और चोर पुलिस जैसे क्लासिक बचपन के खेलों के लिए अपनी खुद की लीग बनाना चाहते हैं .सलमान ने कहा, मैं कंचे, गिल्ली-डंडा, चेन कुक, लुका-छिपी और चोर-पुलिस जैसी लीग शुरू करना चाहूंगा। साथ ही, पढ़े-लिखे लोगों के लिए ‘डॉक्टर-डॉक्टर’ लीग भी खोलना चाहता हूं। उनकी इस मजेदार टिप्पणी ने सभी का ध्यान खींचा। उनके भाई सोहेल खान वर्ल्ड पैडल लीग में एक टीम के मालिक हैं। सलमान जल्द ही विवादास्पद रियलिटी शो ‘बिग बॉस’ के 19वें सीजन में बतौर होस्ट वापसी करने वाले हैं। शो का भव्य प्रीमियर 24 अगस्त को होने की उम्मीद है। सलमान ने कहा, मैं लंबे समय से ‘बिग बॉस’ का हिस्सा हूं। इस बार यह शो ‘घरवालों की सरकार’ थीम के साथ आएगा। जब कई लोग एक साथ नियंत्रण करने की कोशिश करते हैं, तो चीजें उलझ जाती हैं और घर युद्ध का मैदान बन जाता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान खान एआर. मुरुगादॉस की एक्शन-ड्रामा फिल्म ‘सिकंदर’ में नजर आए थे, जिसमें उनके साथ अभिनेत्री रश्मिका मंदाना, काजल अग्रवाल, शरमन जोशी, सत्यराज, जतिन सर्ना, संजय कपूर और प्रतीक बब्बर जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं।

अम्मी विर्क जुड़ेंगे राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फ्रेंचाइज़ी गड्डे गड्डे चा 2 में

एक्टर-सिंगर अम्मी विर्क अब गड्डे गड्डे चा 2 की स्टारकास्ट का हिस्सा बन गए हैं। यह फिल्म लोकप्रिय पंजाबी ब्लॉकबस्टर गड्डे गड्डे चा 2 का सीक्वल है, जिसे 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ पंजाबी फीचर फिल्म का सम्मान मिला था। विजय कुमार अरोड़ा द्वारा निर्देशित और जगदीप सिद्धू द्वारा लिखित, पहली फिल्म ने न केवल वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर सफलता पाई, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी बड़ी संख्या में दर्शक जोड़े। इसकी दिल छू लेने वाली कहानी, जोरदार हास्य और प्रगतिशील सोच ने इसे हर परिवार की पसंदीदा फिल्म बना दिया। अब इस सीक्वल में पुराने रिवाजों को फिर से हास्य और संवेदना के साथ चुनौती दी जाएगी, और इस बार अम्मी विर्क भी जुड़ेंगे, जिनकी करिश्माई मौजूदगी और हास्य अंदाज़ फिल्म को और ऊँचाइयों पर ले जाएगा। अम्मी विर्क ने कहा, मैं हमेशा ऐसी फिल्मों की सराहना करता हूँ, जो मनोरंजन के साथ एक मजबूत संदेश देती हैं, और गड्डे गड्डे चा 2 ने वही किया। मैं पूरी टीम को राष्ट्रीय पुरस्कार और दुनियाभर से मिले प्यार के लिए बधाई देता हूँ। इस खूबसूरत सफर के दूसरे अध्याय का हिस्सा बनकर मैं बेहद उत्साहित हूँ। इस दीवाली, जहाँ होंगे दीप और पटाखे, वहीं होंगी ढेर सारी हँसी भी गड्डे गड्डे चा 2 जी स्टूडियोज़ और वीएच एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है और दिवाली 2025 में रिलीज़ होगी।

बिश्नोई गैंग से धमकी के बाद लिया गया फैसला

मुंबई पुलिस ने पुख्ता की कपिल शर्मा की सुरक्षा

बीते गुरुवार कॉमेडियन कपिल शर्मा के कनाडा वाले ‘कैप्स कैफे’ में फिर से फायरिंग की गई। घटना की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली। साथ ही कपिल को धमकी भी दी है। कॉमेडियन को मिल रही धमकी के बाद मुंबई पुलिस ने उनकी सुरक्षा बढ़ाई है। लोकप्रिय कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से कथित तौर पर मिली जान से मारने की धमकी के बाद उनकी सुरक्षा में इजाफा किया गया है। मुंबई पुलिस ने कपिल की सिक्योरिटी बढ़ाई है। बता दें कि कॉमेडियन के कैफे पर दो बार हमला हो चुका है, फायरिंग की गई है। बीते गुरुवार को भी दूसरी बार कपिल के कैफे पर फायरिंग हुई।

धमकियों के बाद बढ़ाई गई सुरक्षा

कपिल शर्मा को लगातार मिल रहीं धमकियों के मद्देनजर कॉमेडियन कपिल शर्मा की सुरक्षा पर फैसला लिया गया है और मुंबई पुलिस ने कॉमेडियन की सिक्योरिटी में इजाफा किया है। बता दें कि कपिल शर्मा इन दिनों अपने कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो को लेकर चर्चा में हैं, जो नेटफ्लिक्स पर हर शनिवार को स्ट्रीम होता है।

कपिल को मिली धमकी से सलमान खान का कनेक्शन

बता दें कि बिश्नोई गैंग की तरफ से अभिनेता सलमान खान को कथित तौर पर कई बार जान से मारने की धमकी मिल चुकी है। सलमान खान ‘द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो’ के पहले एपिसोड में नजर आए थे। एक रिपोर्ट के अनुसार लॉरेंस बिश्नोई गैंग के एक सदस्य ने ऑडियो जारी करके धमकी दी कि जो सलमान खान के साथ काम करेगा, उसे वह मार देंगे।

दो बार हो चुका कैफे पर हमला

पिछले महीने यानी जुलाई की 10 तारीख कपिल शर्मा के कैप्स कैफे पर फायरिंग की गई थी। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर फायरिंग करने वालों ने पोस्ट किया था। 10 से 12 राउंड फायर कैफे पर किए। पिछली बार हुई फायरिंग की जिम्मेदारी खालिस्तानी आतंकी हरजीत सिंह लड्डी ने ली थी। हरजीत सिंह लड्डी एनआईए की मोस्ट वांटेड आतंकवादी की लिस्ट में शामिल है और बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़ा है। अब नए हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है। कपिल के कनाडा स्थित कैप्स कैफे पर दूसरी बार फायरिंग की जिम्मेदारी गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों ने ली, जो खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का बताता है।

कैंसर ट्रीटमेंट के दौरान किसी ने नहीं दिया काम

अब मैं ऑडिशन के लिए तैयार हूं

हिना खान टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। साथ ही फिल्मों में भी लीड रोल कर चुकी हैं। पिछले साल उन्हें ब्रेस्ट कैंसर का पता चला। इसी बीमार से वह डटकर लड़ी और इलाज के बाद ठीक हो गईं। कैंसर ट्रीटमेंट के दौरान भी हिना खान एक्टिव रहीं लेकिन किसी सीरियल या फल्म में नजर नहीं आईं। जबकि वह तो काम करना चाहती थी।

अब हिना खान ने बताया कि किसी ने उन्हें पिछले एक साल में कोई काम ऑफर नहीं किया है। एक इंटरव्यू में हिना खान कहती हैं, ‘बीमारी का पता लगने, इलाज हो जाने के बाद ‘पति पत्नी और पंगा’ मेरा पहला प्रोजेक्ट है। मैं काम करना चाहती हूं। किसी ने मुझसे सीधे तौर पर यह नहीं कहा कि तुम अभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं हुई हो। लेकिन मुझे लगता है कि शायद लोग काम देने से हिचकिचा रहे हैं। हो सकता है शो बनाने वाले ऐसा

करें, मैं उनकी स्थिति भी समझती हूं। अगर मैं उनकी जगह होती, तो हजार बार सोचती।’ हिना खान आगे कहती हैं, ‘लेकिन मैं ऑडिशन के लिए तैयार हूं, मैं कहां रुकी थी? पिछले एक साल से मुझे किसी ने नहीं बुलाया। मैं हर चीज के लिए तैयार हूं, मुझे कॉल करें।’ हाल ही में हिना खान अपने पति रॉकी जायसवाल के साथ शो ‘पति पत्नी और पंगा’ का हिस्सा बनी हैं। हिना और रॉकी के अलावा ‘पति पत्नी और पंगा’ में कई टीवी सेलिब्रिटी कपल भी शामिल हुए हैं। इस लिस्ट में देबिन्ना बोनर्जी और गुरमीत चौधरी, रूबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला, अविका गौर और मिलिंद चंदवानी, स्वरा भास्कर और फहद अहमद, गीता फोगट और पवन कुमार, सुदेश लहरी और ममता लहरी शामिल हैं।

साभार एजेंसी